राष्ट्रीय दैनिक

प्रातःकिरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 समापन समारोह में मनु बाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे

उपवर्गीकरण के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन... मायावती 12

वर्ष : 15 | अंक : 120 | नई दिल्ली, शनिवार 10 अगस्त 2024 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 31°C

न्यूनतम तापमान 25.0°C

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	71,350
चांदी	82,200
सेंसेक्स	79,705
निफ्टी	24,367

‘भारत छोड़ो आंदोलन’ वास्तव में था हमारे स्वतंत्रता संग्राम का ऐतिहासिक क्षण : मोदी

नयी दिल्ली, नौ अगस्त (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘भारत छोड़ो आंदोलन’ में भाग लेने वालों को शुक्रवार को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह वास्तव में हमारे स्वतंत्रता संग्राम में एक ऐतिहासिक क्षण था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में देश में भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई और इस आंदोलन ने अंग्रेजों से आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आंदोलन शुरू होने के पांच वर्ष बाद 15 अगस्त 1947 को देश आजाद हुआ था।

‘गोल्डन ब्वॉय’ को मिला ‘सिल्वर’, पाकिस्तान के नदीम को ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

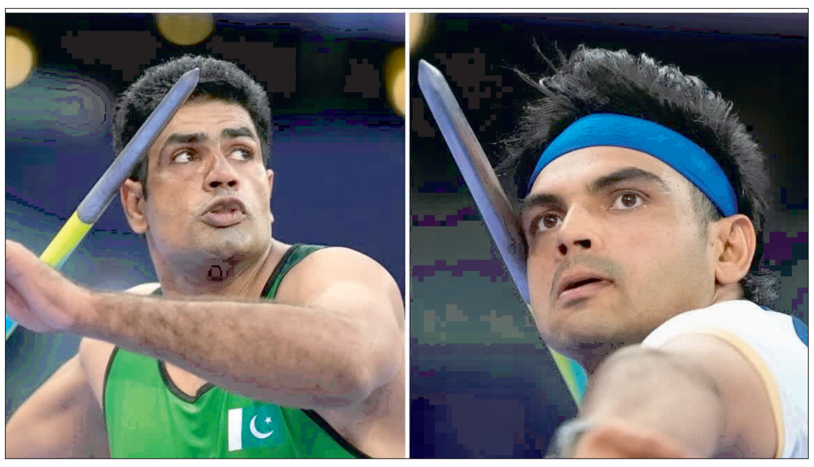

पेरिस, (भाषा) गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नये रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली ।

26 वर्ष के नीरज का दूसरा थ्रो ही उनका एकमात्र वैध थ्रो रहा जिसमें उन्होंने 89 . 45 मीटर फेंका जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो था । इसके अलावा उनके पांचों प्रयास फाउल रहे । उन्होंने तोक्यो में 87 . 58 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता था । वहीं नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92 . 97 मीटर का लगाया । उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91 . 79 मीटर का लगाया ।

पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है । इससे पहले दस मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था । पिछला ओलंपिक रिकॉर्ड नॉर्वे के आंद्रियास टी के नाम था जिन्होंने 2008 में बीजिंग खेलों में 90 . 57 मीटर का थ्रो फेंका था । ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88 . 54 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक और फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए । उनसे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) और बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू (2016 और 2021) ह कारनामा कर चुके हैं । नदीम को हांगझोउ एशियाई खेलों में नीरज से प्रतिस्पर्धा करनी थी लेकिन आखिरी मौके पर चोट के कारण उन्होंने नाम वापिस ले लिया । नीरज ने उन्हें 2018 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में हराया था ।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने रजत पदक जीतने पर दी नीरज चोपड़ा को बधाई

नयी दिल्ली, (भाषा) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित देश के विभिन्न वर्ग के लोगों ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक खेलों में रजत पदक जीतने पर बधाई देते हुए भाला फेंक के इस स्टार खिलाड़ी को उत्कृष्टता का साकार रूप करार दिया।

तोक्यो ओलंपिक के चैंपियन चोपड़ा ने बृहस्पतिवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक में रजत पदक जीता। वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले ट्रैक एवं फील्ड के पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर लिखा, ‘‘नीरज चोपड़ा उत्कृष्टता का साकार रूप हैं। बार-बार उन्होंने अपनी श्रेष्ठता की बानगी दी है । भारत हर्षित है कि उन्होंने एक बार फिर ओलंपिक में सफलता पाई है।’’ प्रधानमंत्री ने कहा, ‘‘रजत जीतने पर उन्हें बधाई। वह आने वाले असंख्य खिलाड़ियों को अपने सपने पूरे करने और देश को गौरवान्वित करने के लिये प्रेरित करते रहेंगे।’

राष्ट्रपति मुर्मू ने उम्मीद व्यक्त की कि चोपड़ा आगे भी देश के लिए पदक जीतेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, ‘‘नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने और इतिहास रचने पर हार्दिक बधाई। वह लगातार दो ओलंपिक खेलों में एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं।’ राष्ट्रपति ने कहा, ‘‘भारत को उन पर गर्व है। उनकी उपलब्धि आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। भारत को उम्मीद है कि

नीरज चोपड़ा भविष्य में और अधिक पदक जीत कर देश का गौरव बढ़ाएंगे।’’ खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को बधाई देते हुए कहा, ‘‘बधाई हो नीरज। आपने पूरे राष्ट्र को प्रेरित किया और दुनिया को दिखाया है कि दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता कैसी होती है। हमें आप पर गर्व है। वैश्विक मंच पर भारत को गौरवान्वित करने के लिए आपका आभार।’’

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने कहा,‘ ‘‘आगे और आगे। उन्होंने एक बार फिर कर दिखाया और इस बार पेरिस में। नीरज चोपड़ा आप वास्तव में लाखों में एक हैं। ओलंपिक में एक और पदक के लिए बधाई।’’

लंदन ओलंपिक 2012 के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के प्रमुख गगन नारंग ने कहा, ‘‘हार्ट ऑफ गोल्ड ने आज हमें उम्मीद की किरण दी। नीरज चोपड़ा आपकी कड़ी मेहनत, समर्पण, दृढ़ता और सबसे ऊपर विनम्रता एक ऐसी चीज है जिसका सभी खिलाड़ियों को अनुकरण करने की जरूरत है।’’

चोपड़ा ने बृहस्पतिवार रात स्टेडियम डी फ्रांस में भालाफेंक स्पर्धा में 89.45 के सत्र के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सचिव जय शाह ने कहा, ‘‘हमारे स्टार नीरज चोपड़ा को लगातार दूसरा ओलंपिक पदक। आप भले ही स्वर्ण पदक से चूक गए हों, लेकिन फाइनल में आपकी प्रतिबद्धता और प्रयास वास्तव में प्रेरणादायक थे।’’

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा, ‘‘आइकॉन प्रत्येक भारतीय के लिए खुशी लाए बिना कभी नहीं लौटता।’’ भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने लिखा, ‘‘ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए नीरज चोपड़ा को बधाई। आपकी दृढ़ता और जुनून देश को प्रेरित करता रहेगा। आपने एक बार फिर दिखाया है कि कड़ी मेहनत और समर्पण से सपनों को सच करने की कोई सीमा नहीं है।’’

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा,‘‘नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने पर बधाई। ओलंपिक खेलों में लगातार दो पदक जीतने का अद्भुत कारनामा।’’

पूर्व भारतीय कप्तान के. श्रीकांत ने कहा, ‘‘आपके समर्पण, कड़ी मेहनत और जुनून ने एक बार फिर हमारे देश को बहुत गौरवान्वित किया है।

उच्चतम न्यायालय ने ‘आप’ के नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दी

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को शुक्रवार को जमानत दे दी और कहा कि वह 17 माह से हिरासत में हैं।

शीर्ष अदालत ने अधीनस्थ न्यायालयों की आलोचना करते हुए कहा कि मामले की सुनवाई शुरू हुए बिना लंबे समय तक जेल में रखे जाने से वह शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित हुए हैं। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने अपने निर्णय में कहा कि अब समय आ गया है कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय इस सिद्धांत को स्वीकार करें कि ‘’जमानत एक नियम है और जेल एक अपवाद है।’’

पीठ ने कहा कि सिसोदिया की समाज में गहरी पैठ है और उनके देश छोड़कर जाने की कोई आशंका नहीं है।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार व धनशोधन मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने गिरफ्तार किया था। दोनों मामलों में शीर्ष अदालत की तरफ से जमानत मिलने पर आज 10 लाख रुपये के जमानती बॉण्ड और इतनी ही धनराशि के दो निजी मुचलके भरने के बाद उनके जेल से बाहर आने की संभावना है।

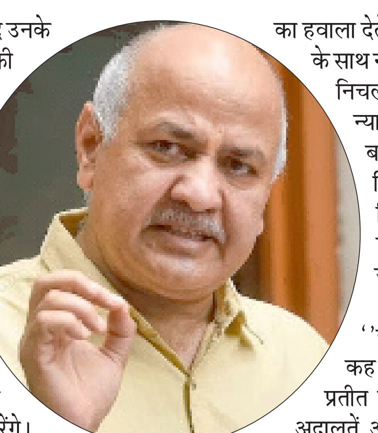

न्यायाधीशों ने जमानत की शर्तें तय करते हुए कहा कि उन्हें अपना पासपोर्ट विशेष अधीनस्थ न्यायालय में जमा कराना होगा। इसके अलावा वह न तो किसी गवाह को प्रभावित करने का प्रयास करेंगे और न ही सबूतों से छेड़छाड़ करेंगे। साथ ही उन्हें प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को पूर्वाह्न 10 से 11 बजे के बीच जांच अधिकारी के समक्ष पेश होना होगा।

पीठ ने कहा, ‘’हमने पाया है कि लगभग 17 महीने की लंबी कैद और मुकदमा शुरू न होने के कारण अपीलकर्ता (सिसोदिया) को शीघ्र सुनवाई के उनके अधिकार से वंचित किया गया है।’’ पीठ ने कहा, ‘’इस अदालत का मानना है कि शीघ्र सुनवाई का अधिकार और स्वतंत्रता का अधिकार पवित्र अधिकार हैं। इन अधिकारों से इनकार करते समय, निचली अदालतों के साथ-साथ उच्च न्यायालय को भी इस बात को उचित महत्व देना चाहिए था।’’ पीठ ने पिछले निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि समय के साथ न्यायालय ने पाया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय कानून के एक बहुत ही स्थापित सिद्धांत को भूल गए हैं कि सजा के तौर पर जमानत नहीं रोकी जानी चाहिए।

पीठ ने कहा, ‘’हमारे अनुभव से हम कह सकते हैं कि ऐसा प्रतीत होता है कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामले में बचने का प्रयास करते हैं। यह सिद्धांत कि जमानत एक नियम है और इनकार एक अपवाद है, कभी-कभी इसका उल्लंघन किया जाता है।’’ पीठ ने कहा कि सीधे सरल और पेचीदा मामलों में भी जमानत न दिए जाने के कारण सर्वोच्च न्यायालय में जमानत याचिकाओं की बाढ़ सी आ गई है। इससे लंबित मामलों की संख्या और बढ़ गई है।

न्यायाधीशों ने कहा कि मुकदमे के शीघ्र पूरा होने की संभावना के तहत सिसोदिया को असीमित समय तक जेल में रखना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत स्वतंत्रता के उनके मौलिक अधिकार का हनन होगा। अदालत ने कहा, ‘’मौजूदा मामले में अपीलकर्ता (सिसोदिया) की समाज में गहरी पैठ है। उसके देश से भागने और मुकदमे का सामना करने के लिए उपलब्ध न होने की कोई संभावना नहीं है। किसी भी मामले में, अभियोजन की चिंताओं को दूर करने के लिए शर्तें लगाई जा सकती हैं।’’

पीठ ने दिल्ली उच्च न्यायालय के 21 मई के फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें इन दोनों मामलों में सिसोदिया की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी गई थीं।

सिसोदिया ने जमानत का अनुरोध करते हुए कहा था कि वह 17 महीने से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमा अभी तक शुरू नहीं हुआ है। ईडी और सीबीआई ने उनकी जमानत याचिका का विरोध किया।

सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 26 फरवरी 2023 को दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण और क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं के लिए गिरफ्तार किया था। बाद में यह नीति रद्द कर दी गई थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें धनशोधन के मामले में नौ मार्च 2023 को गिरफ्तार किया था। धनशोधन का यह मामला सीबीआई की प्राथमिकी से जुड़ा था।

सिसोदिया ने 28 फरवरी 2023 को दिल्ली मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था।

मनु भाकर ने राहुल गांधी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, (भाषा) पेरिस ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली निशानेबाज मनु भाकर ने शुक्रवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

राहुल गांधी ने उन्हें गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी और भविष्य की खेल प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं। यह मुलाकात संसद भवन स्थित राहुल गांधी के कार्यालय में हुई। इस मुलाकात के दौरान मनु के परिवार के कुछ सदस्य और उनके प्रशिक्षक जसपाल राणा भी थे। मनु भाकर (22) ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य और फिर सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भी कांस्य पदक जीता। वह स्वतंत्रता के बाद किसी एक ओलंपिक खेल में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्याथ ने त्योहारी सीजन से पहले की कानून व्यवस्था की समीक्षा

लखनऊ, (भाषा) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश की कानून-व्यवस्था तथा लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों की समीक्षा की।

बैठक में बाढ़ की वर्तमान स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को बेहतर करने और त्योहारों के आयोजन के संबंध में तैयारियों की गहन समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एक बयान के अनुसार, आदित्यनाथ ने बैठक में कहा, ‘‘विभिन्न संगठनों के विचारलोकतांत्रिक तरीके से सुने जाने चाहिए, चाहे वह किसान संगठन हों या कोई अन्य समूह। उनकी आशंकाओं का उचित तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। हालांकि, किसी को भी अराजकता फैलाने की आजादी नहीं दी जा सकती।’’ मुख्यमंत्री ने आगामी त्योहारों और पुलिस भर्ती परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों के मद्देनजर पुलिस और स्थानीय प्रशासन को चौबीसों घंटे सतर्क रहने के आदेश दिए। बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने लगातार जारी बारिश से प्रभावित सभी जिलों में स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप राहत एवं बचाव कार्य जारी रखे जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित लोगों को दी जा रही खाद्य सामग्री की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाए। उन्होंने कहा कि नौ अगस्त से ऐतिहासिक ‘काकोरी कांड’ का शताब्दी वर्ष प्रारंभ हो रहा है और यह पूरा साल आजादी के नायकों को समर्पित रहेगा तथा इसी श्रृंखला में 13 से 15 अगस्त तक ‘हर घर तिरंगा’ जन अभियान के तहत प्रदेश के हर आवास, हर कार्यालय पर तिरंगा फहराया जाएगा।

नीरज के रजत पदक जीतने पर कांग्रेस ने कहा, ‘आपकी उपलब्धि पर देश को गर्व है’

नयी दिल्ली, (भाषा) कांग्रेस ने नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाला पहला भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बनने पर शुक्रवार को उन्हें बधाई दी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘आप हमेशा ही चैंपियन हैं। नीरज चोपड़ा, आपकी अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए बहुत-बहुत बधाई।’ राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष खरगे ने कहा, ‘‘पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतना आपकी लगन, कड़ी मेहनत और आपके निरंतर जुनून का प्रमाण है। आपने एक बार फिर भारत को गौरवान्वित किया।’

उन्होंने कहा, ‘‘चमकते रहें और नयी ऊंचाइयों को छूते रहें। आपकी सफलता के लिए शुभकामनाएं।’’ लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी चोपड़ा की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

गांधी ने ‘एक्स’ पर कहा,

‘‘पेरिस ओलंपिक 2024 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतने पर बधाई।’’ उन्होंने कहा, ‘‘आपने एक बार फिर भारत को बेहद गौरवान्वित किया है।’’

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर से ओलंपिक में भारत का झंडा बुलंद करते हुए रजत पदक हासिल किया। देश के लिए अत्यंत खुशी और गौरव का क्षण है।’’ उन्होंने कहा कि नीरज चोपड़ा ने लगातार अपने शानदार प्रदर्शन से देश का मान बढ़ाया है और वह लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। प्रियंका गांधी ने कहा, ‘‘नीरज चोपड़ा, उनके माता पिता और सभी देशवासियों को इस उपलब्धि के लिए खूब बधाई।’’

कांग्रेस ने ‘एक्स’ पर कहा, ‘‘नीरज चोपड़ा ने पेरिस ओलंपिक में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीता। डिफेंडिंग चैंपियन नीरज की इस उपलब्धि पर हर देशवासी को गर्व है।’’ इसने कहा, ‘‘नीरज ने अपने प्रदर्शन से देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया है। कांग्रेस परिवार की ओर से नीरज को भविष्य के लिए शुभकामनाएं। जय हो।’’

प्रधानमंत्री शनिवार को वायनाड जाएंगे, समीक्षा बैठक की करेंगे अध्यक्षता

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को भूस्खलन प्रभावित वायनाड का दौरा करेंगे और राहत तथा पुनर्वास कार्यों की समीक्षा करेंगे तथा हादसे में जीवित बचे लोगों से बातचीत करेंगे।

अधिकारियों ने बताया कि मोदी पूर्वाह्न करीब 11 बजे कन्नूर पहुंचेंगे और फिर वायनाड में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान में शामिल दल उन्हें निकासी प्रयासों के बारे में जानकारी देंगे। उन्होंने बताया कि वह राहत शिविर और अस्पताल जाएंगे, जहां वह पीड़ितों और भूस्खलन में जीवित बचे लोगों से मुलाकात करेंगे।

मोदी इसके बाद एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें उन्हें घटना और जारी राहत प्रयासों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। केरल में 30 जुलाई को हुए भूस्खलन में कम से कम 226 लोगों की मौत हो गई थी। कई लोग अभी भी लापता हैं।

राज्यसभा में जया बच्चन ने सभापति के लहजे पर जताई आपत्ति, मिली सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत

नयी दिल्ली, (भाषा) राज्यसभा में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की सदस्य जया बच्चन ने सभापति जगदीप धनखड़ के बोलने के लहजे पर आपत्ति जताई जिसके बाद दोनों के बीच नोंकझोंक हो गई और सभापति ने कहा कि उनके जैसी सेलिब्रिटी को भी शिष्टाचार का पालन करने की जरूरत है।

सभापति ने विपक्षी सदस्यों को सदन की गरिमा बनाए रखने की नसीहत दी वहीं विपक्षी सदस्यों ने अपनी बात रखने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाते हुए सदन से बहिर्गमन कर दिया। बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए जया बच्चन ने कहा कि वह सभापति के बोलने के लहजे से नाराज हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सदन में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे जब अपनी बात रखने के लिए खड़े हुए तो उनका माइक बंद कर दिया गया और इससे भी वह (जया) नाराज हैं।

सदन में विवाद तब शुरू हुआ जब सपा सदस्य, कुछ दिन पहले भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी द्वारा खरगे पर की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर विपक्षी

दलों और सभापति के बीच चल रही तीखी बहस पर अपनी बात रखना चाहती थीं। धनखड़ ने उन्हें अनुमति देते हुए कहा ‘‘जया अमिताभ बच्चन अपनी बात रखें।’’

जया ने कहा ‘‘मैं जया अमिताभ बच्चन यह बोलना चाहती हूं, मैं कलाकार हूं, बॉडी लैंग्वेज समझती हूं, एक्सप्रेशन (भाव भंगिमा) समझती हूं। और महोदय, मुझे माफ कीजियेगा। मगर आपका टोन जो है, यह स्वीकार्य नहीं.... हम सहयोगी हैं, आप आसन पर हो सकते हैं.... और मुझे याद है अपने स्कूल के.... ।’’

जया अपनी बात पूरी नहीं कर पाईं और सभापति ने उन्हें बैठने के लिए कहा।

सभापति ने कहा, ‘‘जया जी, आपने बहुत ख्याति हासिल की है। आप जानती हैं कि कलाकार निर्देशक के अनुसार काम करता है। आप वह नहीं देखतीं जो मैं यहां से देखता हूं। हर दिन... मैं दोहराना नहीं चाहता। मैं स्कूलिंग नहीं चाहता। मैं वह व्यक्ति हूं जो ‘आउट ऑफ द वे’ गया। और आप कहती हैं कि मेरी टोन....।’’

इसी बीच जया ने कुछ कहना चाहा। सभापति ने उन्हें रोकते हुए तल्ख लहजे में कहा, ‘‘बहुत हो गया। आप कोई भी हों, आप भले ही सेलिब्रिटी हों, आपको शिष्टाचार समझना होगा। मैं यह सहन नहीं करूंगा। कभी ऐसा दिखाने की कोशिश न करें कि आप ही ने ख्याति अर्जित की है। हम सभी यहां ख्याति अर्जित करके, प्रतिष्ठा के साथ आए हैं।’’ सदन में मौजूद विपक्ष की एक सदस्य ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सदन में वह (जया) सेलिब्रिटी नहीं बल्कि वरिष्ठ सदस्य हैं। इस पर सभापति ने कहा कि संसद के वरिष्ठ सदस्य के पास क्या आसन की गरिमा को गिराने का लाइसेंस होता है?

सभापति ने अपने लहजे, अपनी आदत, अपने मिजाज को लेकर सदस्यों की टीका टिप्पणियों पर नाखुशी जाहिर करते हुए कहा कि वह किसी के कहने पर नहीं बल्कि अपने अनुसार, सदन के नियमों के अनुसार चलेंगे। जया बच्चन ने कुछ कहना चाहा लेकिन सभापति ने उन्हें अनुमति नहीं दी। इसी बीच खरगे ने अपनी बात रखने की कोशिश की, तो सभापति ने कहा कि वह सभी सदस्यों का बहुत सम्मान करते हैं। धनखड़ ने आगे कहा कि वह सदन को ‘‘अशांति का केंद्र’’ नहीं बनने दे सकते। जया बच्चन ने बाद में संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें आसन की ओर से इस्तेमाल किए गए लहजे पर ‘‘आपत्ति’’ है।

संक्षिप्त समाचार

बिजली गुल होने से बाहर बैठे कर्मचारी, कार्य प्रभावित

काशीपुर, एजेंसी। रोडवेज डिपो में कई समय से जनरेटर खराब पड़ा है। इससे डिपो के कर्मचारियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बिजली जाने की स्थिति में कर्मचारियों ने पूरी गर्मी पसीने में निकाली है। पत्राचार के बावजूद भी मुख्यालय से जनरेटर का बजट पास नहीं हो सका है, जिस वजह से जनरेटर को न तो बदला जा सकता है और न ही ठीक कराया जा सकता है। बुधवार सुबह से बिजली के आने जाने से परेशान कर्मचारी डिपो परिसर पर ही टेबल कुर्सी लगाकर बैठकर कार्य करने लगे। डिपो इंचार्ज हरेंद्र सिंह नितवाल ने बताया कि सुबह से ही बिजली नहीं है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहे हैं। एआरएम अनिल सैनी ने बताया कि जनरेटर को ठीक कराने या बदलने का बजट मुख्यालय से ही पास होता है।

कुमाऊं विवि : मूल्यांकन के बाद दोबारा जांची जाएंगी उत्तरपुस्तिकाएं

हल्द्वानी, एजेंसी। कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से कराए गए मूल्यांकन में इस बार कई त्रुटियां पाई गई थी। इससे बचने के लिए अब विवि ने नया नियम बनाया है। भविष्य में मूल्यांकन के बाद उत्तर पुस्तिकाओं की जांच सीनियर टीचिंग और नॉनटीचिंग स्टाफ से कराई जाएगी। आरटीआई लगाने के बाद कुमाऊं विवि से मिली उत्तरपुस्तिका की प्रतिलिपि में पाया गया था कि कॉपी के अंदर अलग, बाहर अलग नंबर और परीक्षाफल में अलग नंबर चढ़े हैं। कई प्रश्नों को बिना जांचें और बिना नंबर दिए ही छोड़ दियाथा। छात्र-छात्राओं के रिजल्ट में कहीं ज्यादा तो कहीं कम नंबर चढ़े थे। इसको लेकर छात्रों ने नाराजगी जताते हुए आंदोलन भी किया था। भविष्य में सभी मूल्यांकन केंद्रों में उत्तरपुस्तिका की दोबारा जांच के लिए वरिष्ठ प्राध्यापक, रिटायर्ट प्राध्यापक या शिक्षणेतर कार्मिक नियुक्त किए जाएंगे। ये कार्मिक उत्तरपुस्तिका में जांच करेंगे कि भीतर चढ़े नंबरों का योग और बाहर लिखे नंबरों का योग एकसमान है या नहीं। जांच में कमी मिलने पर मूल्यांकनकर्ता को बता दिया जाएगा कि उन्होंने क्या गड़बड़ी की है। प्रत्येक मूल्यांकन केंद्र में उत्तरपुस्तिकाओं के औसत के आधार पर कार्मिकों को दायित्व सौंपा जाएगा।

28,525 राशन कार्ड बिना केवाईसी ले रहे राशन

हल्द्वानी, एजेंसी। जिले में अब तक 28 हजार कार्डधारक बिना केवाईसी राशन ले रहे हैं। अगर इन कार्डधारकों का केवाईसी नहीं हुआ तो इनका राशन बंद हो सकता है। पारदर्शिता और पात्र को लाभ देने के लिए खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग राशन कार्ड की केवाईसी कराने पर जोर दे रहा है। जिले में 2,45,549 कार्डधारक है। विभागीय अधिकारियों को मई से अगस्त तक तीन बार रिमाइंडर भेजने के बावजूद 28,525 कार्डधारकों की केवाईसी नहीं हुई है। केवाईसी नहीं होने से भविष्य में राशन कार्ड निष्क्रिय हो सकता है। जिला पूर्ति अधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि जिले को नए पूर्ति निरीक्षक मिले हैं। सभी पूर्ति अधिकारियों को 30 अगस्त तक शेष कार्डधारकों की केवाईसी कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्डधारकों से भी रामपुर रोड पर टीवीएस शोरूम के पास स्थित विभागीय कार्यालय में पहुंचकर केवाईसी कराने की अपील की है।

डीआईजी ने कुमाऊं में तैनात 1050 पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण किया

नैनीताल, एजेंसी। निर्धारित अवधि पूरी होने पर डीआईजी डॉ. योगेंद्र सिंह रावत ने कुमाऊं परिक्षेत्र के 1050 पुलिसकर्मियों के स्थानांतरण के आदेश जारी किए गए हैं। डीआईजी के जारी आदेश के अनुसार 15 निरीक्षकों के तबादले किये गए हैं। जिसमें आठ को पहाड़ से मैदान, पांच को मैदान से पहाड़ और दो पहाड़ से पहाड़ स्थानांतरित किये गए हैं। 29 उपनिरीक्षकों में 17 को पहाड़ से मैदान, 10 को मैदान से पहाड़ और दो को पहाड़ से पहाड़ भेजा गया है। जबकि 50 एएसआई में 24 को पहाड़ से मैदान और 26 को मैदान से पहाड़ स्थानंतरित किया है। नागरिक पुलिस के 299 हेड कांस्टेबल में 167 को पहाड़ से मैदान, 132 को मैदान से पहाड़ स्थानांतरित किये गए है। सशस्त्र पुलिस के 196 हेड कांस्टेबल स्थानांतरित किये गए है। जिसमें 98 को पहाड़ से मैदान और 98 को मैदान से पहाड़ भेजा गया है। नागरिक पुलिस के 461 कांस्टेबल स्थानांतरित किये गए है।

बारिश से बागेश्वर में बर्बादी, आठ घर ढहे, खौफ की बीच कट रही लोगों की रात

बागेश्वर, एजेंसी। कपकोट में वर्षा से गधेरे उफना गए हैं। कुंवारी में भूस्खलन हो रहा है। 12 सड़कों पर आवागमन प्रभावित हो गया है। आठ घरों पर अतिवृष्टि की मार पड़ी है। 60 लोग प्रभावित हो गए हैं।

पांच लोगों के घरों के आंगन ध्वस्त हो गए हैं। लोग वर्षा से परेशान तथा भयभीत हैं। जिले में रात को अधिक वर्षा हो रही है। गुरुवार को सुबह तक वर्षा हुई। दिन में हल्की वर्षा के बाद शाम तक धूप निखर आई। शामा के लाथी-चनुली में हयात सिंह का मकान क्षतिग्रस्त हो गया है।

मंडलसेरा में कैलाश चंद्र पुत्र दीवान राम, कांडा तहसील के गौजाणी में मोहन सिंह पुत्र नंदन सिंह, कभाटा में मोहन राम पुत्र दीवान राम, लैटगाड़ी में बचुली देवी पत्नी रणजीत सिंह, कपकोट के किलपारा में कमला देवी पत्नी पुष्कर सिंह का आवासीय मकान क्षतिग्रस्त हो गया है।

गरुड़ के गागरीगोल में दलीप राम पुत्र मोती राम, डंगोली में कला देवी पत्नी लच्छी राम, चनौली में दलीप राम पुत्र मोती राम का मकान ध्वस्त हो गया है। जिससे लगभग 60 लोग प्रभावित हो गए हैं।

बागेश्वर तहसील के द्वारसों गांव में जगदीश सिंह पुत्र लछम सिंह, कुकरौली के उमेद सिंह पुत्र दौलत सिंह, करुली में प्रताप सिंह पुत्र विशन सिंह का आंगन क्षतिग्रस्त हो गया है। काफलीगैर तहसील के पगना में धनी राम पुत्र शिव लाल, सुतरगांव के राजेंद्र प्रसाद पुत्र केशर राम, नायल में शम्भू दत्त मिश्रा पुत्र विशन दत्त, मल्ला पय्या के जसपाल सिंह पुत्र नारायण सिंह का आंगन ध्वस्त हो गया है।

अतिवृष्टि से गुरुवार को चनौली-जैनकरास, गरुड़-कपकोटी-फल्यांटी, जिन्तोली-सिलखन्यारी, रवांईखाल-कमोल, खड़लेख-भनार-डाना-टिक्टा, बदियाकोट-बोरबलड़ा, काफलीकमेड़ा, शामा-लीती-गोगिना, सीरी, नामतीचेटाबगड़, भयूं-गुलेर, गुलम-परगड़, दफौट, तूनेरा समेत 12 मोटर मार्गों पर आवागमन प्रभावित रहा। इधर, जीआइसी मार्ग भुरचुनिया धार में सड़क पर पेड़ गिर गया।

अग्निशमन अधिकारी गोपाल सिंह रावत ने बताया कि पेड़ को हटाकर यातायात सुचारू कर दिया गया है। वहीं, चंडिका मंदिर सड़क पर बार-बार मलबा गिरने से मकानों को खतरा बना हुआ है। रेडक्रास भवन मार्ग पर निर्माणाधीन दीवार भी गिर गई है। रेडक्रास के चेयरमैन संजय साह जगाती ने जांच की मांग की है।

अतिवृष्टि से हुए नुकसान का आकलन राजस्व विभाग कर रहा है। बंद सड़कों को खोलने के लिए लोडर मशीनें लगाई गईं हैं। जिलाधिकारी ने संबंधितों महकमों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। - शिखा सुयाल, जिला आपदा अधिकारी।

वर्षा से आपदाग्रस्त कुंवारी गांव में एक बार फिर से भूस्खलन होने लगा है। ग्रामीणों की नींद उड़ गई है। भूस्खलन के कारण ग्रामीण बुधवार की रात सो तक नहीं सके। मकान के आगे तथा पीछे से भूमि खिसकने लगी है। लोगों ने प्रशासन से गांव की सुध लेने की मांग की है।

गांव की देवकी देवी ने दूरभाष पर बताया कि बुधवार की रात फिर से भूस्खलन शुरू हो गया। वह घर में अकेली थी। जिस कारण रातभर सो तक नहीं सकी। उनके घर के आगे तथा पीछे भूस्खलन हो गया है। मकान तक जाने का रास्ता तक नहीं बचा है।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, फंसे तीन लोगों को फायर ब्रिगेड ने सुरक्षित निकाला

रुड़की, एजेंसी। शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। घर में फंसे तीन लोगों को फायर ब्रिगेड ने सुरक्षित निकाला।

कोतवाली रुड़की क्षेत्र की अरोड़ा कॉलोनी स्थित एक घर में तड़के शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की वजह से हुए धुएं में घर के तीन लोग फंस गए। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया और तीनों सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला।

रुड़की फायर स्टेशन को बृहस्पतिवार तड़के 4:38 बजे सूचना मिली कि अरोड़ा कॉलोनी गली नंबर 4 सोनालीपुरम में अपर्णा तोमर के मकान में आग लगी है। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। फायर ब्रिगेड के लीडिंगमैन अतर सिंह राणा ने बताया कि घर के स्टोर में समरसेबल के स्टार्टर में शॉर्ट सर्किट होने के कारण आग लगी थी। इससे पूरे घर में धुआं भरा हुआ था। अंधेरा होने के कारण घर के अन्दर प्रवेश करना काफी मुश्किल था। काफी प्रयास के बाद टीम आग बुझाते हुए अंदर पहुंची। मकान में फंसे किरायेदार शुभम शुक्ला, उनकी माता और बहन को सुरक्षित बाहर निकाला गया। समय रहते आग पर काबू पाने से कोई जनहानि नहीं हुई है।

88 साल पूरे, हैप्पी बर्थ-डे जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क, तीन बार बदला गया था नाम

नैनीताल, एजेंसी। जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की आज ही के दिन स्थापना हुई थी। 1936 में हेली नेशनल पार्क के नाम से स्थापना हुई थी, जिसे आज 88 साल पूर्ण हो चुके है। इस दौरान तीन बार का पार्क का नाम बदला गया था।

दुनिया भर में मशहूर जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की आज ही के दिन स्थापना हुई थी। 1936 में हेली नेशनल पार्क के नाम से स्थापना हुई थी, जिसे आज 88 साल पूर्ण हो चुके है। इस दौरान तीन बार का पार्क का नाम बदला गया था। यहां दुनियाभर से हर साल बड़ी तादात में पर्यटक जंगल सफारी करने पहुंचते हैं। पिछले कुछ वर्षों यहां बाघों की संख्या भी काफी बढ़ी है और मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी बढ़ी है।

1934 में तत्कालीन गर्वनर सर विलियम हेली ने इस क्षेत्र को वन्यजीवों के लिए संरक्षित किए जाने की वकालत की थी। जिम एडवर्ड कार्बेट को इसकी सीमाओं का निर्धारण किए जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। आठ अगस्त 1936 को हेली नेशनल पार्क नाम से यह भारत के पहले राष्टीय उद्यान के रूप में अस्तित्व में आया। उसके बाद से धीरे-धीरे यह क्षेत्र रामनगर की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनता गया। आज हजारों पर्यटन कारोबारियों व दुकानदारों की आजीविका कार्बेट के पर्यटन पर टिकी है।

तीन बार पार्क का नामकरण हुआ। सीटीआर निदेशक डा. साकेत बडोला ने बताया वर्ष 1936 में इसका नाम हेली नेशनल पार्क था। इसके बाद रामगंगा नेशनल पार्क रखा। तीसरी बार 1955 में फिर नाम बदलकर कार्बेट नेशनल पार्क रख दिया। पहले कार्बेट पार्क का क्षेत्रफल 323.75 वर्ग किमी था। 1966 में इसका क्षेत्रफल बढ़ाकर 520.82 वर्ग किमी किया। कार्बेट पार्क के 520.82 वर्ग किमी क्षेत्र में ही पर्यटन होता है। पार्क में इस समय 262 बाघ, 1226 हाथी, 145 मगरमच्छ, 95 घड़ियाल, 143 ऊदबिलाव और हिरन के अलावा भालू, सांभर, तेंदुआ आदि के अलावा सरीसृप और छह सौ से अधिक प्रजातियों के पक्षी भी मौजूद है। जेम्स ए. जिम कार्बेट आयरिश मूल के भारतीय लेखक, पर्यावरणविद, फोटोग्राफर और शिकारी थे। उन्होंने मानवीय अधिकारों के लिए संघर्ष किया व संरक्षित वनों और वन्यजीवों को बचाने का प्रयास भी। उन्होंने नैनीताल के पास कालाढूंगी में आवास बनाया था। जिम ने उत्तराखंड में अनेक आदमखोर बाघों को मार कर ग्रामीणों को उनके दहशत से मुक्ति दिलाई थी। जिनमें रुद्रप्रयाग का आदमखोर और चम्पावत में 436 लोगों का शिकार करने वाली आदमखोर बाघिन भी शामिल है।

नकली नोट के मामले में दूसरा आरोपी भी गिरफ्तार

नैनीताल, एजेंसी। मल्लीताल क्षेत्र में नकली नोट चलाने के मामले में देर रात पुलिस ने एक और आरोपी को ज्योलीकोट से पकड़ लिया। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

बता दें कि मंगलवार को मल्लीताल में देशी और विदेशी नकली नोट लेकर पहुंचे चार युवकों की खरीदारी के दौरान कारोबारी की सूझबूझ से एक आरोपी मुजफ्फरनगर के अकिल बालियान को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया था। पुलिस आरोपी के तीन अन्य साथियों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन को ट्रेस कर ज्योलीकोट क्षेत्र से दूसरे आरोपी आरिफ को भी दबोच लिया। करीब 65 हजार की असली भारतीय करेंसी बरामद हुई। कोतवाल हरपाल सिंह ने बताया कि बालियान मंसूरपुर मुजफ्फरनगर निवासी अकिल बालियान और आरिफ को कोर्ट में पेशी के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

रात में जंगल में गुम हुए दरोगा, तलाश में जुटीं छह रेंजों की टीमें

हल्द्वानी, एजेंसी। एक वन दरोगा जंगल में गायब हो गए। जब ये सूचना वनाधिकारियों को लगी तो छह रेंज की टीम वन दरोगा को ढूंढ़ने में लगी रही। बुधवार छह बजे जब वन दरोगा भटकते हुए मोबाइल सिंगनल की रेंज में पहुंचे। तब वन कर्मी उनके पास पहुंची।

हल्द्वानी में पूर्वी गदगदिया बिट में हुई फायरिंग के दौरान वन कर्मी जंगल में अपनी जान बचाने के लिए पैदल भाग खड़े हुए। उधर दो घंटे बाद पांच वनकर्मी वन रेंज कार्यालय पहुंच गए। उधर एक वन दरोगा जंगल में गायब हो गए। जब ये सूचना वनाधिकारियों को लगी तो छह रेंज की टीम वन दरोगा को ढूंढ़ने में लगी रही। बुधवार छह बजे जब वन दरोगा भटकते हुए मोबाइल सिग्नल की रेंज में पहुंचे। तब वन कर्मी उनके पास पहुंची। इसके बाद सभी ने राहत की सांस ली।

गदगदिया रेंज के गश्ती दल ने जब वन कर्मियों को ले जाते हुए देखा तो उन्होंने वाहन को उधर घुमा लिया। वन विभाग के वाहन को देखते ही तस्करों ने फायर करने शुरू कर दिए। वन विभाग के गश्ती दल में चालक सहित छह वन कर्मी थे। चालक को छोड़कर सभी गाड़ी से उतरकर पेड़ों के पीछे छिप गए।

तस्करों की फायरिंग जब नहीं रूकी तो वन कर्मियों ने जवाब में दो फायर किए। इसके बाद बेखौफ तस्करों ने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए चालक गाड़ी लेकर भाग निकला। उधर गश्ती दल के सदस्य जंगल में भाग गए। चार वन कर्मी जंगल को जानते थे। इस कारण वे दो घंटे बाद गदगदिया रेंज कार्यालय पहुंच गए।

उधर पहाड़ से स्थानांतरण होकर आए वन दरोगा आनंद पंत को जंगल की जानकारी नहीं थी। वह जंगल में फंस गए। जब वह काफी देर तक नहीं पहुंचे। तो वन कर्मियों ने अनहोनी की आशंका को देखते हुए उच्च अधिकारियों को सूचना दी। देर रात करीब एक बजे अलग-अलग रेंज की छह टीमें हथियारों के साथ जंगल मे घुसी। वन दरोगा को बहुत तलाश किया लेकिन नहीं मिला।

200-200 के हिसाब से भेजे जाएंगे लोग, उत्तरकाशी के बटर फेस्टिवल के लिए हाईकोर्ट का फैसला

नैनीताल, एजेंसी। हाई कोर्ट ने उत्तरकाशी के दयारा बुग्याल में 15-16 अगस्त को होने वाले बटर फेस्टिवल में डेढ़ हजार लोगों के जाने की अनुमति दी है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सरकार एक साथ डेढ़ हजार लोगों को भेजने के बजाय दो-दो सौ के हिसाब से भेजे और उनके आने-जाने का समय भी निर्धारित करे। व्यवस्था बनाए रखने को वन विभाग व पुलिस के कर्मचारी तैनात किए जाएं। साथ ही फेस्टिवल समाप्त होने के बाद सफाई करके उसकी फोटो कोर्ट में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

बुधवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति ऋतु बाहरी व न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की खंडपीठ में कोर्ट के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में मखमली घास के मैदानों (बुग्याल) को मानवीय गतिविधियों से बचाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर पारित आदेश के बाद दयारा बुग्याल में बटर फेस्टिवल की आयोजक संस्था दयारा बुग्याल पर्यटन विकास समिति रैथल के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई।

मंगलवार को हुई सुनवाई में कोर्ट ने आयोजक संस्था से बुधवार तक बटर फेस्टिवल में जाने वाले लोगों की सूची पेश करने को कहा था।

उत्तराखंड के 10 मेधावी विद्यार्थी इंग्लैंड से करेंगे परास्नातक, 14 अगस्त को करेंगे एमओयू

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड के मेधावी विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। उच्च शिक्षा विभाग राज्य के 10 मेधावी स्नातक छात्र-छात्राओं को चयनित कर इंग्लैंड से परास्नातक कराएगा।

उत्तराखंड के मेधावी विद्यार्थियों के लिए अच्छी खबर है। उच्च शिक्षा विभाग राज्य के 10 मेधावी स्नातक छात्र-छात्राओं को चयनित कर इंग्लैंड से परास्नातक कराएगा। 14 अगस्त को सीएम पुष्कर सिंह धामी मुख्यमंत्री कार्यालय में फॉरेन कॉमनवेल्थ एंड डेवलपमेंट ऑफिस, ब्रिटिश हाई कमीशन से एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे।

मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा शेवनिंग छात्रवृत्ति योजना के तहत उत्तराखंड के दस स्नातक छात्रों को यूनाइटेड किंगडम (यूके) में पढ़ाई का मौका मिलेगा। शेवनिंग छात्रवृत्ति के लिए पांच बालक और पांच बालिकाओं का चयन उनकी नेतृत्व क्षमता और शैक्षणिक उत्कृष्टता के आधार पर होगा। विदेश में एक साल की परास्नातक की पढ़ाई करने का खर्च करीब 40 लाख रुपये आता है। राज्य सरकार 20 लाख रुपये का योगदान करेगी जब शेवनिंग इंडिया शेष 20 लाख रुपये वहन करेगी। इससे छात्रों को अपने शैक्षणिक और व्यावसायिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने, आवश्यक कौशल और ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। शेवनिंग संगठन चार दशकों से 160 देशों में काम कर रहा है।

कार्मिकों ने किया प्रदर्शन, निलंबित कर्मियों की बहाली की रखी मांग

अल्मोड़ा, एजेंसी। उत्तराखंड परिवहन मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के बैनर तले आज यानी गुरुवार को कटारमल स्थित आरटीओ कार्यालय में कार्मिकों ने प्रदर्शन किया। चारधाम मार्ग पर हुई सड़क दुर्घटना मामले में निलंबित कार्मिकों की बहाली नहीं होने से नाराज कार्मिक पूर्ण रूप से कार्य बहिष्कार पर चले गए है। वही, कर्मचारियों ने निलंबित कर्मचारियों की जल्द बहाली नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी भी दी है।

दरअसल, आरटीओ कार्यालय में कार्मिकों ने प्रदर्शन के दौरान बताया कि चारधाम मार्ग पर हुई दुर्घटना के लिए केवल परिवहन विभाग के कर्मचारियों को दोषी ठहराकर उन्हें निलंबित कर दिया गया है।

जब तक छुट्टी का संदेश आया, बच्चे स्कूल पहुंच गए

काशीपुर, एजेंसी। अवकाश का मैसेज देर से मिलने के कारण अधिकतर छात्र-छात्राएं विद्यालय पहुंच गए। इस दौरान विद्यालयों में छुट्टी की सूचना पहुंचाने में अधिकारियों के होश फाख्ता हो गए।

मंगलवार देर रात से रुक-रुककर बारिश हो रही थी। बुधवार सुबह भी बारिश जारी रही लेकिन विद्यालयों में अवकाश का कोई आदेश नहीं दिया गया। इस दौरान विद्यालयों में लगे वाहन छात्र-छात्राओं को लेकर पहुंच गए। करीब साढ़े छह बजे अचानक बीईओ के पास बारिश के चलते समस्त विद्यालय बंद रखने का संदेश आया।

तब तक निजी विद्यालयों में छात्र पहुंच गए। आनन-फानन मैसेज ग्रुपों में भेजने और विद्यालयों को जानकारी देने में प्रभारी बीईओ के पसीने छूट गए। इसके बाद छात्रों को वापस भेज दिया गया।

रामनगर रोड केलामोड़ स्थित एक निजी स्कूल में विद्यार्थी काफी देर तक रुके रहे। कुछ अभिभावकों ने इसकी शिकायत प्रभारी बीईओ से की। बीईओ ने विद्यालय की प्रधानाचार्य से बच्चों को घर भेजने के निर्देश दिए।

धीरेंद्र कुमार साहू,प्रभारी बीईओ ने बताया कि करीब साढ़े छह बजे मैसेज मिला। इस मैसेज को सर्कुलेट करने में करीब आधा घंटा लग गया।

राजीव गांधी छात्रावास में बचे 15 बच्चे, विधायक ने नवोदय विद्यालय का निरीक्षण किया

नैनीताल, एजेंसी। राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग में अव्यवस्थाओं को लेकर बच्चों का पलायन निरंतर जारी है। बुधवार को 43 और बच्चों को उनके अभिभावक घर ले गए। अब तक कुल 310 बच्चों को अभिभावक ले जा चुके हैं। हॉस्टल में अब सिर्फ 15 बच्चे बचे हैं।

राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग में अव्यवस्थाओं को लेकर बच्चों का पलायन निरंतर जारी है। बुधवार को 43 और बच्चों को उनके अभिभावक घर ले गए। अब तक कुल 310 बच्चों को अभिभावक ले जा चुके हैं। हॉस्टल में अब सिर्फ 15 बच्चे बचे हैं। वहीं बुधवार को विधायक सरिता आर्या ने स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्यालय में विकास कार्यों के लिए दो लाख रुपये और एक जनरेटर देने की घोषणा की।

अभिभावकों के नाराजगी जताने के बाद बुधवार देर शाम को विधायक सरिता आर्या नवोदय स्कूल का जायजा लेने पहुंचीं। उन्होंने वहां आए कई अभिभावकों से मुलाकात कर बच्चों को स्कूल भेजने की अपील की। अभिभावकों की मांग पर विधायक ने छात्राओं के लिए रजाई-गद्दे खरीदने के लिए विधायक निधि से दो लाख और रोशनी के लिए एक जनरेटर देने की घोषणा की।

विधायक ने त्वरित बिंदुओं पर कार्य किए जाने के लिए जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित भी किया। कहा कि तीन दिन के भीतर सभी त्वरित बिंदुओं के कार्यों को पूर्ण करने का आदेश दिया। इधर अभिभावक प्रतिनिधिमंडल के अध्यक्ष नवीन भट्ट ने विधायक के सामने भी रविवार को त्वरित बिंदुओं पर हुई कार्यवाही को देखने के बाद ही कोई निर्णय लेने की बात दोहराई। वहां एसडीएम रेखा कोहली, भाजपा नेता प्रभा पांडे के अलावा नवीन पंत, मुकेश त्रिपाठी, कमल बोहरा, चंद्र वल्लभ सनवाल, शाहिद समेत कई अभिभावक मौजूद रहे।मुख्य शिक्षा अधिकारी पुष्कर लाल टम्टा ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय कोटाबाग के लिए स्थायी प्रधानाचार्य की नियुक्ति कर दी है। इसके तहत डॉ. नीरजा पांडे को विद्यालय का स्थायी प्रधानाचार्य बनाया गया है।

इंटर कॉलेज ग्राउंड में नुमाइश मेले के दौरान खाद्य विभाग की छापेमारी, खाना पकाने के तेल में तैर रही थी मक्खियां

हल्द्वानी, एजेंसी। उत्तराखंड के हल्द्वानी एमबी इंटर कॉलेज ग्राउंड में चल रही नुमाइश में खाने पीने की चीजों में आम जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किया जा रहा था। इसकी शिकायत मिलने के बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने छापेमारी की। वहीं इस छापेमारी के दौरान नुमाइश के अंदर लगे खाने पीने के स्टाल में कई तरह की लापरवाही सामने आई। साथ ही खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जब तेल की जांच की गई तो उसमें मक्खियां मरी हुई तैर रही थी। ऐसी लापरवाही को देखते हुए खाद्य विभाग ने नुमाइश संचालक का चालान काटने को कहा है।

दरअसल, हल्द्वानी एमबी इंटर कॉलेज ग्राउंड में चल रही नुमाइश में उस समय हड़कंप मच गया, जब खाद्य विभाग ने छापेमारी की। इस दौरान दुकानदारों के द्वारा गंदे पानी को दुकानों के बाहर ही फेंका जा रहा था, जिससे हर तरफ बदबू फैली हुई थी। इससे बीमारी उत्पन्न होने का खतरा पैदा हो गया था।

नुमाइश के अंदर जो खाने पीने के स्टाल लगे हुए थे, उनमें से किसी का भी फूड लाइसेंस नहीं बना था। तभी खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों ने नुमाइश संचालनकर्ता को अगले तीन दिन के अंदर सभी के फूड लाइसेंस बनाने के निर्देश दिए।

वहीं हल्द्वानी के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने कहा कि नुमाइश संचालक द्वारा खाद्य सुरक्षा के नियमों का पालन नहीं किया जाता तो विधिक तौर पर कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

मनीष सिसोदिया की जमानत को 'आप' ने कहा- 'सत्य की जीत'

प्रातः किरण संवाददाता

- भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं : **सुनीता केजरीवाल**
- सिसोदिया की जमानत सत्य की जीत हैः **भगवंत मान**
- भाजपा और मोदी सरकार ने मनीष सिसोदिया को फर्जी केस में फंसाकर उनके जीवन के कीमती 17 महीने बर्बाद कियाः **संजय सिंह**
- सिसोदिया ने पूरे देश में शिक्षा का एक शानदार मॉडल पेश किया, लेकिन तानाशाह सरकार ने उन्हें बिना सबूत के 17 महीनों तक उन्हें जेल में रखाः **गोपाल राय**
- पीएमएलए जैसे कानून के तहत विपक्ष के नेताओं को जेल में रखने का केंद्र की भाजपा सरकार का यह एक षड़यंत्र मात्र हैः **सौरभ भारद्वाज**

नई दिल्ली, एक लंबे इंतजार के बाद आखिरकार शिक्षा के जनक दिल्ली के पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत दे दी। करीब 17 महीने से एक फर्जी केस में जेल में रहने को मजबूर मनीष सिसोदिया की जमानत की खबर आते ही आम आदमी पार्टी जश्न में डूब गई। पार्टी मुख्यालय पर ढोल-नगाड़े बजने लगे और नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार कर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सत्य की जीत बताया।

''आप'' के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा कि भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है। जबकि पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि मनीष सिसोदिया की जमानत सत्य की जीत है। वहीं, सांसद संजय सिंह, मंत्री सौरभ भारद्वाज, विधायक दुर्गेश पाठक समेत ''आप'' के कई अन्य वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया के घर पहुंचे और उनके परिवार को बधाई दी।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने शुक्रवार को दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत पर कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा हमें बार-बार प्रताड़ति करने का प्रयास किया गया, लेकिन आज हमें बहुत बड़ी जीत मिली है। यह सत्य की जीत है। इस केस में कोई तथ्य या सत्यता नहीं थी, फिर भी हमारे नेताओं को जबरन जेल में रखा गया। मनीष सिसोदिया को 17 महीने तक जेल में बंद रखा गया। क्या प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा उनके जीवन के इन 17 महीनों का हिसाब देंगे? ये 17 महीने दिल्ली में और अधिक स्कूल बनाने और बच्चों को बेहतर शिक्षा देने में इस्तेमाल हो सकते थे। इन लोगों ने मनीष सिसोदिया को फर्जी केस में फंसाकर उनके जीवन के कीमती 17 महीने बर्बाद किए और उन्हें शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी। हम पहले दिन से कह रहे हैं कि इस केस में कुछ नहीं है। देश और दिल्ली की जनता इसका जवाब देगी।संजय सिंह ने आगे कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का दिल से आभार व्यक्त करते हैं और सिर झुकाकर नमन करते हैं कि लंबे इंतजार के बाद हमें आखिरकार न्याय मिला। आम आदमी पार्टी और मनीष सिसोदिया के पक्ष में आए इस कोर्ट के फैसले से पार्टी का हर एक कार्यकर्ता उत्साहित है। दिल्ली और देश के नागरिक इस फैसले से खुश हैं, क्योंकि वे मानते थे कि हमारे नेताओं के साथ जोर-जबरदस्ती और अन्याय हुआ है। हमारे नेता अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को अभी भी जेल में रखा गया है। हमें उम्मीद है कि उन्हें भी जल्द न्याय मिलेगा और वे भी रिहा होंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला केंद्र की तानाशाही के मुंह पर एक जोरदार तमाचा है। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा वाले तो उनकी गर्दन दबाकर मरवाने के लिए भी तैयार हैं। भाजपा नफरत और घृणा ने भरी हुई पार्टी है। उनके आचरण और मानसिकता में तानाशाही है।आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि देशवासियों के लिए आज बेहद खुशी का दिन है। मनीष सिसोदिया ने पूरे देश में शिक्षा का एक शानदार मॉडल प्रस्तुत किया, लेकिन एक फर्जी केस में बिना किसी तथ्य और सबूत के 17 महीनों तक इस देश की तानाशाह सरकार ने उन्हें जेल में रखा। आज सत्य की जीत हुई हैं। हम सभी लोग और पूरी दिलील सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद कर रही है कि देर से ही सही, लेकिन एक सही फैसला मिला है।"आप" के वरिष्ठ नेता एवं कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आज पूरे देश की न्यायपालिका के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण पेश किया है।स

सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जो टिप्पणियां की हैं, उससे देश की सभी हाईकोर्ट और लोअर कोर्ट को यह सीखना चाहिए कि जमानत हर व्यक्ति का अधिकार है, जबकि जेल एक अपवाद मात्र है। महीनों से एजेंसियों की जांच खत्म नहीं हो पा रही है और वो अपना ट्रायल भी पूरा नहीं कर रही हैं। इन्होंने ट्रायल के नाम पर हजारों पन्नों के दस्तावेज जोड़ दिए और सैकड़ों झूठे गवाहों की सूची लगा दी। पहले ये जांच एजेंसियां कह रही थीं कि वो 6 से 8 महीने में ट्रायल खत्म कर देंगी, लेकिन इतना समय बीत जाने के बाद भी अब तक ट्रायल शुरू नहीं हो पाया। ऐसे में वो किसी को कैसे जेल में रख सकते हैं? यह केवल केंद्र की भाजपा सरकार का षड्यंत्र है कि विपक्ष के नेताओं पर झूठे और फर्जी मुकदमे डालकर ट्रायल को लंबा खींचा जाए और पीएमएलए जैसे काले कानून के तहत विपक्ष के बड़े-बड़े नेताओं को जेल में रखा जाए। आज सुप्रीम कोर्ट के इस बड़े फैसले से पीएमएलए के तहत जितने भी राजनीतिक बंदी जेल में बंद हैं या न्यायिक हिरासत में हैं, उनके लिए एक नया रास्ता खुला है।

मनीष सिसोदिया की जमानत के बाद सामान्य तौर पर उनके कार्य करने के सवाल पर सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को केवल चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिली थी, जबकि मनीष सिसोदिया को नियमित जमानत मिली है। क्योंकि वे इतने समय तक जेल में रहे, लेकिन आज तक उनके खिलाफ एक भी मामला साबित नहीं हुआ है। इसलिए जब तक ट्रायल चलेगी, तब तक उन्हें जेल में नहीं रखा जा सकता है। जमानत मिलने के बाद वे सामान्य तरीके से अपने सारे काम करेंगे।

पार्टी मुख्यालय पर ढोल-नगाड़ों के साथ शुरू हुआ जश्न

पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत की खबर बाहर आते ही पार्टी मुख्यालय में जश्न मनाया जाने लगा। ढोल-नगाड़ों की थाप पर पार्टी नेता झूमने लगे और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दिए। पार्टी नेताओं ने मनीष सिसोदिया की जमानत को सत्य की जीत बताया और कहा कि जल्द ही सीएम अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन भी जेल से रिहा होंगे। इस दौरान सौरभ भारद्वाज, गोपाल राय समेत तमाम नेताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

सिसोदिया की ज़मानत से जश्न में डूबा आम आदमी पार्टी कार्यालय और दिल्ली के लोग

शिक्षा क्रांति के जनक मनीष सिसोदिया की जमानत के बाद आम आदमी पार्टी कार्यालय के साथ दिल्ली की जनता भी जश्न में डूब गई। दिल्ली में जगह-जगह आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक-दूसरे को बधाई दी और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भाजपा की साजिश पर करारा तमाचा बताया।

मनीष सिसोदिया के घर पर ख़ुशी का माहौल

सुप्रीम कोर्ट से मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद उनके परिवार में जबरदस्त खुशी का माहौल है। करीब 17 महीने बाद मनीष सिसोदिया अपने परिवार से मिलेंगे। परिवार में उनकी पत्नी व अन्य सदस्यों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया।

मनीष सिसोदिया की पत्नी से मिलने उनके घर पहुंचे ''आप'' के वरिष्ठ नेता

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत मिलने के बाद उनके घर पार्टी नेताओं और समर्थकों के पहुंचने का सिलसिला भी शुरू हो गया। आम आदमी पार्टी राज्यसभा सांसद संजय सिंह, मंत्री सौरभ भारद्वाज, विधायक दुर्गेश पाठक समेत अन्य कई वरिष्ठ नेता भी उनके घर पहुंचे और जमानत मिलने पर उनकी पत्नी को बधाई दी। इससे पहले, जमानत की खबर मिलने के कुछ देर बाद ही सांसद संजय सिंह की पत्नी अनिता सिंह, वरिष्ठ नेता रीना गुप्ता समेत कई अन्य नेताओं ने उनके घर पहुंचकर बधाई दी।

सुभाष नगर में बीजेपी का झुग्गी बस्ती सफाई अभियान

प्रातः किरण संवाददाता

पश्चिमी दिल्ली के सुभाष नगर झुग्गी बस्ती में बीजेपी के नेताओं ने सफाई अभियान चलाया। जिसका नेतृत्व दिल्ली प्रदेश के पूर्व उपाध्यक्ष और महरौली जिला के प्रभारी राजीव बब्बर कर रहे थे। इस सफाई अभियान में बीजेपी की महिला कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सुबह इस इलाके में पहुंचकर उन जगहों को टारगेट किया गया, जहां पर कूड़ा कचरा फैला हुआ था। सभी ने मिलकर वहां झाड़ू से पहले सफाई किया, कूड़ा को इकट्ठा किया और उसके बाद उसे हटाकर दूसरी जगह कूड़ेदान में डलवाया। राजीव बब्बर ने कहा कि बीजेपी का झुग्गी बस्ती, सफाई अभियान लगातार अलग-अलग इलाकों में किया जा रहा है। जो काम एमसीडी को करना चाहिए था वह हम लोग इस अभियान के तहत कर रहे हैं। साथ ही यहां रहने वाले लोगों से मिलकर उनसे उनकी समस्याएं पूछ रहे हैं। गौरतलब है कि बीजेपी ने दिल्ली में झुग्गी बस्ती सफाई अभियान की शुरुआत की है। इस कड़ी में केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक, दिल्ली प्रदेश के नेता अलग-अलग इलाकों में जाकर सप्लाई अभियान में हिस्सा ले रहे हैं।

चोरी की स्कूटी, लैपटॉप, 3 मोबाइल बरामद, एक गिरफ्तार

पंजाबी बाग थाना के मादीपुर पुलिस चौकी की टीम ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान असलम के रूप में हुई है। यह पहले से 10 आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। इसके पास से पुलिस ने तीन मोबाइल, लैपटॉप और चोरी की स्कूटी की बरामद किया है। इसकी गिरफ्तारी से चार मामलों का खुलासा करने का पुलिस ने दावा किया है।

डीसीपी वेस्ट विचित्र वीर ने बताया कि एसीपी विजय सिंह की देखरेख में एसएचओ देवेंद्र सिंह ओबेरॉय की टीम ने पेट्रोलिंग के दौरान इस बदमाश को पीछा करके पकड़ा। जब पुलिस ने संदेह होने पर इसे रुकने का इशारा किया था। जब इसे पकड़ा गया तो स्कूटी की जांच हुई, जिससे वह भाग रहा था वह पटेल नगर इलाके से चोरी की निकली। आरोपी की पहचान बिहार के रहने वाले असलम के रूप में हुई। जब तलाशी हुई तो चोरी का लैपटॉप और तीन मोबाइल बरामद किया गया। अभी तक की छानबीन में पंजाबी बाग और पटेल नगर थाना के चार मामलों का पुलिस ने खुलासा किया है।

बुजुर्ग महिलाओं को नोट का बंडल दिखाकर देता धोखा

प्रातः किरण संवाददाता

द्वारका जिला के स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने चीटिंग के कई मामलों को अंजाम दे चुके एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। इसके पास से पुलिस ने हथियार भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान हमेश उर्फ महुआ के रूप में हुई है। यह बुजुर्त महिलाओं को हिप्नोटाइज करके उन्हें उनकी ज्वेलरी के बदले नोट का नकली बंडल देकर उनको टारगेट करके चीटिंग करता था।

यह फर्जी नोट का बंडल इस तरीके से तैयार करता था कि महिलाएं देखकर लालच में आ जाती थी और अपनी ज्वेलरी उसे दे देती। जब बाद में महिला मंडल खोलती तो अंदर कागज के टुकड़े नजर आते थे। डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि इस वारदात को सुलझाने के लिए स्पेशल स्टाफ की टीम को लगाया गया था। इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की देखरेख में सब इंस्पेक्टर जयवीर, बिजेंद्र की टीम ने मामले की छानबीन सीसीटीवी फुटेज से करनी शुरू की। जिस जगह पर वारदात हुआ था वहां पर जांच की गई और इस आरोपी के बारे में पुलिस को पता चला। उसके बाद चंचल पार्क, कोटला गांव के रहने वाले हमेश उर्फ महुआ को पुलिस ने जेजे कॉलोनी द्वारका इलाके से दबोचा। गिरफ्तारी से स्पेशल स्टाफ की पुलिस टीम ने द्वारका नॉर्थ, द्वारका साउथ, उत्तम नगर, सागरपुर, बिंदापुर और डाबड़ी थाना के 9 मामलों का खुलासा किया गया है।

सरकार ने भारत-बंगलादेश सीमा पर नजर रखने के लिए समिति गठित की

नईदिल्ली, (वेब वार्ता)। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने बंगलादेश की स्थिति को देखते हुए भारत-बंगलादेश सीमा पर नजर रखने के लिए सीमा सुरक्षा बल की पूर्वी कमान के अतिरिक्त महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया है।

गृह मंत्रालय ने शुक्रवार को इस समिति के गठन की जानकारी दी और कहा कि इसके अन्य सदस्यों में बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय दक्षिण बंगाल के महानिरीक्षक, बीएसएफ फ्रंटियर मुख्यालय त्रिपुरा के महानिरीक्षक, भारतीय भूमि पत्तन प्राधिकरण के सदस्य (योजना और विकास) सचिव शामिल हैं। यह समिति बंगलादेश में रहने वाले भारतीय नागरिकों और अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बंगलादेश के समकक्ष अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेगी। इससे पहले केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, " बंगलादेश में जारी हालात के मद्देनजर मोदी सरकार ने भारत-बंगलादेश सीमा (आईबीबी) पर मौजूदा स्थिति पर नजर रखने के लिए एक समिति का गठन किया है।

दिल्ली-फरीदाबाद सीमा से आईएसआईएस का वांछित आतंकवादी गिरफ्तार

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने आतंकवादी संगठन 'इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया' (आईएसआईएस) के पुणे मॉड्यूल के एक सदस्य को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वांछित आतंकवादी का नाम रिजवान अब्दुल हाजी अली है और वह दिल्ली के दरियागंज का रहने वाला है।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ के एक दल ने एक गुप्त सूचना के आधार पर दिल्ली-फरीदाबाद सीमा पर उसे गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक अवैध बंदूक बरामद की गई है।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण ने आईएसआईएस के आतंकवादी रिजवान अब्दुल हाजी अली पर तीन लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

एक अधिकारी ने बताया कि ऐसा संदेह है कि वह दिल्ली-एनसीआर के कुछ अतिविशिष्ट लोगों (वीआईपी) पर हमला करने की फिराक में था। उससे पूछताछ की जा रही है।

15 अगस्त को लेकर पुलिस प्रहरी के साथ सुरक्षा मीटिंग

प्रातः किरण संवाददाता

राजधानी दिल्ली में 15 अगस्त को लेकर पहले से ही हाई अलर्ट है। लेकिन दिल्ली पुलिस सुरक्षा को और चाक चौबंद करने लगातार प्रयास कर रही है। स्वतंत्रता दिवस को देखते हुए किसी भी आतंकवादी घटना से बचने के लिए पुलिस आई एंड ईयर अभियान के तहत लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करने में और सुरक्षा गार्ड को अलर्ट करने में लगी हुई है। इसी कड़ी में साउथ ईस्ट दिल्ली के ओखला इलाके में पुलिस के द्वारा प्रहरी मीट का आयोजन किया गया।

इसमें साउथ रेंज के ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर एस. के. जैन, डीसीपी राजेश देव, एसीपी, एसएचओ और कई पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए। मीटिंग में साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के 150 से अधिक सुरक्षा गार्डों के अलावा 100 से ज्यादा रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन और मार्केट वेलफेयर एसोसिएशन पदाधिकारी को भी बुलाया गया था। जिससे सभी को 15 अगस्त के मद्देनजर सुरक्षा को लेकर और अलर्ट किया जा सके। ज्वाइंट सीपी ने अलग अलग इलाकों के सिक्योरिटी गार्डों को एक सिक्योरिटी किट उपलब्ध करवाया। जिसमें सुरक्षा गाड्र्स के लिए बैग, कैप, स्टिक, टार्च जेसी उपयोगी सामान उपलब्ध रहता है।

एसके जैन ने बताया की प्रहरी मीटिंग का उद्देश्य सिक्योरिटी गार्ड के साथ पुलिस के साथ अच्छा सामंजस्य बनाना है। उनको प्रेरित किया जा सके कि वह भी पुलिस की तरह सुरक्षा के लिए अच्छा कार्य करते हैं। पुलिस सदैव उनके साथ है यदि उनके इलाके में कोई भी अप्रिय घटना होने वाली है या कोई संदिग्ध गतिविधि होती है तो वह इसकी सूचना पुलिस को दे सकते हैं। ऐसी सूचना देने पर उनको इनाम भी दिया जाएगा और उनका हौसला भी बढ़ाया जाएगा। आगामी 15 अगस्त को देखते हुए इस मीटिंग का उद्देश्य हाई अलर्ट दिल्ली में सबको अलर्ट रहना है।

होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई करके, घरों में करने लगा चोरी

प्रातः किरण संवाददाता

जनकपुरी थाना की पुलिस टीम ने घरों में चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान तनिष्क मल्होत्रा के रूप में हुई है। यह पहले से भी वारदात में शामिल रहा है। इसके पास से गोल्ड की ज्वेलरी बरामद की गई है। डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 7 अगस्त को एक घर में चोरी की वारदात की सूचना पुलिस को मिली थी। उस मामले में पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला की वारदात के दौरान घर की मालकिन अपने घर में नहीं थी। जब वह पहुंची तो देखा कि उसके घर से जूलरी गायब है अलमीरा खुला हुआ है।

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की। एसीपी आशीष कुमार की देखरेख में एसएचओ यशपाल सिंह, सब इंस्पेक्टर अरविंद की टीम ने पता लगाना शुरू किया। इस मामले में छानबीन करती हुई पुलिस टीम इस आरोपी तक पहुंची और इसके पास से घर से चुराई गई ज्वेलरी बरामद की गई। पूछताछ में पुलिस को पता चला की यह होटल मैनेजमेंट में ग्रेजुएट की पढ़ाई कर चुका है।

बाद में यह अल्कोहल और ड्रग्स का आदी बन गया। इसके पास नौकरी नहीं थी तो यह फिर घरों में चोरी की वारदात करके उसी से ड्रग की पूर्ति करने की शुरुआत कर दी। पीड़ित महिला के घर में लॉक तोड़कर घुसा और अलमारी से ज्वैलरी चोरी कर लिया। आगे की कार्रवाई पुलिस टीम कर रही है।

दिल्ली के कई हिस्सों में बारिश हुई

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली के कई हिस्सों में शुक्रवार सुबह हल्की बारिश हुई और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह आर्द्रता का स्तर 85 प्रतिशत दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार अधिकतम तापमान 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने के आसार हैं।

PUBLIC NOTICE

"This is to inform the public at large that oneMrs. Monika Sachdeva(PAN-AAXPS6505R) w/o NarenderSachdeva AND Narender Kumar SachdevaaliasNarenderSachdeva (PAN-AAZPS4884R)s/o Sh. Laxmi Narayan, both R/o Flat no. B-3/4-C, Pocket-B, Opposite KulachiHansaraj Model School, Ashok Vihar Phase-3, North West Delhi, Delhi, who are the joint ownersof theproperty i.e.Back Portion of Property bearing No. F-12/10, area measuring 200 sq. yards, situated at colony known as Model Town, Delhi;(hereinafter referred to as "said property", having purchased the same by virtue of Sale Deed dated 18.01.2023 executed by Priti Pankaj Jain forself and as natural guardian of her minor son Aryaveer Jain (Doc. No. 945 on 20.01.2023)read with Rectification Deed dated 10.03.2023 (regarding rectify the cheque details in Sale deed dt. 18.01.2023)(Doc. No. 3659 in SRO-VIA, Delhi).The said Property has been mortgaged by the owner with Tata Capital Housing Finance Limited. (our client).Some Property Paper regarding this property i.e. Original Sale Deed dated 20.12.2004 executed by Mr. Manmohan Seth and Mrs. Kamla Rani in fvour of Mrs. Rajinder Kaur in respect of Ground Floor in said entire Property (doc. No. 24765 on dt. 15.07.2005) hasbeen lost by the owner and is not traceable.If anybody found the same, Plz return at the address mentioned below. Further, it is hereby declared that title of the said Property, is absolutely valid, clear and marketable and there is no dispute / Litigation pending in any court of law, in respect of said Property. Whosoever, is having any objection to said mortgage OR any Person having any type of claim/right/title/interest over the said property may inform in writing, at the address mentioned below, about his objections, within 07 days from today, failing which it shall be presumed that the said property is free from all type of Encumbrances, lien etc.

VIPUL KR. RAHEJA, (D/103IA/2000) Advocate
Chamber no. 55, Civil Side, Tis Hazari Courts, Delhi
Mob-9873150663"

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

'एक स्टेशन एक उत्पाद'
योजना के तहत स्टॉल स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं।

क) **स्टॉलः** गाजियाबाद, मेरठ शहर, मेरठ कैंट, दिल्ली कैंट, समालखा और सोनीपत स्टेशनों पर।

ख) **ट्राली :** बल्लभगढ़ दिल्ली किशनगंज, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, नांगलोई, शकूरबस्ती, तुगलकाबाद, बागपत रोड, बड़ौत, खेकड़ा, नरेला, सांपला, शामली, आनंद विहार टर्मिनल, पालम, दिल्ली सफदरजंग, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, परतापुर, देवबंद, खतौली, दिल्ली सराय रोहिल्ला, सकौती टांडा, नोली और मोदीनगर स्टेशनों पर।

- गाजियाबाद, रोहतक और मुजफ्फनगर स्टेशनों पर स्टॉल स्थापित करने की अवधि प्रति चरण में 90 दिन होगी।
- उपरोक्त (ख) समूह के अंतर्गत दिए गए स्टेशनों पर ट्राली स्थापित करने की अवधि 30 दिन होगी।
- NSG 1,2 और 3 स्टेशनों पर रजिस्ट्रेशन शुल्क 2000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा और NSG 5 (शामली, दिल्ली किशनगंज, बागपत रोड, खेकडा, सांपला, मेरठ कैंट, खतौली, शिवाजी ब्रिज, तिलक ब्रिज, मुरादनगर, देवबंद और दिल्ली सफदरजंग) & NSG 6 (परतापुर और सकौती टांडा) स्टेशनों के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 1000 रु. की दर से प्रत्येक तीस दिनों की अवधि के लिए हर बार अलग से लिया जाएगा।
- प्रतिभागी के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैः–

क) विकास आयुक्त हस्तशिल्प, विकास आयुक्त हथकरघा, या अपेक्षित राज्य /केंद्र सरकार प्राधिकरण द्वारा जारी कारीगरों/बुनकर आईडी कार्ड धारक।

ख) भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) /राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम (एनएचडीसी)/खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी)/गैर सरकारी संगठन और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर सूक्ष्म उद्यमों के साथ पंजीकृत और सामाजिक संगठनों, राज्य सरकार के साथ निकायों आदि के साथ नामांकित /पंजीकृत व्यक्तिगत कारीगर/बुनकर/शिल्पकार।

ग) पीएमईजीपी (प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम) के साथ पंजीकृत स्वयं सहायता समूह।

घ) समाज के हाशिए पर या कमजोर वर्ग।

ड़.) किसी भी अलग प्रतीक चिन्ह की अनुमति प्रदान नही की जाएगी।

- आवेदक को स्टेशन अधीक्षक को एक वचन पत्र प्रस्तुत करना होगा जिसमें यह संकेत दिया जाएगा कि ट्रेन संचालन, यात्री सुरक्षा और रेलवे की छवि पर प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए कोई गतिविधि नहीं की जाएगी।
- आवेदक द्वारा का आवेदन इस अधिसूचना के जारी होने के बाद 14.08.2024, 15:00 बजे तक स्टेशन अधीक्षक को संबोधित व जमा किया जा सकता है व उसी दिन खोला जाएगा।
- सभी अनुमोदित प्रतिभागियों का प्राथमिकता रोस्टर बनाने के लिए एसएस और स्टेशन प्रबंधक/अनुभागीय सीएमआई और नामांकित वित्त प्रतिनिधि द्वारा सभी अनुमोदित आवेदकों की उपस्थिति में स्टेशन पर आयोजित ड्रा के माध्यम से प्राथमिकता निर्धारित की जाएगी।
- एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना रेलवे बोर्ड वाणिज्यिक परिपत्र संख्याः 12/2022 एवं 09/2023 के तहत/अधीन मान्य होगी, उपरोक्त परिपत्र वेबसाइट www.indianrailways.gov.in & URL: https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2022/OSOP%20Policy.pdf और https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/traffic_comm/Comm_Cir_2023/CC%20%2009%20of%202023. पर उपलब्ध है।
- इस से सम्बंधित किसी भी जानकारी के लिए आवेदक संबंधित स्टेशनों के स्टेशन अधीक्षक या सीएमआई से संपर्क कर सकता है। 2481/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संयुक्त समिति के लिए सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी

प्रातः किरण संवाददाता

वक्फ संशोधन विधेयक के लिए जेपीसी का गठनदोनों सदनों के संसद के 31 सदस्य नामित

नई दिल्ली। संसद ने वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार करने के लिए दोनों सदनों की संयुक्त समिति के गठन की खातिर लोकसभा के 21 और राज्यसभा के 10 सदस्यों को नामित करने की अनुशंसा संबंधी प्रस्ताव को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। इस संयुक्त समिति में लोकसभा से जिन 21 सदस्यों को शामिल किया गया है उनमें भारतीय जनता पार्टी के आठ और कांग्रेस के तीन सांसद शामिल हैं। राज्यसभा से समिति में शामिल किए गए सदस्यों में से चार भाजपा के और एक-एक सदस्य कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम, वाईएसआर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के हैं। एक मनोनीत सदस्य को भी समिति का सदस्य बनाया गया है। इस प्रकार इस समिति के कुल सदस्यों की संख्या 31 हो गई। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सदन में यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। समिति को शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के अंतिम दिन तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया है। लोकसभा सदस्यों में भाजपा से जगदंबिका पाल,

निशिकांत दुबे, तेजस्वी सूर्या, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, दिलीप सैकिया, अभिजीत गंगोपाध्याय और डीके अरुणा को इस समिति में शामिल किया गया है जबकि कांग्रेस से गौरव गोगाई, इमरान मसूद और मोहम्मद जावेद को इसका सदस्य बनाया गया है। समाजवादी पार्टी के सदस्य मौलाना मोहिबुल्ला नदवी, तृणमूल कांग्रेस के कल्याण बनर्जी, द्रमुक के ए. राजा, तेलुगू देसम पार्टी के लावू श्रीकृष्णा, जनता दल यूनाइड के दिलेश्वर कामत, शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी एसपी के सुरेश गोपीनाथ महत्रे, शिवसेना के नरेश गणपत म्हास्के, लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के अरुण भारती और एआईएमआईएम के असदुद्दीन औवैसी भी इस समिति में शामिल हैं। लोकसभा ने इसके साथ ही राज्यसभा से अनुशंसा की कि वह इस संयुक्त समिति के लिए 10 सदस्य का चयन कर निचले सदन को सूचित करे। बाद में राज्यसभा में रीजीजू ने यह प्रस्ताव रखा जिसे ध्वनि मत से पारित किया गया। रीजीजू ने उच्च सदन में बताया कि राज्यसभा से इस समिति में बृजलाल, मेधा विश्राम कुलकर्णी, गुलाम अली, राधामोहन दास अग्रवाल सभी भाजपा, सैयद नासिर हुसैन कांग्रेस, मोहम्मद नदीमुल हक तृणमूल कांग्रेस, वी विजय साई रेड्डी वाईएसआर कांग्रेस, एम मोहम्मद अब्दुल्ला द्रमुक, संजय सिंह आम आदमी पार्टी और डी वीरेंद्र हेगड़े को शामिल किया गया है। सरकार ने वक्फ बोर्डों को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक बृहस्पतिवार को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति के पास भेजने का फैसला हुआ था। रीजीजू ने विभिन्न दलों की मांग के अनुसार विधेयक को संसद की संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव किया। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा था, मैं सभी दलों के नेताओं से बात करके इस संयुक्त संसदीय समिति का गठन करुंगा। विपक्षी सदस्यों ने विधेयक का पुरजोर विरोध किया था और कहा था कि यह संविधान, संघवाद और अल्पसंख्यकों पर हमला है। विपक्षी सदस्यों द्वारा उठाए गए सवालों का जवाब देते हुए रीजीजू ने कहा था कि विधेयक में किसी की धार्मिक स्वतंत्रता में हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है तथा संविधान के किसी भी अनुच्छेद का उल्लंघन नहीं किया गया है।

जेंटारी ग्रीन मोबिलिटी ने किया जेंटारी गो ऐप लॉन्च

नई दिल्ली, क्लीन एनर्जी सॉल्यूशन ग्रुप जेंटारी के अंतर्गत आने वाली कंपनी जेंटारी ग्रीन मोबिलिटी इंडिया ने आधिकारिक तौर पर भारत में जेन्टारी गो ऐप लॉन्च कर दिया है। जेन्टारी गो को एक एकीकृत, ऑल-इन-वन ग्राहक अनुभव प्लेटफॉर्म के तौर पर डिजाइन किया गया है। ये प्लेटफॉर्म यूजर्स को घरेलू सौर से लेकर ग्रीन मोबिलिटी सॉल्युशंस तक क्लीन एनर्जी ऑफरिंग्स तक आसानी से पहुंचने में सक्षम बनाता है।

मीडिया सम्बोधन आयोजित इस कार्यक्रम में जेंटारी के रणनीतिक साझ न्यूमोसिट साथ म यूजर्स को जेंटा 1,50जेंटारी के भारत में कंट्री हेड नवजीत गिल ने कहा, "भारत जैसे देशों में नेट जीरो की स्थिति हासिल करने के लिए भागीदारों, ग्राहकों और सरकारों के साथ सहयोग करना हमारी प्राथमिकता है।

रास में दिल्ली सरकार पर बरसते हुए बोलीं मालीवाल 'यमुना हमारी मां है और आज वेंटिलेटर पर है'

नयी दिल्ली, (भाषा) आम आदमी पार्टी (आप) की सदस्य स्वाती मालीवाल ने शुक्रवार को राज्यसभा में यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण का मुद्दा उठाया और कहा कि जब तक दिल्ली में युद्ध स्तर पर सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट नहीं बनाये जाएंगे, यमुना की स्थिति में सुधार नहीं होगा।

उच्च सदन में शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने इसके लिए जहां केंद्र सरकार के पूरे सहयोग की जरूरत पर बल दिया वहीं दूसरी तरफ दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए यमुना को लेकर यहां की जनता को 'सपने दिखाने' और 'झूठे वादे' करने का आरोप लगाया। यमुना नदी के पौराणिक महत्व को रेखांकित करते हुए मालीवाल ने कहा कि बहुत दुख की बात है कि यह नदी 'हमारी नाकामी' की वजह से एक तरीके से 'नाला' बन गई है। उन्होंने कहा, ''इस नदी की सदियों से पूजा होती आई है। पर आज दिल्ली में 22 नाले इस नदी में गिरते हैं। 23. 80 करोड़ गैलन अपशिष्ट जल हर दिन इस नदी में डाला जा रहा है। हालत यह हो गई है कि नदी में जहरीला झाग ज्यादा

दिखता है और पानी कम।'' मालीवाल ने कहा कि इस नदी का बहुत छोटा सा हिस्सा दिल्ली से गुजरता है लेकिन इसी हिस्से में 76 प्रतिशत यमुना प्रदूषित हो जाती है। उन्होंने कहा, ''हालत बहुत खराब है। 55 सीवेज प्लांट की तत्काल जरूरत है। दिल्ली में सिर्फ 35 है। उसमें से भी 22 मानकों के अनुकूल नहीं है। दिल्ली में अवैध तरीके से कई उद्योगों और कारखानों के खतरनाक रसायन नदी में जा रहे हैं। इस तरह से हमारी जिंदगी में जहर मिलाया जा रहा है। पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।''

आप सदस्य ने कहा कि 2021 में दिल्ली सरकार ने वादा किया था वह यमुना को इतना साफ कर देगी कि 2025 से पहले कि उसके नेता खुद इसमें डुबकी लगाएंगे। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपए खर्च होने के बावजूद यमुना की स्थिति वैसी की वैसी है। उन्होंने कहा, ''हालात इतने खराब है... यमुना नदी हमारी मां है और वह आज वेंटिलेटर पर है।''

मालीवाल ने आरोप लगाया कि यमुना नदी को लेकर सिर्फ 'राजनीति और खोखली बयानबाजी' हो रही है। उन्होंने कहा, ''झूठे वादे और एक दूसरे पर आरोप मढ़ने से दशा नहीं बदलेगी। जब तक उनकी नीयत साफ नहीं होगी, तब तक यमुना का पानी साफ नहीं हो सकता।'' उन्होंने कहा, ''दिल्ली में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट हमें युद्ध स्तर पर बनाना ही होगा नहीं तो यमुना नदी का यही हाल रहेगा। इसके लिए हमें केंद्र सरकार के पूरे सहयोग की भी जरूरत है।''

मालीवाल, दिल्ली के मुख्यमंत्री आवास में हुई कथित 'पिटाई' के बाद 'आप' सरकार और उसके नेताओं के खिलाफ लगातार मुखर हैं। अभी तक ना तो उन्हें 'आप' ने पार्टी से बाहर निकाला है और न उन्होंने खुद पार्टी से इस्तीफा दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के कॉलेज में हिजाब पर प्रतिबंध के आदेश पर लगाई रोक

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक अंतरिम आदेश पारित करते हुए मुंबई के एक कॉलेज द्वारा शैक्षणिक परिसर में हिजाब, स्टोल, टोपी आदि पहनने पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने अंतरिम रोक का आदेश देते हुए कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि अंतरिम आदेश का किसी के द्वारा दुरुपयोग नहीं किया जाएगा। मामले को 18 नवंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में आगे की सुनवाई के लिए पोस्ट कर दिया गया है। हालांकि न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार की पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि कॉलेज परिसर में किसी भी धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और कक्षाओं के अंदर लड़कियां बुर्का नहीं पहन सकतीं।

गुरुवार को भारत के मुख्य न्यायाधीशर् डीवाई चंद्रचूड़ को मुस्लिम छात्राओं का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने अवगत कराया कि उन्हें कॉलेज परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी और उनकी याचिका पर तत्काल सुनवाई की आवश्यकता है। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने याचिकाकतार्ओं के वकील से कहा था कि शीर्ष अदालत 9 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की

खंडपीठ ने 26 जून को मुस्लिम छात्राओं की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि वे चेंबूर ट्रॉम्बे एजुकेशन सोसाइटी के एन जी आचार्य और डीके मराठे कॉलेज के फैसले में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं। पिछले दो वर्षों से एसवाईबीएससी और टीवाईबीएससी कार्यक्रमों की छात्राओं ने अपनी याचिका में सीटीईएस प्रबंधन के फैसले को मनमाना, अनुचित, कानूनी रूप से गलत बताया था। याचिकाकतार्ओं ने तर्क दिया कि कॉलेज द्वारा लागू किया गया नया ड्रेस कोड उनकी निजता, सम्मान और धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। अधिवक्ता अबीहा जैदी के माध्यम से सर्वोच्च न्यायालय में दायर विशेष अनुमति याचिका में कहा गया है, हिजाब पहनने पर प्रतिबंध मुस्लिम छात्राओं के खिलाफ भेदभाव है, भले ही इसके पीछे कोई भी उद्देश्य हो। यह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन है।शाही ईदगाह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण पर रोक नवंबर तक बढ़ीनई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस आदेश के क्रियान्वयन पर अपनी रोक नवंबर तक बढ़ा दी, जिसमें मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर शीर्ष अदालत द्वारा 16 जनवरी को लगाई गई रोक को जारी रखने का आदेश दिया। उच्च न्यायालय ने शाही ईदगाह मस्जिद परिसर की न्यायालय की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दे दी थी तथा इसकी निगरानी के लिए न्यायालय आयुक्त की नियुक्ति पर सहमति व्यक्त की थी। हिंदू पक्ष का दावा है कि परिसर में ऐसे चिह्न मौजूद हैं जिनसे पता चलता है कि वहां कभी मंदिर था।

अदालत ने सिसोदिया को जेल से रिहा करने का आदेश जारी किया

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आबकारी नीति से जुड़े मामलों में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को रिहा करने का आदेश जारी कर दिया।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने सिसोदिया के अधिवक्ताओं की ओर से मुचलकों और जमानत राशियों के भुगतान को स्वीकार करते हुए यह आदेश दिया। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया 17 महीने से जेल में बंद हैं। वह आज जेल से रिहा हो सकते हैं। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और धनशोधन मामलों में 10 लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही रकम की दो जमानत राशियों के भुगतान पर सिसोदिया को जमानत दे दी। पीठ ने कहा कि सिसोदिया 17 महीने से जेल में बंद हैं, जबकि मामले की सुनवाई अभी शुरू नहीं हुई है, जिसकी वजह से वह शीघ्र सुनवाई के अधिकार से वंचित हुए हैं। पीठ ने कहा कि इन मामलों में जमानत के लिए उन्हें निचली अदालत में भेजना न्याय का उपहास होगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय यह स्वीकार करें कि जमानत का सिद्धांत एक नियम है और जेल एक अपवाद है।

भारत के लिए पाकिस्तान अब रणनीतिक खतरे की बजाय महज 'सिरदर्द' बनकर रह गया है: शौर्य डोभाल

नयी दिल्ली, (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता एवं 'इंडिया फाउंडेशन' के संस्थापक शौर्य डोभाल ने कहा है कि भारत के लिए पाकिस्तान अब रणनीतिक खतरा होने की बजाय केवल ''सिरदर्द'' बनकर रह गया है क्योंकि नयी दिल्ली ने अपने पड़ोसी पर बढ़त हासिल कर ली है।

उन्होंने कहा कि भारत की मुख्य बढ़त उसका आर्थिक विकास है, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि इस विकास को आगे बढ़ाने और रणनीतिक बढ़त हासिल करने के लिए पाकिस्तान तथा चीन सहित अन्य पड़ोसियों के साथ संबंधों को प्रबंधित करने की आवश्यकता है।

यहां 'पीटीआई' मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में डोभाल ने साइबर आतंकवाद से लड़ने के लिए निजी 'खिलाड़ियों' को शामिल करने का भी समर्थन किया और कहा कि केवल कानूनी एवं सैन्य उपायों पर निर्भर रहने के बजाय ''व्यापक'' सामाजिक प्रतिक्रिया की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ''हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों में विभिन्न बिंदुओं को पार कर लिया है। हालांकि, वे अब भी चुनौतियां पेश करते हैं, लेकिन वे अब एक गंभीर खतरा नहीं हैं... पाकिस्तान अब हमारे लिए एक 'सिरदर्द' तो है लेकिन यह हमारे लिए कोई रणनीतिक खतरा पैदा नहीं करता है। तो, यह एक स्थिति सुलझ गई है।''

डोभाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इसी तरह का परिदृश्य भारत के पूर्वी मोर्चे पर है। इसके साथ ही उन्होंने आगाह किया कि भारत का उत्तरी पड़ोसी अपनी सैन्य क्षमताओं और इरादों के

कारण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है।

उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है, सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, भारत की मुख्य खासियत अभी आर्थिक विकास है... हमें अपने पड़ोस का प्रबंधन करना है ताकि पड़ोसियों की तुलना में हमें अपने आर्थिक लक्ष्य तक पहुंचने और रणनीतिक लाभ हासिल करने में सक्षम होने के लिए वह स्थान और समय मिलता रहे।''

डोभाल ने कहा, ''अगर हमारा उत्तरी पड़ोसी वैश्विक मंच पर दबदबा बनाने की इच्छा रखता है, तो वे भारत को उसकी वर्तमान स्थिति तक ही सीमित देखना पसंद करेंगे।''

इंडिया फाउंडेशन के संस्थापक ने कहा, ''अगर वे हमारे क्षेत्र में अपनी उपस्थिति स्थापित करने में विफल रहते हैं, तो उनकी वैश्विक महत्वाकांक्षाएं बाधित हो सकती हैं।''

यह रेखांकित करते हुए कि आर्थिक विकास भारत की प्राथमिक ताकत है, उन्होंने कहा, ''हमें आर्थिक प्रगति के लिए जगह बनाने और रणनीतिक लाभ हासिल करने के लिए अपने पड़ोस को प्रबंधित करना चाहिए।''

उन्होंने भारत और उसके पड़ोसियों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी एवं बुनियादी ढांचे सहित आर्थिक अंतर को पाटने के लिए एक केंद्रित प्रयास पर जोर दिया और कहा कि भारत इस दिशा में प्रगति कर रहा है।

आतंकवाद से मुकाबले के मुद्दे पर डोभाल ने कहा कि इसे केवल सरकार की जिम्मेदारी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद स्कूलों से लेकर अस्पतालों तक समाज के विभिन्न क्षेत्रों में घुसपैठ कर सकता है और इसके लिए हमारे राष्ट्र को तैयार करने तथा उसकी रक्षा करने के लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।''

डोभाल ने साइबर अपराध और आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए विशेष रूप से निजी क्षेत्र में भारत की प्रौद्योगिकी क्षमताओं को बढ़ाने की आवश्यकता की वकालत की।

उन्होंने कहा, ''हमें अपने नवोन्मेषकों और 'कोडर्स' को आतंकवाद रोधी प्रयासों में नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए, खासकर साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में।''

डोभाल ने कहा कि सरकारी प्रणालियां अकसर निजी क्षेत्र में पाए जाने वाले तीव्र नवाचार के साथ तालमेल बिठाने के लिए संघर्ष करती हैं। उन्होंने सामाजिक मूल्यों को प्रतिबिंबित करने और इन चुनौतियों से निपटने में राजनीतिक वर्ग की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया।

उन्होंने कहा, ''भारत उन कुछ देशों में से एक है जो इस प्रौद्योगिकी लड़ाई में सक्रिय रूप से शामिल हैं। अगर हम इस अवसर पर आगे नहीं बढ़ सकते, तो कौन बढ़ेगा?''

डोभाल ने उभरते खतरों के सामने नवाचार और सुरक्षा के लिए एकजुट दृष्टिकोण का आग्रह किया।

हम पहले दिन से कह रहे थे कि झूठा और मनगढ़ंत केस कोर्ट में एक दिन भी नहीं टिकेगा, आज सुप्रीम कोर्ट में वही हुआ- दुर्गेश पाठक

प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट से पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने के बाद आम आदमी पार्टी ने केंद्र की भाजपा सरकार और ईडी-सीबीआई पर करारा हमला बोला। ''आप'' के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि आज ईडी-सीबीआई और प्रधानमंत्री पूरी तरह से बेनकाब हो गए हैं। मोदी जी ने 17 महीने से एक ऐसे व्यक्ति को जेल में रखा था, जिसने देश की शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा दी। हम पहले दिन से ही ये बात कह रहे थे कि कोर्ट में यह केस एक दिन भी नहीं टिकेगा और आज सुप्रीम कोर्ट में वही हुआ। भाजपा ने ''आप'' और अरविंद केजरीवाल को खत्म करने के लिए दिल्ली को दो-ढाई साल पीछे धकेल दिया है।

केंद्र की ये फर्जी एजेंसियां केवल ब्लैकमेलिंग और सुपारी किलिंग का काम कर रही हैं। वहीं, मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि मनीष सिसोदिया को 17 महीने तक जेल में इसलिए रखा गया, क्योंकि उन्होंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक और पार्टी की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने को लेकर संयुक्त प्रेसवार्ता की। इस दौरान दुर्गेश पाठक ने कहा कि पिछले 17 महीने से मोदी जी ने देश के एक ऐसे व्यक्ति को जेल में रखा है, जिसने राजनीति को एक नई दिशा दी। मनीष सिसोदिया ने यह साबित किया कि सरकार में आने के बाद जनता के लिए क्या-क्या किया जा सकता है। उन्होंने उन लाखों बच्चों के लिए, जिनके माता-पिता महीने के 10-12 हजार रुपए कमाते हैं या रेहड़ी-पटरी लगाते हैं और जो अपने बच्चों को महंगे प्राइवेट स्कूलों में नहीं भेज सकते, दिल्ली के सरकारी स्कूलों को न केवल सुधारा बल्कि उन्हें विश्वस्तरीय बनाया। इसका परिणाम यह है कि दिल्ली में बड़ी संख्या में लोग प्राइवेट स्कूलों से अपने बच्चों का नाम कटवाकर सरकारी स्कूलों में दाखिला करवा रहे हैं। वही मनीष सिसोदिया, जो सुबह 5 बजे से शाम तक दिल्ली के एक-एक स्कूल में घूमते थे, उन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने 17-18 महीने तक बिना किसी सबूत और तथ्य के जेल में रखा। यह बेहद निंदनीय है।दुर्गेश पाठक ने कहा कि हम पहले दिन से कह रहे थे कि इस केस में कुछ नहीं है और कोर्ट में यह केस एक दिन भी नहीं टिकेगा। आज सुप्रीम कोर्ट में वही हुआ। हम इस फैसले के लिए सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त करते हैं। हमने पहले भी सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, तब कोर्ट ने सकारात्मक टिप्पणी करते हुए कहा था कि इस मामले का जल्द ट्रायल शुरू किया जाए। लेकिन केंद्रीय जांच एजेंसियां ट्रायल शुरू कराने में असफल रहीं। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि जांच एजेंसियां बिना ट्रायल शुरू किए किसी व्यक्ति को दो-दो साल तक जेल में बंद करके

हमारे नेताओं ने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए जांच एजेंसियां आज तक एक भी ठोस सबूत नहीं पेश कर पाई हैं- प्रियंका कक्कड़

रख रही हैं और सवाल पूछने पर जांच का हवाला देती हैं। लेकिन जांच के नाम पर भी बार-बार उन्हीं पांच लोगों को बुलाकर, उनकी पिटाई कर झूठी गवाही देने के लिए मजबूर किया जाता है। ऐसा तो संगीन अपराधियों के साथ भी नहीं होता। प्रधानमंत्री मोदी आम आदमी पार्टी के साथ आतंकवादियों से भी बुरा सुलूक कर रहे हैं।

दुर्गेश पाठक ने आगे कहा कि आज देश की ईडी-सीबीआई और प्रधानमंत्री पूरी तरह से बेनकाब हो गए हैं। मैं सुप्रीम कोर्ट के उन सभी जजों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने इस तानाशाही के खिलाफ खड़े होने की हिम्मत दिखाई। जांच के नाम पर बनाई गई ये फर्जी एजेंसियां आज केवल ब्लैकमेलिंग और सुपारी किलिंग का काम कर रही हैं। प्रधानमंत्री के आदेश पर ये एजेंसियां तुरंत किसी भी व्यक्ति को गिरफ्तार कर लेती हैं और बाद में केस बनाती हैं। देश में ऐसी एजेंसियों का अस्तित्व खत्म होना चाहिए। यह बेहद शर्मनाक है। भाजपा के लोगों ने दिल्ली को दो-ढाई साल पीछे धकेल दिया, केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल को खत्म करने के लिए इन्होंने दिल्लीवालों के कई काम रुकवा दिए। अच्छे गवर्नेंस और काम की राजनीति को खत्म करने के लिए इन्होंने इतना बड़ा षड्यंत्र रचा और एक छोटी सी पार्टी को खत्म करने के लिए फर्जी केस डलवाकर हमारे नेताओं को गिरफ्तार किया गया। प्रधानमंत्री को जनता ने बहुमत दिया है, उन्हें जनता के लिए काम करना चाहिए, लेकिन उनकी तानाशाही को पूरा देश देख रहा है।वहीं, ''आप'' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि मनीष सिसोदिया को 17 महीने तक जेल में इसलिए रखा गया, क्योंकि उन्होंने दिल्ली के सरकारी स्कूलों का कायाकल्प किया। जहां भाजपा की सरकार अन्य राज्यों में सरकारी स्कूलों को बंद कर रही है, वहीं दिल्ली के सरकारी स्कूलों ने अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया के नेतृत्व में प्राइवेट स्कूलों से भी बेहतर परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का नीति आयोग भी मानता है कि दिल्ली के सरकारी स्कूल देश के अन्य राज्यों के सरकारी स्कूलों से बेहतर हैं। केंद्र की भाजपा सरकार ने इसी वजह से मनीष सिसोदिया को सजा दी, पीएमएलए जैसे कानूनों में संशोधन करके बिना किसी ठोस सबूत के केवल बयानबाजी के आधार पर उन्हें जेल में रखा। इसी तरह, बिना सबूत के अरविंद केजरीवाल भी जेल में हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद एक इंटरव्यू में स्वीकारा था कि उनके खिलाफ एक चवन्नी भर का भी सबूत नहीं मिला है। इसके बावजूद उन्हें जेल में रखा गया है क्योंकि वे ईमानदार नेता हैं और ईमानदारी के साथ शासन चलाते हैं। मोदी जी के पास आज इस ईमानदारी का कोई तोड़ नहीं है।प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी ईडी की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह शर्म की बात है कि ईडी जैसी केंद्रीय जांच एजेंसी की दोषसिद्धि दर 0.5 प्रतिशत से भी कम है। आज देश की यह प्रमुख जांच एजेंसी भाजपा के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है। यह एजेंसी आज तक कोई ठोस सबूत नहीं पेश कर पाई और आगे भी ऐसा नहीं कर पाएगी, क्योंकि हमारे नेताओं ने कोई अपराध नहीं किया है। भाजपा का मकसद केवल अरविंद केजरीवाल के ईमानदार शासन के मॉडल को रोकना है, जो हम नहीं होने देंगे। आम आदमी पार्टी को कुचलने की भाजपा की यह कोशिश हमेशा से रही है, लेकिन यह संभव नहीं होगा क्योंकि हमारे साथ भगवान और सच्चाई है।प्रियंका कक्कड़ ने बताया कि कुछ दिनों पहले लाजपत नगर में ईडी के एक अधिकारी को 60 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए पकड़ा गया, और इससे पहले केरला में भी एक अधिकारी पकड़ा गया था। इन जांच एजेंसियों में भ्रष्ट अधिकारियों की भरमार है जो केवल मोदी सरकार की गुलामी कर रहे हैं। सरथ रेड्डी से 60 करोड़ की रिश्वत लेकर उसे भी छोड़ दिया गया। क्या इसकी जांच नहीं होनी चाहिए? मनीष सिसोदिया और दिल्ली के 17 महीने बर्बाद हुए, तो क्या सरथ रेड्डी पर जांच नहीं होनी चाहिए? यह पैसे किसको गए, कैसे गए, और किस-किस तक पहुंचे, इसकी भी जांच होनी चाहिए। भ्रष्ट लोगों को सजा मिलनी चाहिए, लेकिन मनीष सिसोदिया, अरविंद केजरीवाल और सत्येंद्र जैन को बिना सबूत के महीनों तक जेल में रखने की जवाबदेही तय होनी चाहिए। अगर सरकार के पास जांच एजेंसियां हैं, तो उन्हें अच्छे काम करने वाले विपक्षी नेताओं को जेल में नहीं डालना चाहिए।

दिल्ली पुलिस ने जबरन वसूली, गोलीबारी और हत्या की वारदातों में शामिल 11 गिरोहों की सूची बनाई

नयी दिल्ली, (भाषा) दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में पिछले कुछ महीनों में जबरन वसूली, व्यापारियों को धमकाने, गोलीबारी और हत्या की वारदातों में शामिल 11 गिरोह की पहचान कर उनकी सूची बनाई है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस मुख्यालय में बुधवार को आयोजित अंतरराज्यीय बैठक में बल के प्रमुख संजय अरोड़ा ने गिरोहों से बढ़ते खतरे का मुद्दा उठाया। बैठक में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के अधिकारी भी शामिल हुए।

पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) और अन्य कठोर स्थानीय कानूनों को लागू करके गिरोहों पर नियंत्रण करें। मकोका दिल्ली में भी लागू है। अरोड़ा ने अधिकारियों को इन कुख्यात अपराधियों से जुड़े नाबालिगों पर निगरानी रखने और उनकी गतिविधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए सोशल मीडिया पर नजर रखने को भी कहा है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
निविदा सूचना
ई–निविदा (ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

एनआईटी	09-A, B, C, D, E -2024-25-डब्ल्यू-5
काम का नाम (स्थान के साथ)	A) एचएनजेडएम पर प्लेटफार्म 5 और 6 तथा प्लेटफार्म 7 और 8 के बीच नाली और धोने योग्य एप्रन की तत्काल मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति** : कोई भी सिविल कार्य जिसमें कंक्रीटिंग का कार्य शामिल हो। B) सीनियर डीईएन–वी/डीएलआई के तहत डीएलआई–आरई खंड पर छोटे आकार के पैदल यात्री सबवे का प्रावधान। **कार्य की समान प्रकृति** : बॉक्स पुशिंग/पुशिंग विधि से पुलों/सीमित उच्च सबवे का निर्माण। C) 2024-2025 के लिए ADEN/HNZM के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति** : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य। D) 2024–25 के लिए ADEN/DEE के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख और लघु पुलों की वार्षिक मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति** : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य। E) 2024-2025 के लिए एडीईएन/टीकेडी के अंतर्गत विभिन्न प्रमुख और छोटे पुलों की वार्षिक मरम्मत। **कार्य की समान प्रकृति** : ट्रैक कार्य के अलावा कोई भी सिविल कार्य।
काम की अनुमानित लागत (रुपये)	A) Rs. 5999953.90 B) Rs. 120812075.71 C) Rs. 5499858.70 D) Rs. 5499418.34 E) Rs. 5499996.58
अग्रिम राशि (रुपये)	(यह नेट बैंकिंग के रूप में होना चाहिए या केवल भुगतान गेटवे द्वारा।) (नोटः रेलवे बोर्डों के पत्र संख्या 2015/सीई–आई/सीटी/5/1 दिनांक 31.08.2016 के अनुसार जो टेंडर आईआर ई पी एस पर आमंत्रित किया गया है उसमें एफडीआर को निविदा के लिए, ईएमडी के रूप में, स्वीकार नहीं किया जाएगा।) A) Rs. 120000.00 B) Rs. 754100.00 C) Rs 110000.00 D) Rs. 110000.00 E) Rs. 110000.00
काम की समाप्ति अवधि	A) 06 महीने B) 10 महीने C) 09 महीने D) 09 महीने E) 09 महीने
निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए दिनांक और समय	03.09.2024 को 15.00 बजे तक तथा 03.09.2024 को 15.00 बजे निविदा खुलना है।
वेबसाइट के विवरण का नोटिस	यह निविदा आई.आर.ई.पी.एस. वेबसाइट अर्थात **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।

No.128-W/280/OET/2023-24/W-V/NIT-09 – A, B, C, D, E Date 09.08.2024
2488/24
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

पटना, शनिवार, 10 अगस्त, 2024

संक्षिप्त खबरें

खटाल के पास खड़ी बाइक की हुई चोरी

जमुई [झाझा] खटाल के पास खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी कर ली गई है जिसको लेकर बाइक मालिक के द्वारा थाना में आवेदन में दिया गया। चोरी के संदर्भ में बाइक मालिक करमा गांव के रहने वाले अरबिंद यादव ने बताया कि शहर के शिवनंदन झा टॉउन हॉल के पास अपना खटाल खोलकर दूध का कारोबार करता हूं। रात्रि में अपने खटाल के पास ही बाइक खड़ीकर सोने के लिए चला गया और जब शुक्रवार को उठकर गाय को चारा पानी देने के उठा तो देखा कि खटाल के पास लगा बाइक गायब है जिसकी काफी खोजबीन किया गया लेकिन बाइक का कुछ भी पता नही चल पाया है।

किसान पर आकाशीय बिजली गिरने से हुई मौत

जमुई [झाझा] घर से कुछ दूरी पर स्थित खेत में खाद छिड़काव के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। घटना थानाक्षेत्र के चांय पंचायत के लौंगाय गांव की है। मृतक की पहचान 55 वर्षीय गोपू सौरा के रूप में हुई है। बताया जाता है कि शुक्रवार की दोपहर के वक्त बारिश हुई रही थी उसी वक्त किसान खेत में लगे धान की फसल में खाद का छिड़काव कर रहा था कि अचानक उसके ऊपर आकाशीय बिजली गिरी जिससे खेत में ही उसकी मौत हो गई। इधर घटना देखकर आसपास के लोग मौके स्थल पर पहुंचा और शव को उठाकर घर लाया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है।

कुलसचिव ने एचएस कॉलेज का लिया जायजा, माना मूलभूत समस्याओं की है भारी कमी

प्रात : किरण संवाददाता

उदाकिशुनगंज (मधेपुरा) बीएनएमयू के कुलसचिव (रजिस्टार) बिपिन राय ने अनुमंडल स्थित एक मात्र सरकारी महाविद्यालय हरिहर साहा महाविद्यालय की व्यवस्था का जायजा लेने गुरुवार को उदाकिशुनगंज पहुंचे। इस दौरान कुलसचिव को छात्र नेताओं के विरोध का भी सामना करना पड़ा। जहां कुलसचिव ने भरोसा दिलाया कि वह महाविद्यालय की दशा और दुर्दशा को लेकर गंभीर है। निश्चित रूप से हरिहर साहा महाविद्यालय में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही दो माह के अंदर महाविद्यालय के नए भवन की नींव रखी जाएगी। इतना ही नहीं कुलसचिव ने तो यहां तक कह डाला कि यदि वह इस महाविद्यालय की व्यवस्था नहीं सुधार पाते हैं तो उन्हें यहां काम करने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। निश्चित कालेज की व्यवस्था पीड़ादायक है। वह बड़े नजदीक से मर्म को समझा है। इसके कायाकल्प के लिए हर कोशिश की जाएगी। कुल सचिव के बातों से इस महाविद्यालय के दिन बहुरने की उम्मीद जगी है। वहीं पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कुलसचिव ने बड़े ही शायराना अंदाज में कहा कि ह्ललम्हों ने खता की, सदियों ने सजा भुगतीह्व। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक गलती कर जाता है, जिसका सजा सदियों भुगतना पड़ता है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हरिहर साहा महाविद्यालय में बुनियादी संरचना का अभाव है। भवन काफी जर्जर है। छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को काफी कठिनाई हो रही है। शिक्षकों और कर्मचारियों को कागजात संधारण में काफी दिक्कतें हो रही है। यदि हम अपने छात्रों को बुनियादी सुविधाएं नहीं देते हैं तो आगे की बात करना उनके लिए बेमानी होगी। उन्होंने कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि मार्च महीने में ही प्राक्कलन तैयार होकर गया हुआ है। यथाशीघ्र प्राक्कलन को पास करा कर टेंडर की प्रक्रिया अपनाया जाएगा। पुराने भवन को ध्वस्त कर नया भवन बनवाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछले दिन हादसे होते होते बचा। यह मेरे लिए दुर्भाग्यपूर्ण बात है। भवन का छत गिरने की जानकारी मिलने पर वह यहां आएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का अंगीभूत हरिहर साहा महाविद्यालय काफी पुराना है। यहां पर बड़े तादाद में छात्र छात्राएं अध्यनरत है। यदि हम छात्रों को सुविधा नहीं दे सकते हैं तो मेरा यहां रहना बेकार है। उन्होंने कहा कि कुलसचिव पर काम का बड़ा दबाव रहता है। उदाकिशुनगंज के हरिहर साहा महाविद्यालय की व्यवस्था में सुधार हो। इसके लिए वह प्रयासरत रहेंगे। उनसे मिलने इस कालेज की समस्या को लेकर यदि कोई शिक्षक या छात्र छात्राएं पहुंचेंगे तो प्राथमिकता के आधार पर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कॉलेज के प्राचार्य बीमार हालत में मंदाता में इलाजरत है। कॉलेज को जल्द ही नया और बेहतर सुयोग्य प्रधानाचार्य उपलब्ध कराया जाएगा। व्यवस्था के तहत प्रधानाचार्य, बर्सर और एकाउंटेंट को काम करना होता है। व्यवस्था मर्यादा में होती है। उन्होंने कहा कॉलेज के बेहतरी के लिए काम होगा। इसके लिए राशि का प्रबंध विश्वविद्यालय स्तर से अथवा सरकार स्तर से की जाएगी।

छात्र नेताओं ने कुलसचिव को घेरा

उदाकिशुनगंज में हरिहर साहा महाविद्यालय का जायजा लेने पहुंचे बीएन मंडल विश्वविद्यालय के कुलसचिव बिपिन राय को छात्र नेताओं के विरोध का सामना करना पड़ा। छात्र नेता व उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जॉन्शन दास, अभाविप के आदेश प्रताप, तुषार कुमार का कहना है कि उदाकिशुनगंज का हरिहर साहा महाविद्यालय काफी पुराना है। बावजूद महाविद्यालय अपने अस्तित्व बचाने का रोना रो रहा है। जहां महाविद्यालय विश्वविद्यालय और सरकार की उपेक्षा का दंश झेलने को मजबूर हैं। जबकि पूरे अनुमंडल क्षेत्र का एक मात्र अंगीभूत इकाई है। जहां सैकड़ों नहीं हजारों में छात्र छात्राएं अध्ययनरत है। सरकार की उपेक्षा का दंश झेल रहे इस महाविद्यालय को मानों किसी मसीहा की जरूरत है। उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि जॉन्शन दास ने कहा कि महाविद्यालय को सुव्यवस्थित करने की मांग लंबे समय से हो रही है। लेकिन न तो प्रशासन और न ही कोई राजनेता कभी इस ओर ध्यान दिए। कुलसचिव के घेराव के दौरान छात्र नेताओं ने महाविद्यालय की समस्या को रखा कुछ तीखी बहस भी हुई। वहीं विरोध कर रहे छात्र नेताओं को कुलसचिव ने मुकम्मल व्यवस्था का आश्वासन दिया। कुलसचिव ने यह कहा कि पहले जो कुछ भी हुआ, अब ऐसा नहीं होगा। हरिहर साहा महाविद्यालय का कायाकल्प होगा। यदि नहीं हुआ तो वह यहां काम करने के काबिल नहीं है। उसके बाद छात्र नेताओं का गुस्सा शांत हुआ। छात्र नेता लिखित आश्वासन पर अड़े रहे। विरोध जताने वालों में विजय कुमार, जोनशन दास, आदेश प्रताप, तुषार कुमार, ननका पासवान, विशाल कुमार उर्फ मलिक, अंकित कुमार, बादल कुमार पासवान, कुंदन कुमार पासवान, आदेश कुमार आदि शामिल थे।

ट्रेन की चपेट में आई महिला का रेफरल अस्पताल में पहुंचने के दौरान हुई मौत

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] झाझा जसीडीह मुख्य रेलखंड के टेलवा बाजार हॉल्ट पर ट्रेन की चपेट में से जहां एक युवक की मौत मौके स्थल पर ही हो गई तो वही ट्रेन की चपेट में आई उसकी पत्नी को घायल अवस्था में परिजनों के द्वारा इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टर ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

मृतिका की पहचान सोनी कुमारी के रूप में हुई है। घटना के बाद अस्पताल में मृत दंपति के परिजनों सहित ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। मृतिका के भैंसुर दीपक कुमार दास ने बताया कि मेरा छोटा भाई कृष्णा और उसकी पत्नी में गुरूवार को दोनो के बीच घरेलू विवाद पर झगड़ा हुआ जिसके बाद सोनी नहाने की बात कहते हुए अपने बच्चों को लेकर घर से निकलकर झाझा स्टेशन पहुंची और मोकामा हावड़ा एक्सप्रेस में सवार हो गई जिसके बाद मुझे पता चला तो मै अपने भाई को लेकर रेलवे स्टेशन पहुंचा और भाई को अपनी पत्नी को समझा बुझाकर घर लेकर आने के लिए कहा।

जिसके बाद वे दोनो सिमुलतला रेलवे स्टेशन उतरा और रात्रि में सियाटांड में किसी के यहां रूक गया और सुबह मुझे सूचना प्राप्त हुआ कि रेल हादसा में मेरे भाई की मौत हो गई जबकि उसकी पत्नी घायल है।

सरकारी व गैर सरकारी स्कूल में बिहार पृथ्वी दिवस पर बच्चो ने लिया पर्यावरण एवम जल सरक्षंण का संकल्प

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई/गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल में बिहार पृथ्वी दिवस मनाया गया।वही गिद्धौर सेन्ट्रल स्कूल में निर्देशक अमर सिह की देखरेख में बिहार पृथ्वी दिवस का आयोजन कर संकल्प दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों को पृथ्वी की महत्ता का एहसास कराया गया। पृथ्वी की उपादेयता एवं उसके अस्तित्व से हमारे जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का बड़ा ही रोचक ढंग से जानकारी दी गई। वहीं सेन्ट्रल स्कूल के निर्देशक अमर सिंह ने जानकारी देते बताया कि आज मानव के द्वारा इसके अस्तित्व पर अनेक प्रकार के संकट खड़े कर दिए जा रहे हैं। जिसका कुप्रभाव हमारे सामने अनेक बीमारियों को आमंत्रण दे रहा है। धरती का दोहन तो हम व्यापक रूप में कर रहे हैं। पर इसके संवर्धन के विषय में हमारा प्रयास नगण्य है। एक सजग प्रहरी की भांति इसकी रक्षा करना समय की पुकार है।धरती को हमारे पूर्वजों ने मां के दर्जा से विभूषित किया है। निर्देशक अमर सिह ने उपस्थित बच्चों एवं विधालय कर्मियों से पृथ्वी के संवर्धन के लिए प्रयासरत रहने के लिए संकल्पित किया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षक संदीप कुमार राऊत,शिवेंद्र रावत,शिक्षिका पुनम सरकार,रवि कुमार रवि,राजीव वर्णवाल,युगल किशोर रजक के अलावे कई विद्यालय कर्मियों को पृथ्वी के अस्तित्व से जुड़े रहने की जानकारी दी एवं शपथ दिलाया की अपनी धरती को हरा भरा एवं साफ-सुथरा रखें।

गोपालगंज का कुख्यात अपराधी की सोहजाना मोड़ से हुई गिरफ्तारी

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] देवघर से पूजा कर लौट रहे गोपालगंज में होमगार्ड के जवान समेत आधा दर्जन हत्या के आरोपी कुख्यात अपराधी संजय सिंह को जमुई पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर झाझा सोहजाना मोड़ के पास से गुरूवार की देर शाम को गिरफ्तार किया। जिसके बाद गोपालगंज की पुलिस टीम को गिरफ्तार कुख्यात अपराधी को सौंप दिया गया।

बताया जाता है कि गिरफ्तार कुख्यात अपराधी पर गोपालगंज की पुलिस ने 50 हजार रूपए का इनाम घोषित किया था। इधर गिरफ्तारी को लेकर झाझा थानाध्यक्ष संजय कुमार ने बताया कि जमुई पुलिस अधीक्षक डॉ. शौर्य सुमन को गुप्त सूचना प्राप्त हुआ कि संजय सिंह देवघर से पूजा अर्चना कर अपने घर लौट रहा है जिसके बाद पुलिस टीम को लेकर एनएच 333 स्थित सोहजाना मोड़ के पास पहुंचा तो पुलिस अधीक्षक के द्वारा लगातार दि जा रही मार्गदर्शन के आधार पर उसे सोहजाना मोड़ के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधी अपनी पत्नी के साथ बाइक से कांवरिया का भेषभूषा धारण कर देवघर में अपने घर लौट रहा था। वही गोपालगंज की आई पुलिस टीम को गिरफ्तार हुए अपराधी को सौंप दिया गया।

प्राइवेट स्कूल के शिक्षक की असामयिक निधन

प्रात : किरण संवाददाता

सोनो जमुई : पिछले 28 वर्षों पुर्व से लगातार एक ही विधालय के बच्चों को शिक्षा दे रहे अनुप कुमार सिन्हा की बिति गुरुवार की देर रात अचानक हाट अटैक आने से उनका निधन हो गया है । वे 65 वर्ष के थे । अचानक हुई निधन से उनके परिजनों मे कोहराम मच गया । परिजनों की विलाप को सुन अन्य लोगों की आंखों में आंसू छलक पड़े । वे अपने पिछे 55 वर्षिय पत्नी अनुराधा सिन्हा , दो पुत्रों मे पुत्र अंकुर कुमार एवं अमन कुमार तथा दो पुत्री अर्चना कुमारी एवं अमिशा कुमारी ऊर्फ छोटी कुमारी सहित भरा पुरा परिवार को छोड़कर सदा के लिए भगवान के प्यारे हो गए । बताया गया है कि वे पिछले 28 वर्षों पुर्व से अपने परिजनों के साथ बटिया मे रहकर एक प्राईवेट विधालय मे बच्चों को शिक्षा देते रहे , जिसमे वे अपने बच्चों को इतिहास , भुगोल एवं अंग्रेजी का ज्ञान देकर अपने कार्यकाल मे एक हजार से अधिक बच्चों को फस्ट मार्क्स लाने मे सफलता दिलाये थे ।झाझा निवासी स्वः अनुप कुमार सिन्हा बिते वर्ष 1996 मे ही झाझा को छोड़कर अपने परिजनों के साथ बटिया मे आकर रहने लगे थे । इस 28 वर्ष के दौरान उन्होंने अपने जीवन में काफी उतार चढ़ाव ओर गरीबी मे जीवन बिताकर बाल बच्चों का भरण पोषण करते रहे , जिसमे उनकी धर्म पत्नी श्रीमती अनुराधा सिन्हा ने भी तकरीबन 20 वर्षो तक अपने पति के साथ हाथ बंटाकर बच्चों को शिक्षा देने मे साथ निभाते रहे , ताकि छोटे छोटे बच्चों का सही तरिके से पालन पोषण किया जा सके । उनके निधन की सुचना पाकर उनकी अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधियों ओर समाज सेवियों के अलावा विधालय मे ज्ञान अर्जित करने वाले छात्र छात्राओं का तॉता लगा रहा । लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर श्रधासुमन पुष्पांजलि अर्पित करते हुए उन्हें नमन किया ।साथ ही इस दुख की घड़ी में पिड़ित परिवार को धैर्य बंधाते हुए मृतक की आत्मा को शांति प्रदान करने के लिए भगवान से प्रार्थना की । इस मौके पर शरस्वति शिशु विधा मंदिर के सचिव सह संस्थापक यमुना प्रसाद यादव , प्रधानाचार्य मुकेश कुमार , वरिष्ठ शिक्षक अवध बिहारी त्रिपाठी , दहियारी पैक्स अध्यक्ष सुखदेव प्रसाद यादव , पुर्व मुखिया संतोष पासवान , सरपंच प्रतिनिधि बिष्णुदेव यादव , सरपंच प्रत्याशी गुलटन पासवान , शिक्षक शशिभूषण गुप्ता एवं महेश यादव , समाज सेवी महेंद्र प्रसाद यादव , बाबा झुमराज मंदिर के पुजारी दिवाकर सिंह के अलावा बिनोद बरनवाल , लालु कुमार बरनवाल , पिंटू यादव , मोहन बरनवाल , उमेश बरनवाल , सुधीर पासवान सहित बड़ी संख्या में विधालय के छात्र छात्राओं ने पार्थिव शरीर को नमन कर अंतिम दर्शन किया ।

डीएसएम कॉलेज के 14 एकड़ भूमि पर बनेगा नया भवन, एबीवीपी की बड़ी जीत

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई झाझा के स्थानीय कार्यालय में एबीवीपी के कार्यकताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। एसएफडी दक्षिण बिहार प्रांत सहसंयोजक सूरज कुमार बरनवाल ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की दशकों के प्रयास के फलस्वरूप ऐसा प्रतीत होता है कि अब देव सुंदरी मेमोरियल महाविद्यालय झाझा के विद्यार्थियों को महाविद्यालय स्तर का सुंदर व सभी संसाधन युक्त महाविद्यालय नसीब हो पाएगा। वर्तमान के जिस भवन में महाविद्यालय का संचालन हो रहा है उसकी स्थिति काफी जर्जर है, जिस करण झाझा सहित आसपास के 30 किलोमीटर के विद्यार्थियों को न ही बीकॉम की पढ़ाई की सुविधा और ना ही स्नातकोत्तर स्तर की ही शिक्षा उपलब्ध हो पा रही है। नगर राष्ट्रीय कलामंच संयोजक अंजनी पंडित व कॉलेज मंत्री राजेश यदुवंशी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्राचार्य से लेकर कुलपति को दर्जनों बार आवेदन के माध्यम से ध्यान आकृष्ट कराती रही है,साथ ही कई बार महामहिम राज्यपाल व बिहार के मुखिया नीतीश कुमार को भी आवेदन के माध्यम से जागने का काम किया गया है तथा मुख्यमंत्री ने आवेदन के आलोक में अपर मुख्य सम्हर्ता को जांच का भी आदेश दिया था तथा स्वयं जिला भवन निर्माण सहायक अभियंता श्रीराम ने अधिकारियों के साथ पहुंचकर रिपोर्ट तैयार कर भेजी थी। जिला सोशल मीडिया संयोजक कार्तिक कुसुम यादव,कॉलेज कार्यकारिणी सदस्य खुशबू कुमारी ने कहा कि यह भी कहना उचित होगा कि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अजफर शमशी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मिलकर महाविद्यालय की वस्तुस्थिति एवं खाली पड़े 14 एकड़ भूमि पर भवन निर्माण को लेकर जिक्र किया था।

आशा दिवस पर आशा व फेसीलीटेटर को दिए गए निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) आशा दिवस पर कुमारखंड सीएचसी स्थित सभा भवन में गुरुवार को सीएचसी प्रभारी डॉ वरुण कुमार के नेतृत्व में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी आशा व फेसीलीटेटर को जीरो डोज के छूटे हुए बच्चों का टीकाकरण करने का सख्त निर्देश दिया गया। बैठक में प्रभारी बीसीएम प्रेमशंकर कुमार, डब्लूएचओ एफएम आशुतोष कुमार व मोती कुमार झा ने कहा कि सभी आशा व फेसीलीटेटर अपने पोषक क्षेत्र में जो भी बच्चा एक साल के अंदर किसी भी टीके से वंचित रह गए हैं उनकी खोज कर उन्हें टीका लगा कर प्रतिरक्षित करेंगे। इन्होंने कहा कि एक भी बच्चा किसी भी टीका से प्रतिरक्षित होने से वंचित न रह सके इस पर पूरा जोर देना है। मौके पर बीसीएम प्रेमशंकर कुमार ने कहा कि सभी आशा कार्यकताओं एवं फेसीलिटेटर को अपने-अपने पोषक क्षेत्र में योग्य दंपत्ति को परिवार नियोजन के तहत स्थाई और अस्थाई साधन के बारे में जानकारी देते हुए ऑपरेशन करवाने के लिए प्रेरित करते रहें। उन्होंने कहा कि लोगों को परिवार नियोजन से संबंधित स्थाई और अस्थाई साधन जैसे कॉपर टी, माला एम व माला एन, छाया, अंतरा आदि का उपयोग करने के संबंध में जानकारी मुहैया कराएं। इसके साथ ही बैठक के दौरान अन्य कई प्रकार के आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौके पर बीसीएम प्रेमशंकर कुमार, डब्ल्यूएचओ के फील्ड मॉनिटर मोती कुमार झा, आशुतोष कुमार, फेसीलिटेटर सरिता पाठक, ललिता कुमारी, पूनम कुमारी, रंजू कुमारी, नीलम कुमारी, मंजू कुमारी, बंदना कुमारी, आशा संगीता कुमारी, अनोखा कुमारी, नीतू कुमारी, खेरुन निशां, पूनम कुमारी, अंजू कुमारी, काजल कुमारी, विनीता कुमारी, गुड्डी कुमारी, आरती कुमारी, ललिता कुमारी, पिंकी कुमारी सहित कई अन्य आशा मौजूद थी।

मेडिकल्स मालिक के पुत्र की हत्या पर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने व्यक्त किया दुख

प्रात : किरण संवाददाता

जमुई [झाझा] भागलपुर में आत्माराम मेडिकल्स के मालिक बलराम केडिया के बेटे रौनक केडिया के अपराधियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के मामले में केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन शाखा झाझा के अध्यक्ष सुरेश यादव, सचिव विजय कुमार बरनवाल सहित अन्य एसोसिएशन के सदस्य एवं दवा विक्रेताओं ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया है और पीड़ित परिवार को इस दुखद बेला में ढांढस रखने की बात कि है। अध्यक्ष ने कहा कि दवा दुकानदार अपने व्यापार पर ध्यान देते हुए जनहित में ही हमेशा कार्य करते रहता है लेकिन इस तरह की घटना दवा दुकानदार के साथ होने से हमलोगों की सुरक्षा पर सवाल उठता है। उन्होनें आगे कहा कि दवा दुकान ही ऐसा दुकान होता है जो रात्रि में भी लोगों के बीच सेवा देकर जान बचाने का काम करते है। लेकिन भागलपुर की घटना सामने आने के बाद ऐसा प्रतित होता है कि दवा दुकानदार सुरक्षित नही है। वही दवा विक्रेताओ ने कहा कि बिहार सरकार से लेकर आरक्षी महानिदेशक से मांग किया इस रौनक हत्याकांड में संलिप्त सभी अपराधियों की अविलंब गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई किया ताकि दवा विक्रेताओं में जो भय की स्थिति उत्पन्न हो गई वह समाप्त हो जाए अन्यथा एसोसिएशन की ओर से हमलोग आंदोलन करने पर विवश हो जाएगे।

दिशा-निर्देश- शिक्षकों की भूमिका और दायित्वों को पांच श्रेणियों में बांटा गया

प्रात : किरण संवाददाता

गिद्धौर(जमुई) शिक्षकों की मनमर्जी अब स्कूलों में नहीं चलेगी। शिक्षक वही करेंगे जिसके बारे में शिक्षक मार्गदर्शिका में उन्हें बताया गया है। सभी शिक्षकों को शिक्षक मार्गदर्शिका देने के लिए शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉ.एस सिद्धार्थ ने डीईओ को निर्देश दिया है। अपर मुख्य सचिव ने शिक्षकों के बारे में कहा है कि आदर्श शिक्षक एक मोमबत्ती की भांति होते हैं जो स्वयं जलकर दूसरों की राह पर प्रकाशित करता है। शिक्षक मार्गदर्शिका में शिक्षकों की भूमिका एवं दायित्वों को पांच श्रेणी में बांटा गया है जिसमें छात्र स्वरूप,विद्यालय प्रबंधन,कक्षा प्रबंधन,छात्र प्रबंधन और अभिभावक प्रबंध है। शिक्षकों का दायित्व होगा कि सभी बच्चे साफ सुथरे ड्रेस में पानी के बोतल,स्कूल बैग,पाठ्य पुस्तक,कलम पेंसिल आदि पाठ्य व लेखनी सामग्री लेकर विद्यालय आएं। शिक्षक विद्यालय शुरू होने से 10 मिनट पहले विद्यालय पहुंचेंगे। ई- शिक्षाकोष पर उपस्थिति बनाकर प्रधानाध्यापक के साथ दिन भर की गतिविधि पर विचार विमर्श करेंगे। निरीक्षण को जब भी कोई पदाधिकारी पहुंचे तो शिक्षक अपनी पाठ योजना,कक्षा प्रबंधन,पाठ्यक्रम, साप्ताहिक एवं मासिक आकलन तथा पृब्ठपोषण एवं शिक्षक अभिभावक बैठक की समीक्षा करवाना सुनिश्चित करें।शिक्षक अपने पक्ष को उपयुक्त प्रमाण के साथ रखना सुनिश्चित करेंगे। किसी भी परिस्थिति में शारीरिक दंड का प्रयोग नहीं करेंगे वैसे विद्यार्थियों की पहचान करना है जो कक्षा में अपने सहपाठियों एवं शिक्षकों के साथ स्वतंत्र भाव से आत्मविश्वास के साथ बात-चीत नहीं करते हैं। ऐसे विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी अभिरुचि एवं शोक को जाने एवं उन्हें वैसी गतिविधियों में संलग्न करें जिनमें वे सहज अनुभव कर सकें। सभी विद्यार्थियों के सामने चेतना सत्र में ऐसे विद्याथीयों की एवं उनके छोटे-छोटे प्रयासों की प्रशंसा करें जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ सके। किसी भी परिस्थिति में शारीरिक दंड का प्रयोग नहीं करना है। कोई विद्यार्थी यदि 3 दिन से अधिक अनुपस्थित पाया जाए तो उसके अभिभावक से फोन आदि के माध्यम से जानकारी लेना है। यदि इसके सकारात्मक परिणाम ना मिलें तो विद्यार्थी के घर पर जाकर स्थिति की समीक्षा करना है। साप्ताहिक व मासिक मूल्यांकन की करनी है जांच शिक्षक ब्लैकबोर्ड पर दिनांक,दिन, विषय,उपस्थिति,अनुपस्थित छात्रों की संख्या अंकित करेंगे। पहली पीरियड में विद्यार्थियों की उपस्थिति ई- शिक्षा कोष एवं निर्धारित उपस्थिति पंजी में दर्ज करना सुनिश्चित करेंगे।यह कार्य कक्षा प्रारंभ होने के 5 मिनट के अंदर पूरा कर लेना है। शिक्षक द्वारा सभी विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय की पाठ पुस्तक एवं वर्ग- कार्य तथा गृह- कार्य हेतु लेखन पुस्तिका लाने सम्बन्धी स्पष्ट निर्देश दिए जाएंगे। सभी शिक्षक विद्यार्थी की डायरी का नियमित रूप से अद्यतन करेंगे एवं कक्षा में विद्यार्थियों के कार्यों तथा विकास से संबंधित सूचना अभिभावकों को देते रहेंगे।यह सुनिश्चित करेंगे की कक्षा में पाठ पुस्तकों के पठन पर विशेष बल दिया जाए।विद्यार्थियों को नियमित रूप से गृहकार्य देना और यह सुनिश्चित करना है कि वह अपना गृहकार्य ससमय पूरा करें। शिक्षक प्रतिदिन घर के लिए विद्यालय छोड़ने से पूर्व विद्यालय में ही अगले दिन की पाठ योजना बनाएंगे। प्रतिदिन चेतना सत्र के संचालन में विद्यार्थियों की सहभागिता होनी चाहिए। नियमित रूप से विद्यालय के ह्यहेड गर्ल एवं हेड बॉय का चयन कर सभी विद्यार्थियों को क्रमशः बारी-बारी से अवसर देते हुए किया जाना चाहिए।शिक्षक यह भी सुनिश्चित करें कि कक्षा में सभी विद्यार्थी अपने निर्धारित स्थान पर बैठें। कमजोर विद्यार्थी बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी के साथ अनिवार्य रूप से पहली पंक्ति में बैठे एवं बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी को उक्त सहपाठी के कक्षा कार्य,अभ्यास- पत्रक एवं अधूरे गृहकार्य को पूरा करने में सहयोग प्रदान करें।

अलग अलग जगहों से 3 शराबी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) कुमारखंड थाना पुलिस थाना क्षेत्र के विभिन्न जगह पर छापेमारी कर 3 शराबी को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार शराबी को गुरुवार को पुलिस अभिरक्षा में व्यवहार न्यायालय मधेपुरा में पेश किया। थानाध्यक्ष संजीव कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर गश्ती के दौरान थाना क्षेत्र के रहटा में शराब के नशे में हंगामा कर रहे शराबी व रहटा वार्ड 9 निवासी वीरेंद्र मल्लाह के शराबी पुत्र कुन्दन कुमार को पीटीसी हरदेव यादव ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं कुमारखंड बाजार में शराब के नशे में हंगामा कर रहे शराबी व रहटा वार्ड 9 निवासी चलित्तर मुखिया के शराबी पुत्र कुन्दन कुमार को गिरफ्तार कर लिया। जबकि जोरावरगंज वार्ड 8 निवासी शराबी दिलखुश कुमार को गुप्त सूचना पर छापामारी कर गिरफ्तार कर लिया गया।

वार्ड सदस्य व उपमुखिया का एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण शुरू

प्रात : किरण संवाददाता

कुमारखंड (मधेपुरा) बहुउद्देशीय सभागार भवन में गुरुवार को पंचायतीराज विभाग के निर्देश पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रखंड के अलग-अलग पंचायतों के वार्ड सदस्य व उपमुखिया का एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 8 से 13 अगस्त तक दिए जाएंगे। बीडीओ प्रियदर्शी राजेश पायरट व बीपीआरओ रोहन कुमार रत्न की देखरेख में जिला पंचायत संसाधन केंद्र द्वारा प्रतिनियुक्त प्रशिक्षक के द्वारा गुरुवार को प्रथम दिन बैसाढ, बेलारी, बिशनपुर सुंदर, बिशनपुर बाजार एवं बिशनपुर कोडलाही पंचायत के वार्ड सदस्यों व उपमुखिया को एक दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान प्रशिक्षक पंचायत सचिव सिंटू कुमार, राजीव रंजन कुमार एवं कार्यपालक सहायक रुपेश कुमार के द्वारा बिहार पंचायत राज अधिनियम 2006 एवं संशोधन विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक ने सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी दी तथा सदस्यों को उनके अधिकार व कर्तव्य के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा मुखिया-उपमुखिया को उनकी शक्तियां, कार्य एवं दायित्व के बारे में जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान पंचायती राज की उत्पत्ति एवं विकास एवं 73 वां संशोधन के बारे में बताया गया। स्थायी समितियां व गठन एवं कार्य, प्रखंड पंचायत विकास योजना का उद्देश्य, प्रक्रिया एवं महत्व, त्रिस्तरीय पंचायत राज संस्थाओं का शुद्धिकरण, अर्थ आवश्यकता, महत्व और स्वशासित इकाईयों के रूप में पंचायत की विशेषताएं एवं आपदा प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गयी। मौके पर निधि का श्रोत, पंचायत समिति के कार्यों का आवंटन एवं दायरा, लेखा संधारण एवं वित्तीय प्रबंधन के बारे में बिन्दुवार जानकारी दी गई।सभी को खाद्य सुरक्षा योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, प्रधानमंत्री जन आरोग्य बीमा योजना, मुख्यमंत्री सामर्थ्य योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, कबीर अंत्येष्टि योजना आदि के बारे में बताया गया। मौके पर सभी पांचों पंचायत के उपमुखिया व वार्ड सदस्य मौजूद थे।

सम्पादकीय

नजूल विधेयक पर बवाल क्यों?

रजनीश कपूर

देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध में हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं द्वारा सही एतराज़ उठाया जा रहा है। यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। यदि नजूल भूमि को अवैध क़ब्ज़े से मुक्त ही कराना है तो इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फ़ैसला लेकर इसे फ़िलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में कड़े और विवादास्पद फ़ैसले लेने के लिए प्रसिद्ध मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह फ़ैसला सही ज़रूर प्रतीत होता है। परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जिस भी ज़मीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। ग़ौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी मात्रा में ज़मीनों पर क़ब्ज़ा किया गया था। लेकिन आज़ादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी ज़मीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी ज़मीन वापिस मिल गई। परंतु ऐसी कई ज़मीनें थीं जिनकी मिलकियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी ज़मीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल ज़मीन कहा गया।

आज़ादी के बाद इस नजूल ज़मीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस ज़मीन को लंबे समय के लिए लीज़ पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल ज़मीनें हैं जिन पर लोग अवैध क़ब्ज़ा कर रह रहे हैं। कुछ लोग तो निचले स्तर के अधिकारियों से साँठ-गाँठ कर नजूल ज़मीन के पट्टे भी अपने नाम करवा लेते थे। ऐसी कई ज़मीनों पर खेती, मंदिर, दुकानें या अन्य प्रतिष्ठान भी बनने लगे। परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस-जिस नजूल ज़मीन पर लोग ग़ैर क़ानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल ज़मीनों की लीज़ का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल ज़मीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापिस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था। परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हज़ारों एकड़ ज़मीन को अपने ख़ास चुनिंदा लोगों के बीच बाँट दिया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आये हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई ज़मीनें हैं जिन पर शागिर्द-पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहाँ रह रहे हैं परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ़ तो प्रधान मंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिये जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो ग़रीब दशकों से यहाँ रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, "नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से 'घर उजाड़ने' का फ़ैसला है क्योंकि बुलडोज़र हर घर पर नहीं चल सकता है। भाजपा घर-परिवार वालों के ख़िलाफ़ है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी ख़ुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोज़गार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। कुछ लोगों के पास दो जगह का विकल्प है, पर हर एक उनके जैसा नहीं है। बसे बसाये घर उजाड़कर भाजपा वालों को क्या मिलेगा। क्या भू-माफ़ियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फ़ैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है।" देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध में हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं द्वारा सही एतराज़ उठाया जा रहा है। यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। यदि नजूल भूमि को अवैध क़ब्ज़े से मुक्त ही कराना है तो इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूँकि उत्तर प्रदेश और केंद्र में दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधान मंत्री मोदी के साथ इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। इसे भाजपा शासित किसी छोटे राज्य में लागू करना चाहिए था। इस अधिनियम को लाने से पहले सरकार द्वारा यहाँ पर बसे लोगों को पुनर्वास करने की योजना बना लेनी चाहिए थी। सरकार को इन नजूल भूमि पर किए जाने वाले विकास कार्यों की सूची भी बना लेनी चाहिए थी। सरकार द्वारा नजूल भूमि पर अवैध रूप से पट्टे जारी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को दंड देने का भी प्रावधान बनाना चाहिए था। यदि इन सब पहलुओं पर सरकार द्वारा नहीं सोचा गया तो ऐसा लगता है कि उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ को सलाह देने वाले अधिकारियों ने आनन-फ़ानन में इस अधिनियम को पेश करवाया। देखना यह होगा कि आने वाले समय में प्रवर समिति इस अधिनियम पर क्या सुझाव देती है?

बुध ने बढ़ाया विनेश फोगाट का वजन राहु गुरु के योग ने किया पदक से दूर

अतुल अग्रवाल (लेखक जाने माने ज्योतिषाचार्य एवं लाल किताब विशेषज्ञ हैं)

25 अगस्त 1994 को हरियाणा के चरखी दादरी कस्बे में जन्मी विनेश फोगाट के साथ ओलम्पिक में हुए हादसे ने देश भर को सकते में डाल दिया। आज चारों ओर यही चर्चा है कि आखिर अचानक विनेश फोगाट का वजन इतना क्यों बढ़ गया और क्यों वे अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पायीं। जब इस बात को जानने के लिए ज्योतिषीय दृष्टि से विवेचना की गयी तो स्पष्ट हुआ कि विनेश की कुंडली तुला लग्न की है जिसमें प्रथम भाव में गुरु और राहु की युति है। ज्योतिष की भाषा में इसे गुरु चांडाल योग कहा जाता है। लाल किताब कहती है कि जब किसी व्यक्ति के लग्न में गुरु और राहु एक साथ होते हैं तो गुरु के अच्छे फल को राहु निष्प्रभावी कर देता है तथा तुला लग्न की कुंडली में प्रथम भाव का राहु समाज में कम से कम एक बार बहुत बड़ी बेइज्जती करवाता है। ओलंपिक में स्वर्ण पदक के बहुत नजदीक पहुंचकर फिर एक दम से डिसक्वालिफाई हो जाना इसी ज्योतिषीय योग का परिणाम है। ओलंपिक में अर्श से फर्श पर आने का हादसा इसी कारण हुआ। विनेश की कुंडली में केतु सातवें भाव में है जबकि मंगल नवें भाव में है। ऐसी स्थिति में केतु से तीसरे मंगल होते हैं और जिन व्यक्तियों की कुंडली में यह योग होता है, वह अपने बचपन में खेलकूद में काफी सक्रिय होते हैं।

लाल किताब की व्याकरण एकदम स्पष्ट कहती है कि जब किसी व्यक्ति की कुंडली में गुरु लग्न में और शनि पंचम भाव में अकेला हो तो ऐसे व्यक्ति की किस्मत मंद होती है और ऐसा व्यक्ति कभी भी चारों खाने चित्त हो जाएगा। यह योग विनेश की पत्रिका में भी है। इसी कारण वह स्वर्ण पदक जीतते - जीतते आश्चर्यजनक रुप से पूरे ओलंपिक से ही बाहर हो गयी। इस समय यह भी चर्चा है कि विनेश का वजन अचानक इतना क्यों बढ़ गया। इसका प्रमुख कारण विनेश की पत्रिका में ग्यारहवें स्थान पर बैठे बुध हैं। इस स्थान पर बैठे बुध व्यक्ति का कभी भी अचानक से वजन बढ़ा देते हैं। विनेश के ग्यारहवें भाव के मंदे बुध की तीसरी दृष्टि सीधे लग्न भाव के राहू पर पड़ रही है। लाल किताब के अनुसार पर जब भी मंदे बुध और राहु के बीच एक दूसरे से दृष्टि संबंध होगा तब व्यक्ति को जेलखाना, पागलखाना या दवाखाना अवश्य जाना पड़ता है। यही कारण रहा कि ओलंपिक से डिस्क्वालीफाई होने के बाद सदमे के कारण विनेश को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। विनेश के पदक से चूकने के कई और कारण उनकी कुंडली में मौजूद हैं। उनकी पत्रिका में छठे भाव में मीन का चंद्रमा है, जो मनुष्य को बहुत ज्यादा धनवान नहीं होने देता। अगर गोल्ड मैडल जीतकर उन्हें सौ करोड़ रुपए मिलते तो अब यह योग उन्हें एक-दो करोड़ पर ही सीमित कर देगा। विनेश की पत्रिका में मंगल नवम-भाव में है लेकिन वे अपनी नीच राशि मिथुन में हैं साथ ही कुंडली के दूसरे भाव में कोई ग्रह नहीं है। इस कारण इन्हें अपनी मेहनत का पूरा परिणाम कभी नहीं मिलेगा। लाल किताब का भविष्यफल कहता है कि नवम-भाव में मंगल हो और दूसरा घर खाली हो तो ऐसे व्यक्ति को अपनी मेहनत का सही परिणाम नहीं मिलता। इनकी पत्रिका में लग्न के गुरु और ग्यारहवें भाव के बुध के बीच भी दृष्टि संबंध है। लाल किताब में लिखा है कि ऐसा व्यक्ति 17 साल की उम्र के बाद अपने जीवन में कभी न कभी कोई ऐसी गलती अवश्य करता है जिसका उसको जीवन भर पछतावा रहता है। बुध और गुरु के इसी दृष्टि संबंध के परिणामस्वरूप विनेश ने खान पान में लापरवाही बरती जिसके कारण उनका वजन बड़ा और अब वे सारे जीवन भर इस गलती से दुखी होती रहेंगी। ताजा घटनाक्रम के संबंध में विनेश की कुंडली का विश्लेषण यही बताता है कि ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतना उनके भाग्य में नहीं था इसी कारण इतने आगे आकर भी सफलता उनके हाथ से फिसल गयी।

बांग्लादेश: भारत के लिए रणनीतिक चुनौती

बांग्लादेश में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल, जिसमें प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा और उनका भारत चले जाना शामिल है, ने भारत की क्षेत्रीय कूटनीति के लिए नई चुनौतियां और जटिलताएं ला दी हैं। बांग्लादेश में सैन्य शासन और नागरिक अशांति के दौर से गुज़रते हुए, भारत अपने रणनीतिक हितों और क्षेत्रीय नीति को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा पाता है, जिससे उसे अपने कूटनीतिक रुख का पुनर्मूल्यांकन करने की ज़रूरत है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

शेख हसीना भारत समर्थक हैं, इसलिए उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश में चीनी बढ़त को आमंत्रित कर सकती है, जो भारत के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। बांग्लादेश में बेल्ट एंड रोड पहल के तहत चीन की हालिया पहल को और गति मिल सकती है, जिससे भारत की रणनीतिक बढ़त कम हो सकती है। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति, पश्चिम बंगाल की बंगाली आबादी को प्रभावित सकती है, जो भारत में घरेलू राजनीति और नीति-निर्माण को प्रभावित कर सकती है। बांग्लादेश में शरणार्थियों की आमद या राजनीतिक अशांति पश्चिम बंगाल की राज्य राजनीति में एक विवादास्पद मुद्दा बन सकती है, जो चुनावी गत्यात्मकता को प्रभावित कर सकती है....

बांग्लादेश में हाल ही में हुए राजनीतिक उथल-पुथल, जिसमें प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा और उनका भारत चले जाना शामिल है, ने भारत की क्षेत्रीय कूटनीति के लिए नई चुनौतियां और जटिलताएं ला दी हैं। बांग्लादेश में सैन्य शासन और नागरिक अशांति के दौर से गुज़रते हुए, भारत अपने रणनीतिक हितों और क्षेत्रीय नीति को एक ऐसे चौराहे पर खड़ा पाता है, जिससे उसे अपने कूटनीतिक रुख का पुनर्मूल्यांकन करने की ज़रूरत है।

ढाका के साथ राजनयिक संबंधों में भारत के समक्ष आने वाली चुनौतियाँ देखे तो बांग्लादेश में अचानक राजनीतिक रिक्तता और सैन्य शासन की वापसी, भारत के लिए चुनौती बन गई है जिसने ऐतिहासिक रूप से अपने पड़ोस में लोकतांत्रिक शासन का समर्थन किया है। उदाहरण के लिए: प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल के अचानक समाप्त होने से ढाका में अप्रत्याशित नीतिगत बदलाव हो सकते हैं, जिससे सीमा प्रबंधन और आतंकवाद विरोधी उपायों जैसी द्विपक्षीय पहल प्रभावित हो सकती हैं। विरोध प्रदर्शनों में जमात-ए-इस्लामी जैसे इस्लामी समूहों की भागीदारी संभावित रूप से बांग्लादेशी राजनीति के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को बदल सकती है, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा को खतरा हो सकता है और कट्टरपंथ के खिलाफ भारत के प्रयासों पर असर पड़ सकता है। कट्टरपंथी तत्वों के बढ़ते प्रभाव से सीमा पर कट्टरपंथी गतिविधियों में वृद्धि हो सकती है, जिससे भारत को और अधिक कड़े सुरक्षा उपाय करने की आवश्यकता होगी।

बांग्लादेश के साथ भारत के महत्वपूर्ण व्यापारिक संबंध खतरे में हैं। सीमा पार से व्यवधान और भारतीय निर्यातकों के लिए भुगतान में देरी, इन देशों की आर्थिक निर्भरता की संवेदनशीलता को दर्शाते हैं। उदाहरण के लिए: हाल ही में कर्फ्यू और विरोध प्रदर्शनों के कारण पेट्रापोल-बेनापोल सीमा जैसे प्रमुख व्यापार मार्ग अस्थायी रूप से बंद हो गए हैं, जिससे प्रतिदिन लाखों डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार प्रभावित हो रहा है। अस्थिर राजनीतिक परिदृश्य, शरणार्थियों की आमद और सीमा पार अपराधों में वृद्धि का कारण बन सकता है, जिससे भारत को सुरक्षा उपाय कड़े करने पड़ सकते हैं। बांग्लादेश में पिछले राजनीतिक उथल-पुथल ने ऐतिहासिक रूप से शरणार्थी संकट को जन्म दिया है, विशेष रूप से 1971 के युद्ध के दौरान, जिसका भारत के पूर्वोत्तर राज्यों पर स्थायी प्रभाव पड़ा।

प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत समर्थक हैं, इसलिए उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश में चीनी बढ़त को आमंत्रित कर सकती है, जो भारत के प्रभाव को चुनौती दे सकती है। बांग्लादेश में बेल्ट एंड रोड पहल के तहत चीन की हालिया पहल को और गति मिल सकती है, जिससे भारत की रणनीतिक बढ़त कम हो सकती है। गैर-हस्तक्षेप और अपने हितों की रक्षा करने की आवश्यकता के बीच संतुलन बनाए रखने से क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ता और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में भारत की अंतर्राष्ट्रीय छवि दांव पर लग सकती है। बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में अत्यधिक आक्रामक नीतियों या कथित हस्तक्षेप से अंतर्राष्ट्रीय आलोचना हो सकती है और वैश्विक मंचों पर भारत की स्थिति प्रभावित हो सकती है। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति, पश्चिम बंगाल की बंगाली आबादी को प्रभावित सकती है, जो भारत में घरेलू राजनीति और नीति-निर्माण को प्रभावित कर सकती है। बांग्लादेश में शरणार्थियों की आमद या राजनीतिक अशांति पश्चिम बंगाल की राज्य राजनीति में एक विवादास्पद मुद्दा बन सकती है, जो चुनावी गत्यात्मकता को प्रभावित कर सकती है।

भारत को अपने हितों की रक्षा करने और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए अंतरिम सैन्य सरकार सहित बांग्लादेश में सभी राजनीतिक संस्थाओं के साथ संचार के खुले चैनल बनाए रखने चाहिए। स्थिरीकरण प्रयासों और लोकतांत्रिक बदलावों पर चर्चा करने के लिए प्रमुख बांग्लादेशी नेताओं और अंतरराष्ट्रीय हितधारकों के साथ कूटनीतिक वार्ता की मेजबानी करना। व्यापार प्रोत्साहन, सहायता और निवेश जैसे आर्थिक साधनों का उपयोग करके भारत को अपनी सॉफ्ट पॉवर का उपयोग करने और सत्तारूढ़ शासन के बावजूद अच्छे संबंधों को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है। बांग्लादेश में बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं के लिए अनुकूल व्यापार समझौते या विकास सहायता को बढ़ाना चाहिए, जिससे आर्थिक संबंध मजबूत होंगे।

सुरक्षा सहयोग बढ़ाना, खुफिया जानकारी साझा करना, तथा आतंकवाद और सीमा पार अपराधों के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाना राजनीतिक अस्थिरता के परिणामों को प्रबंधित करने में मदद कर सकता है। भारत-बांग्लादेश सीमा पर तस्करी और आतंकवादी गतिविधियों को रोकने के लिए संयुक्त गश्त और खुफिया जानकारी साझा करने की पहल करना। सांस्कृतिक संबंधों और लोगों के बीच संपर्क को मजबूत करना, स्थायी संबंधों के लिए आधार के रूप में काम कर सकता है, जिससे राजनीतिक और वैचारिक मतभेद कम हो सकते हैं। दोनों देशों के लोगों के बीच आपसी समझ और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक उत्सवों और छात्र विनिमय कार्यक्रमों को बढ़ावा देना। सुरक्षा और विकास जैसी आम चुनौतियों का समाधान करने के लिए सार्क और बिम्सटेक जैसे मंचों के माध्यम से क्षेत्रीय सहमति बनाना, स्थिरता के लिए सामूहिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए। सुरक्षा और आर्थिक विकास पर केंद्रित क्षेत्रीय संवाद शुरू करना जिसमें बांग्लादेश और अन्य पडोसी देश शामिल हों।

बांग्लादेश में राजनीतिक संकट के चलते भारत को इस संक्रमणकालीन दौर में रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना चाहिए और हस्तक्षेप न करने तथा सक्रिय भागीदारी के बीच संतुलन बनाना चाहिए। भारत की कूटनीतिक रणनीति का विकास क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने तथा अपने पड़ोसी के बदलते राजनीतिक परिदृश्य के बीच अपने हितों की रक्षा करने में महत्वपूर्ण होगा। यह अनुकूल कूटनीति भारत को शांति और विकास के लिए प्रतिबद्ध क्षेत्रीय नेतृत्वकर्ता के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करने में मदद कर सकती है।

पड़ोसी देशों में भारत-विरोधी सरकारों के गठन की चिन्ता

भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

भारत के पडोसी देशों में अस्थिरता एवं अराजकता का माहौल चिन्ताजनक है। बांग्लादेश के साथ-साथ भारत के पड़ोसी मुल्कों में हुए हालिया अराजक, हिंसक एवं अस्थिरता के घटनाक्रमों से एक तस्वीर बनती है एवं एक सन्देश उभर कर आता है, वह है, चीनी के द्वारा भारत विरोधी सरकारों के गठन की साजिश। सिर्फ बांग्लादेश ही नहीं, बल्कि मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका में राजनीतिक उथल-पुथल और तख्तापलट के बाद अस्तित्व में आई सरकारों ने भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हालात पैदा कर दिए हैं। भारत को सतर्क एवं सावधानी बरतने की जरूरत है। अब सवाल ये उठते हैं कि भारत के पड़ोसी देशों में हो रही इस अराजकता एवं अस्थिरता के कारण क्या हैं? यह सिर्फ एक संयोग है या फिर साजिश? क्या इसके पीछे चीन का हाथ है? क्या पाकिस्तान भी इसके लिये जिम्मेदार है? पड़ोसी देशों में पनप रही इस राजनीतिक अस्थिरता का भारत पर क्या असर होगा?

इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन ने पाकिस्तानी तत्वों के जरिये शेख हसीना विरोधी आंदोलन को हवा दी। निश्चित ही शेख हसीना की छवि एक अधिनायकवादी शासक की बनी और पश्चिमी देश विशेषकर अमेरिका उनकी निंदा करने में मुखर हो उठा। अमेरिका उनकी नीतियों से पहले से ही खफा था, क्योंकि वह मानवाधिकार और लोकतंत्र पर उसकी नसीहत सुनने को तैयार नहीं थीं। उनका सत्ता से बाहर होना भारत के लिए अच्छी खबर नहीं है, बांग्लादेश में एक अर्से से भारत विरोधी ताकतें सक्रिय हैं। उनका भारत विरोधी चेहरा आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान भी दिखा। यह ठीक नहीं कि हिंसक प्रदर्शनकारी अभी भी हिंदुओं और उनके मंदिरों के साथ भारतीय प्रतिष्ठानों को निशाना बना रहे हैं। लगभग ऐसी ही स्थितियां चीन और पाकिस्तान ने मालदीव, नेपाल, अफगानिस्तान और श्रीलंका में खड़ी की है।

हसीना का जाना या उनका निष्कासन चीन एवं पाकिस्तान की साजिशों का परिणाम है, जो भारत के लिए कई मायनों में झटका है। इसका यह मतलब भी है कि भारत ने पड़ोस में अपने इकलौते स्थिर साथी को अब खो दिया है। भारत अपने चारों ओर से बदहाल, कट्टरवादी, अराजक एवं अस्थिर पड़ोसियों से घिरा है। हमारे पड़ोस में अफगानिस्तान है, जिस पर कट्टरपंथी तालिबान का राज है। भारत-विरोधी समूहों को समर्थन देने का उसका एक काला इतिहास रहा है। पाकिस्तान तो भारत का दुश्मन देश ही है। एक बेहद अशांत पड़ोस, जो कट्टरपंथियों, सैन्य शासकों, दिवालिया अर्थव्यवस्थाओं और जलवायु-परिवर्तन के कारण डूबते देशों में अग्रणी है। अपनी आर्थिक बदहाली के बावजूद वह भारत विरोधी षडयंत्र रचता ही रहता है। वह राजनीतिक अस्थिरता का पर्याय है। विडम्बना देखिये कि पाकिस्तान के एक भी वजीरे-आजम ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया है। हमेशा वहां की फौज ने उनके कार्यकाल में टांग डाली है। दक्षिण में श्रीलंका और मालदीव हैं। श्रीलंका 2022 में दिवालिया हो गया था। वहां से सामने आई तस्वीरें एवं घटनाक्रम आज के बांग्लादेश से काफी मिलती-जुलती रही हैं। वहां भी प्रदर्शनकारियों ने बड़ा जनआंदोलन किया और जनता ने राष्ट्रपति भवन पर कब्जा कर लिया, जिस कारण राष्ट्रपति गोटाबाया को देश छोड़कर भागना पड़ा था। आर्थिक दिवालियेपन का शिकार यह देश चीन के कर्ज के जाल में फंसा हुआ है। श्रीलंका के कर्ज का एक बड़ा हिस्सा चीन का था, जिस कारण चीन ने यहां के हंबनटोटा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया था। हालात यह हो गए थे कि श्रीलंका का विदेशी मुद्रा भंडार खाली हो गया था।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले हुए हैं। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, जिसमें मालदीव से भारतीय सैनिकों की वापसी भी शामिल थी। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने हुए हैं।

नेपाल बीते कई सालों से राजनीतिक अस्थिरता के दौरे से गुजर रहा है। हाल ही में यहां एक बार फिर से सत्ता परिवर्तन हुआ और प्रो-भारत माने जाने वाली प्रचंड सरकार सत्ता से बाहर हो गई। अब यहां चीन समर्थक केपी शर्मा ओली की सरकार है। ओली इससे पहले 2015-16 में नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उस समय भारत और नेपाल के संबंध काफी तनावपूर्ण रहे थे। नेपाल में गत 16 वर्षों में 14 सरकारें बदल चुकी हैं। हालात इतने बदहाल हैं कि वहां पर कुछ लोग राजशाही को फिर से बहाल करना चाहते हैं। नेपाल में भी चीन ने जाल बिछा रखा है। चीन विस्तारवादी, अलोकतांत्रिक और अपने आस-पड़ोस के देशों के साथ धौंस-डपट करने वाला देश है। वह भारत के भूखंडों पर अपनी मिल्कियत जताता रहता है। भूटान में घरेलू राजनीति स्थिर है, लेकिन वह चीन के साथ सीमा-समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहता है, और यह भारत के लिए चिंता का बड़ा कारण है।

भारतीय उपमहाद्वीप के मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, भुटान और श्रीलंका के बाद अब बांग्लादेश में उत्पन्न होने वाली प्रतिकूल परिस्थितियों को दुनिया चुपचाप सब देख रही है, वहीं भारत इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है, क्योंकि बांग्लादेश की घटनाओं का उस पर सीधा असर होगा। भारत शांति कायम रखने एवं पडोसी देशों से मित्रता कायम रखने के अपने संकल्पों एवं रणनीतियों के लिए इन देशों पर भरोसा नहीं कर सकता। हमारे इर्द-गिर्द मची उथलपुथल, अस्थिरता एवं अराजकता हमारे वैश्विक एजेंडे को भी बाधित करती है। भारत की आबादी 1.4 अरब है। उसके सभी पड़ोसियों की कुल आबादी 50 करोड़ है। अर्थव्यवस्था के साथ भी ऐसा ही है।

भारत की जीडीपी तीन ट्रिलियन डॉलर है। बाकी सब मिलाकर लगभग एक ट्रिलियन हैं। भारत समर्थ है, शक्ति सम्पन्न है, दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, इसलिये उसे अधिक बलों की तैनाती, अधिक रक्षा खर्च और सीमाओं पर अधिक बुनियादी ढांचों का निर्माण करना होगा। क्योंकि भारत के सभी पडोसी देशों पर चीन का दबदबा है और उसके दबाव में भारत के लिये कभी भी संकट बन सकते हैं।

बांग्लादेश के घटनाक्रम पर भारत की सतर्कता, विवेक एवं समझदारी सराहनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार पडोसी देशों में उत्पन्न हालातों पर समझ एवं संयम से कदम उठाती रही है। बांग्लादेश की तख्तापलट घटनाओं पर भी उसने पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, विपक्षी दलों ने महत्वपूर्ण भूमिका के साथ अपनी बात रखी।

भय और आतंक के साये में बांग्लादेश के हिन्दू

मनोज कुमार अग्रवाल

शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद बांग्लादेश में उपद्रवी हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों को निशाना बना रहे हैं। देश में 1 करोड़ 31 लाख के करीब हिंदू हैं, उनके घरों और दुकानों को आग के हवाले किया जा रहा है। अराजक तत्व हिंदू मंदिरों को भी निशाना बना रहे हैं। हालात इतने खराब हो गए हैं कि वहां रहने वाले करीब 7 प्रतिशत हिंदू इन दिनों भय और आतंक के साये में जी रहे हैं। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले कोई नई बात नहीं है, पहले भी हिंदुओं को यहां निशाना बनाया जाता रहा है। लेकिन इस बार हालात और भी अलग हैं। शेख हसीना सत्ता छोड़ चुकी हैं, ऐसे में भारतीय नागरिकों का क्या होगा, यही चिंता सताने लगी है। बांग्लादेश में जारी अनिश्चितता और अराजकता के माहौल के बीच वहां हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को टारगेट किया जा रहा है। हिन्दुओं के मंदिर, घर और दुकानें प्रदर्शनकारी कुछ भी नहीं छोड़ रहे हैं। आततायी कट्टरपंथी भीड़ ने यहां पर 64 जिलों में 44 हिन्दू मंदिरों समेत अनेक हिंदुओं के घरों के साथ ही उनके व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया है। इतना ही नहीं अराजक तत्व उनका कीमती सामान भी लूट ले गए। वहां पर मंदिरों और गुरुद्वारों में तोड़फोड़ की जा रही है। शेख हसीना के सत्ता और देश छोड़ने के बाद से वहां हालात बदतर हो गए हैं। इतना ही नहीं हिन्दू परिवारों की महिलाओं और लड़कियों के साथ भी बेहद घिनौना दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

बांग्लादेश के पंचगढ़, दिनाजपुर, बोगुरा, रंगपुर, शेरपुर किशोरगंज, सिराजगंज, मुगरा, नरैल, पश्चिम जशोर, पटुआखली, दक्षिण-पश्चिम खुलना, मध्य नरसिंगड़ी, सतखीरा, तंगैल, फेनी चटगांव, उत्तर-पश्चिम लक्खीपुर और हबीगंज जैसी जगहों पर कट्टरपंथियों का आतंक जारी है। वह यहां रहने वाले हिंदुओं पर न सिर्फ हमले कर रहे हैं बल्कि उनकी संपत्तियों को भी लूट कर ले जा रहे। बांग्लादेश के कट्टरपंथी हिंदुओं की संपत्तियों को चुन-चुन कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। मंदिर हो या गुरुद्वारा किसी को भी बख्शा नहीं जा रहा है। शहरों में हिंदू नेताओं पर हमले किए जा रहे हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कई हिंदू परिवारों के वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिसमें उन पर किए जा रहे अत्याचार का अंदाजा लगाया जा सकता है। सैकड़ों हिन्दू परिवार घर-बार छोड़कर भारतीय सीमा की ओर निकल पड़े हैं, लेकिन सीमा सील होने के कारण वह सीमा पार नहीं कर पा रहे। बांग्लादेश के हिन्दुओं का सब्र टूट रहा है। पलायन के सिवा उनके पास कोई विकल्प नहीं है। अपनी महिलाओं और लड़कियों को दंगाइयों से बचाने के लिए हिन्दू स्वयं ही अपने घरों को आग लगा रहे हैं। यह घटनाएं भारत विभाजन की याद ताजा कर देती हैं। उस समय भी सीमा के उस पार जब इंसान शैतान बन गया था तो इन शैतानों से औरतों की सुरक्षा हेतु लोग अपने मकानों को आग लगाने के साथ-साथ महिला सदस्यों की स्वयं ही हत्या करने को मजबूर हो गए थे। बांग्लादेश के हिन्दू परिवार आज वैसी ही स्थिति का सामना कर रहे हैं। शेख हसीना पिछले 15 साल से बांग्लादेश की सत्ता पर काबिज थीं और उनके शासन के दौरान दोनों देशों के संबंधों में मजबूती आयी है लेकिन तख्तापलट के साथ ही बांग्लादेश में सब कुछ बदल गया है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने जेल में बंद बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख खालिदा जिया को रिहा कर दिया है बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल और शेख हसीना के इस्तीफे के बाद भारत आने से भारत बेहद मुश्किल स्थिति में खड़ा दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कैबिनेट कमेटी की बैठक कर पूरी जानकारी ली है। इसके बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने ढाका की स्थिति पर चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक की। उन्होंने बताया कि नई दिल्ली रणनीतिक स्तर पर बांग्लादेश के घटनाक्रम पर नजर रख रही है। चूंकि शेख हसीना के साथ भारत के लंबे और घनिष्ठ रिश्ते रहे हैं। इस संकट में भारत को यह तय करना है कि क्या वह अपने पुराने मित्र का साथ दे सकता है या नहीं। दिल्ली के पास शेख हसीना के रूप में बांग्लादेश में एक दोस्त था, और 2009 से उनके निरंतर कार्यकाल ने नई दिल्ली-ढाका संबंधों में एक बड़ा बढ़ावा देखा। सड़क और रेल संपर्क से लेकर सीमा प्रबंधन और रक्षा सहयोग तक, भारत और बांग्लादेश के बीच संबंध इस समय के दौरान मजबूत हुए। जब हसीना के खिलाफ बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन बढ़ने लगे, तो भारत की प्रतिक्रिया थी कि यह एक आंतरिक मामला' है। दरअसल भारत के पूर्वोत्तर के कई राज्यों की सीमा बांग्लादेश से लगी हुई है। सीमा से लगे इन इलाकों में भारत विरोधी गुट लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। हालांकि, शेख हसीना ने अपने कार्यकाल में भारत विरोधी आतंकी समूहों पर कड़ी कार्रवाई की है। इससे भारत के पूर्वोत्तर के राज्यों में शांति कायम हुई है और बांग्लादेश के साथ व्यापार में भी काफी वृद्धि हुई। बांग्लादेश के बदलते राजनीतिक परिदृश्य के साथ भारत की सुरक्षा रणनीति को गहरा धक्का लगा है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक बंगाल की खाड़ी रणनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र है, जो अफ्रीका से इंडोनेशिया तक हिंद महासागर क्षेत्र में फैला हुआ है। यह बांग्लादेश, म्यांमार और भारत के बीच स्थित क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण महत्वपूर्ण है, जो दुनिया के प्रमुख समुद्री अवरोधों में से एक है, जो हिंद महासागर को दक्षिण चीन सागर से जोड़ता है। भारत के लिए बांग्लादेश अपने भौगोलिक रूप से अलग-थलग उत्तर-पूर्वी राज्यों को बंगाल की खाड़ी से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है। पांच भारतीय राज्य हैं जो बांग्लादेश के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं, पश्चिम बंगाल, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा और असम। साफ है कि बांग्लादेश में उथल-पुथल और सत्ता परिवर्तन भारत के लिए बड़े खतरे की घंटी है। विशेषज्ञों की माने तो यह भारत के लिए चिंता का विषय इसलिए है कि जिस देश को पाकिस्तान के दो टुकड़े कर भारत ने बनाया, अगर उस देश को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी, आतंकी संगठन और चीन की अन्य ताकतें मिलकर चलाने लगेंगी तो भारत के लिए खतरा ज्यादा बढ़ जाएगा। बांग्लादेश की तीन तरफ की सीमाएं हमारे देश से लगती हैं, वहां से भारत में प्रवेश भी आसान है, ऐसे में भारत में यही ताकतें आकर भारत को भी अस्थिर करने की कोशिश कर सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

बैठक सम्पन्न

छपरा कार्यालय। वैश्य जागरण मंच के अध्यक्ष सुनील कुमार ब्याहुत की अध्यक्षता मे एक बैठक हुई। बैठक का उद्देश्य जय प्रकाश विश्व विधालय मे स्नातक वाणिज्य, कला, विज्ञान मे नामांकन नही होने से अधिक संख्या मे छात्र/छात्रा ऊंच शिक्षा प्राप्त करने से वंचित हो जा रहे है।इस बैठक के माध्यम से जय प्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति, स्थानीय सांसद राजीव प्रताप रुढी, महराजगंज क्षेत्र के सांसद जनार्दन सिंह सिग्रिवाल जी तथा सारण प्रमंडल आयुक्त महोदय से मांग किया जिस प्रकार बिहार सरकार छात्र/ छात्राओ की शिक्षा के क्षेत्र मे आगे बढ रही है।उसको मध्य नजर रखते हुए जय प्रकाश विश्व विधालय से संबंधित कॉलेजो के इर्द-गिर्द चक्कर काट रहे/छात्राओ का नामांकन दाखिल किया जाए। इस बैठक मे शिव कुमार ब्याहुत, डाक्टर राजेश डाबर जी, चंदन कुमार ब्याहुत, जय प्रकाश जी,गणेश जी ,राज कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

प्राचार्य सहित शिक्षकों ने लगाया पौधा

छपरा कार्यालय। बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर महाविद्यालय परिसर में मुख्य द्वार के निकट दो आम का पेड़ लगाया गया। इस अवसर पर प्रिंसिपल प्रोफेसर के. पी .श्रीवास्तव के साथ कॉलेज के सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम का आयोजन कॉलेज एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार, डॉ. पी पंकज और डॉ. सी बी राम द्वारा किया गया था। यह कार्यक्रम ह्यएक पेड़ माँ के नामह्ल कार्यक्रम की अगली कड़ी है। इस प्रकार का वनरोपण कार्यक्रम पर्यावरण एवं समाज की सुरक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं उपयोगी है।यह कार्यक्रम जेपी विश्वविद्यालय और यूजीसी दिशानिर्देशों के अधीन है। चूंकि कॉलेज जेपी विश्वविद्यालय की एक घटक इकाई है, इसलिए यह विश्वविद्यालय के कार्यक्रम का पालन करता है ।कॉलेज का लक्ष्यः हरित परिसर, स्वच्छ परिसर, स्वस्थ पर्यावरण है। इसके पूर्व भी महाविद्यालय के शिक्षकों व कर्मियों ने वृक्षारोपण किया गया था।

धर्मेंद्र कुमार पांडे बने जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव

छपरा कोर्ट पटना उच्च न्यायालय के निर्देश पर छपरा व्यवहार न्यायालय के ए सी जे एम 6 सह सब जज धर्मेंद्र कुमार पांडे को जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के पद पदस्थापना हुई है। तत्कालीन सचिव सह ए सी जे एम जिगर साह का स्थानांतरण मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी छपरा के पद पर हो गया था।

बंद मकान में हुई चोरी

लहलादपुरः जनता बाजार थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में एक बंद मकान का ताला तोड़कर चोरों ने लगभग चार लाख रुपए मूल्य के गहने चोरी कर ले गये. इस संबंध में गृहस्वामी वसीम अख्तर ने स्थानीय थाना में एक आवेदन दिया है, जिसमें कहा गया है कि वसीम अख्तर 25-07-2024 को सपरिवार दिल्ली गये हुए थे. 06-08-2024 को उन्हें फोन के माध्यम से किसी ने चोरी होने की सूचना दी. सूचना पाकर जब वे सपरिवार घर आये तो देखा कि उनके बैग में रखे पंद्रह हजार नगद रुपए तथा आलामारी से सोने-चांदी के गहने चोरों ने गायब कर दिया है. पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

भंगहा बॉर्डर से 22 बोरा यूरिया जब्त

बेतिया ।44 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के सीमा चौकी डी - समवाय के कार्यक्षेत्र वाह्य सीमा चौकी भंगाहा में सीमा स्तम्भ संख्या - 425 के समीप आज दिनांक-09.08.2024 को सुबह 05:10 बजे विशेष नाका कमांडर झ्र मोन कुमार, सहायक उप निरीक्षक ने अपनी टीम के द्वारा अवैध 22 बैग यूरिया एवं 02 साइकिल जब्त किया ।समवाय प्रभारी निर्मल चकमा, सहायक कमान्डेंट द्वारा बताया गया कि पूर्व सूचना के आधार पर यह विशेष नाका लगाया गया था ' जिसमे जब्त किये गए अवैध 22 बैग यूरिया एवं 02 साइकिल को कस्टम डिपार्टमेंट बेत्तिया को सुपुर्द कर दिया गया ।

14 सितंबर को लगेगा राष्ट्रीय लोक अदालत

छपरा कोर्ट ।बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार छपरा के तत्वावधान में आगामी 14 सितम्बर 2024 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। जिसमें सभी तरह के सुलहनीय मामलों का निष्पादन आपसी सुलह समझौते के आधार पर किया जाएगा। उक्त लोक अदालत में अत्याधिक मामलों के निष्पादन हेतु जिला जज सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पुनीत कुमार गर्ग ने सुलहनिय मामलों के निष्पादन हेतु और आपसी सुलह समझौता के आधार पर अत्याधिक मामलों का निष्पादन कराने निर्देष सभी न्यायालय को दिया है। सभी पक्षकारों से भी अनुरोध किया कि सुलहनीय मामलों का निस्तारण उक्त तिथि को अवश्य करावे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के आयोजन को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक

मुख्य समारोह राजेन्द्र स्टेडियम में, अपराह्न में फैंसी फुटबॉल मैच तथा संध्या में सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा अयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों को लेकर आज जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। मुख्य समारोह का आयोजन राजेन्द्र स्टेडियम, छपरा में किया जायेगा जिसमें प्रातः 9 बजे मुख्य अतिथि द्वारा झंडोत्तोलन किया जायेगा। मुख्य समारोह स्थल पर सभी तरह की तैयारियों को लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निदेश दिया गया। मुख्य समारोह में सम्मान कार्यक्रम के तहत कुछ पात्र लोगों के बीच वासभूमि का पर्चा वितरित किया जायेगा।इसके साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन /कार्य करने वाले सरकारी कर्मियों एवं गैर सरकारी लोगों को भी सम्मानित किया जायेगा। मुख्य समारोह के उपरांत महादलित टोलों में आयोजित झंडोत्तोलन समारोह में सभी वरीय पदाधिकारी शिरकत करेंगे। अपराह्न में राजेंद्र स्टेडियम में फैंसी फुटबॉल मैच खेला जायेगा। संध्या में भिखारी ठाकुर प्रेक्षा गृह में सांस्कृतिक कार्यक्रम का अयोजन किया जायेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रम में शास्त्रीय गायन, शास्त्रीय वादन, शास्त्रीय नृत्य, लोकगीत, लोकनृत्य, लघु नाटिका सहित अन्य उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन विभिन्न विद्यालयों के बच्चों द्वारा किया जायेगा सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रस्तुति हेतु कलाकारों के चयन को लेकर 10 एवं 11अगस्त को प्रेक्षा गृह में स्क्रीनिंग (ऑडिशन) लिया जायेगा। अपर समाहर्त्ता की अध्यक्षता में गठित चयन समिति द्वारा कलाकारों का चयन किया जायेगा। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता, अपर समाहर्त्ता लोकशिकायत सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा अयोजन समिति के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर स्काउट गाइड ने विद्यालय प्रांगण में किया वृक्षारोपण

इस्लामिया उच्च विद्यालय ओल्हनपुर में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। जिले के मढ़ौरा प्रखंड स्थित इस्लामिया उच्च विद्यालय ओल्हनपुर में स्काउट मास्टर अरुण पराशर के नेतृत्व में विद्यालय के स्काउट और गाइड ने बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण किया। विद्यालय प्रांगण में लगभग एक दर्जन पौधा लगाया गया ।विद्यालय के प्राचार्य राजेश्वर राय ने बताया कि उपनिदेशक प्राथमिक शिक्षा के पत्र के आलोक में विद्यालय प्रांगण में स्काउट गाइड के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया। उन्होंने बताया की प्रत्येक स्काउट गाइड ने एक एक पौधा को गोद लिया एवम प्रत्येक दिन पानी समेत सभी उसकी देख रेख करने का शपथ लिया।

विद्यालय के स्काउट मास्टर अरुण परासर ने बताया की स्काउट और गाइड के नियम में है स्काउट गाइड प्रकृति प्रेमी होता है इसी उद्देश्य को लेकर स्काउट गाइड ना केवल विद्यालय प्रांगण में बल्कि एक मुहिम चलाकर पूरे ओल्हनपुर में वृक्षारोपण करने का कार्यक्रम पूरी सप्ताह चलाई जाएगी ।और प्रत्येक स्काउट और गाइड एक एक पौधा को गोद लेकर के उसे शैशवावस्था से युवावस्था तक देखने का कार्य करेंगे ।मौके पे विद्यालय के शिक्षक वीरेंद्र कुमार पाल,रोहित कुमार झा,तरुण कुमार,मंसूर आलम,डॉक्टर इकबाल ,मजहर अली, शमशाद आलम,नेहा ,अनु,नीतू, सोनू सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित हुए।

19-23 अगस्त की अवधि में होगा जिलास्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। वार्षिक खेल कार्यक्रम के तहत जिला स्तरीय अंतर विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 19-23 अगस्त की अवधि में किया जायेगा। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आज जिलाधिकारी अमन समीर की अध्यक्षता में बैठक आहुत की गई। सबसे पहले इस प्रतियोगिता के आयोजन हेतु तिथि का निर्धारण किया गया। निर्णय लिया गया कि प्रतियोगिता का आयोजन 19-23 अगस्त की अवधि में कराया जायेगा। विगत वर्ष 15 प्रकार के खेलों में प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। इस वर्ष 7 अन्य खेलों को शामिल करते हुये कुल 22 प्रकार के खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। अलग अलग खेलों के लिये अलग अलग संयोजक बानाये गये हैं ।सहयोग हेतु विभिन्न खेलों से जुड़े तकनीकी ऑफिसियल को भी लगाया जायेगा। विभिन्न खेलों की प्रतियोगिता अलग अलग उपयुक्त जगहों पर आयोजित की जायेगी, जिसका निर्धारण कर लिया गया है। बैठक में पुलिस अधीक्षक, अपर समाहर्त्ता, जिला खेल पदाधिकारी सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी तथा विभिन्न खेल संघों के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

बालू के अवैध परिवहन के विरूद्ध जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा की गई औचक छापामारी

● 7 वाहन जप्त, 4 प्राथमिकी दर्ज, 2 लोग गिरफ्तार, 11 लाख रुपए का अर्थदंड अधिरोपित

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा कार्यालय। सारण जिला में बालू के अवैध व्यापार एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को संध्या में जिलाधिकारी अमन समीर एवं पुलिस अधीक्षक कुमार आशीष के नेतृत्व में जिला के विभिन्न थाना क्षेत्रों में औचक छापामारी अभियान चलाया गया। इस क्रम में अवैध बालू के परिवहन को लेकर 5 ट्रक एवं 2 ट्रैक्टर जप्त किये गये। 4 प्राथमिकियां भी अलग अलग थानों में दर्ज की गईं। अवतार नगर थाना में में 2, डोरीगंज थाना में एक तथा जनता बाजार थाना में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन वाहनों के विरुद्ध लगभग 11 लाख रुपये का अर्थदंड भी अधिरोपित किया गया है। इस अभियान के क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी सोनपुर, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सोनपुर सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

कृषि विज्ञान केंद्र माधोपुर में मत्स्य पालन एवं सब्जियों की संरक्षित खेती विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमाण पत्र वितरण के साथ हुआ समापन

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम))।कृषि विज्ञान केंद्र, माधोपुर के परिसर में ग्रामीण युवक युवतियां के लिए सोमवार से चल रही पांच दिवसीय वैज्ञानिक विधि से मत्स्य पालन एवं सब्जियों की संरक्षित खेती विषय पर प्रशिक्षण को कार्यक्रम शुक्रवार को प्रमाण पत्र वितरण के साथ समापन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान एवं डॉक्टर अभिषेक प्रताप सिंह के नेतृत्व में किया गया गया है। केंद्र के वरीय वैज्ञानिक एवं प्रधान ने बतया इस कार्यक्रम का मूल्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर स्वरोजगार को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्णता निशुल्क होता है, इसमें आए हुए प्रशिक्षणार्थियों को सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। वैज्ञानिक विधि से मत्स्य पालन एवं प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर जगपाल विषय वस्तु विशेषज्ञ ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला के विभिन्न प्रखंडों से प्रशिक्षकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण के दौरान आए प्रशिक्षणार्थियों को मत्स्य तालाब प्रबंधन, मत्स्य बीज संचयन, मत्स्य रोग प्रबंधन आहार प्रबंधन के बारे में सिद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारीदिया गया कार्यक्रम के दौरान मत्स्य विकास अधिकारी श्री नीरज कुमार जिला मत्स्य कार्यालय बेतिया ने राज्य सरकार एवं केंद्र सरकार के द्वारा चलाई गई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में किसानों को अवगत कराया तथा योजनाओं का लाभ लेने के लिए जरूरी कागजात के बारे में जानकारी साझा की. उधर संरक्षित खेती अंतर्गत बागवानी फसलों का नर्सरी प्रबंधन एवं उत्पादन विषय के संयोजक डॉक्टर धीरू तिवारी ने सब्जियों की संरक्षित खेती पॉलीहाउस नेट हाउस के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी साथ ही कम लागत में तैयार किए हुए नेट हाउस एवं उसके प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक एवं सिद्धांत की जानकारी साझा की इस कार्यक्रम के दौरान के दौरान केंद्र के वैज्ञानिक डॉ चैलपुरी रामलू डॉ सौरभ दुबे एवं केंद्र के सभी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

जिलाधिकारी ने स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु की जा रही तैयारियों की समीक्षा

प्रात : किरण, संवाददाता

बेतिया(कुमार अभिजितम) ।15 अगस्त 2024 स्वतंत्रता दिवस समारोह को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उदेश्य से की जा रही तैयारी की समीक्षा शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय द्वारा की गयी। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से कहा कि समन्वय स्थापित कर स्वतंत्रता दिवस समारोह की सभी तैयारियां ससमय पूर्ण करा ली जाय। जिलाधिकारी ने नजारत उप समाहर्ता को निर्देश दिया कि बारिश के मद्देनजर मुख्य समारोह स्थल पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायी जाय। इसके साथ ही आमंत्रण पत्रों की आकर्षक छपाई तथा वितरण कराना सभी सुनिश्चित करायी जाय। नगर आयुक्त, नगर निगम बेतिया को निर्देश दिया कि बारिश को लेकर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। साफ-सफाई, पेयजल की समुचित व्यवस्था सहित बारिश की स्थिति में त्वरित गति से जल निकासी की व्यवस्था करेंगे। इसके साथ ही शहर के चौक-चौराहों पर स्थापित महापुरूषों की प्रतिमा एवं उसके आसपास की समुचित साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे। उन्होंने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि झंडोत्तोलन स्थल महाराजा स्टेडियम में एंबुलेंस के साथ आवश्यकतानुसार डॉक्टरों एवं स्वास्थ्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी राष्ट्रीय गान की व्यवस्था एवं पूर्वाभ्यास करायेंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परेड का पूर्वाभ्यास, भाषण आदि की ससमय तैयारी कर लेने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक, बेतिया अमरकेश डी ने निर्देश दिया कि एनसीसी, स्काउट एंड गाइड के बच्चों को परेड हेतु बेहतर तरीके से प्रैक्टिस कराएं। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि 09.00 बजे पूर्वाह्न में महाराजा स्टेडियम, बेतिया में झंडोत्तोलन सम्पन्न होगा। इसी तरह 09.40 बजे पूर्वाह्न में समाहरणालय प्रांगण में, 09.50 बजे पूर्वाह्न में जिला ग्रामीण विकास अभिकरण में, 10.00 बजे पूर्वाह्न पुलिस अधीक्षक, बेतिया के कार्यालय प्रांगण में, 10.10 बजे पूर्वाह्न में अनुमंडल कार्यालय, बेतिया सदर के प्रांगण में, 10.20 बजे पूर्वाह्न में गृह रक्षा वाहिनी के कार्यालय में, 10.30 बजे पूर्वाह्न में पुलिस केन्द्र बेतिया में एवं 11.15 बजे पूर्वाह्न में महादलित टोलों में झंडोत्तोलन सम्पन्न होगा। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, बेतिया अमरकेश डी अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अधिकारी उपस्थित थे।

प्रगाश इकोलॉजिकल ग्रीनवे फाउंडेशन के पर्यावरण सदस्यों ने संरक्षण संगोष्ठी कर वृक्षारोपण किया

प्रात : किरण, संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित (बायट)प्रखंड शिक्षा एवं शिक्षण संस्थान के सभागार में प्रगाश ग्रीनवे फाउंडेशन के सदस्यों एवम स्थानीय समाजसेवियों की वैश्विक पर्यावरण के बढ़ते प्रदूषण पर चिंतन गोष्टी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रगाश इकोलॉजिकल ग्रीनवे फाउंडेशन ने 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी द्वारा दिए नारे अंग्रेजो भारत छोड़ो एवं करो या मरो को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में डाइवर्ट कर पर्यावरण संरक्षण को गति देने की कोशिश की गई ।इस संगोष्ठी में सैकड़ों प्रशिक्षु शिक्षक एवं विद्यार्थी शामिल हुए। संगोष्ठी की शुरूआत राष्ट्रगान से की गई। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन प्रकृति प्रेमी मनोज कुमार,अजय झा, मनीष सरकार, अनुराग, शेखर सुमन संस्थान के प्राचार्य रौशन कुमार गुप्ता,दिलीप कुमार , हरेराम दीक्षित ने संयुक्त रूप से किया। संगोष्ठी में प्राचार्य समेत प्रशिक्षु शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में करो या मरो के नारे को आत्मसात करने की बातें की। संगोष्ठी के दौरान प्रकृति प्रेमी मनोज कुमार ने अपने वक्तव्य के दौरान उपभोक्तावाद को न कहेंगे, सांस्कृतिक प्रदूषण से बचेंगे, ग्राम स्वराज की संकल्पना को अपनाकर स्थानीय समाज को सबल बनाएंगे, पृथ्वी को माता कहते हैं तो पुत्र का कर्तव्य निर्वहन करेंगे, अधिकाधिक पौधे लगाकर उसका संरक्षण करेंगे, जनसंख्या विस्फोट पर अंकुश लगाएंगे जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा किया। सभी वक्ताओं ने अपने दैनिक जीवन में सिंगल यूज प्लास्टिक को कम इस्तेमाल में लाने, लगाए गए पौधों को संरक्षित करने की दिशा में अपने स्तर से पहल करने एवं प्राकृतिक संसाधनों को सुरक्षित रखने हेतु अपने अपने योगदान देने पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रीय गीत गाकर किया गया जिसके बाद बायट परिसर में संस्थान के प्राचार्य एवं प्रशिक्षु शिक्षकों के साथ मौलेश्वरी, चम्पा एवं अशोक के पौधे लगाए गए।

कुलपति आवास गृह तथा अतिथि गृह प्रांगण में किया गया पौधरोपण

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा सदर। शुक्रवार को बिहार पृथ्वीदिवस के अवसर पर जे पी यू के कुलपति प्रो परमेन्द्र कुमार बाजपेई और वन प्रमंडलीय पदाधिकारी राम सुंदर एम की गरिमामयी उपस्थिति में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं वन विभाग बिहार सरकार छपरा के संयुक्त तत्वावधान में जयप्रकाश विश्विद्यालय के अतिथि गृह परिसर एवं कुलपति आवास परिसर में वृहद पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर कुलपति एवं वन प्रमंडलीय पदाधिकारी ने पौधारोपण करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष एवं सभी विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकों तथा छात्रों ने भी अपनी मां के नाम पर एक एक पौधा लगाया। प्रोफेसर हरिश्चंद्र ने सबका स्वागत किया। कुलपति ने बिहार पृथ्वीदिवस के अवसर पर पर्यावरण,वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से आये ग्यारह सूत्रीय संकल्प की शपथ दिलवाया। उक्त अवसर पर प्रोफेसर अनिल कुमार सिंह ,प्रोफेसर कृष्ण कुमार , प्रोफेसर अशोक कुमार, प्रोफेसर राम नरेश राय , प्रोफेसर सिद्धार्थ ,प्रोफेसर अजय कुमार, प्रोफेसर महेंद्र सिंह ,प्रोफेसर रबीन्द्र कुमार सिंह ,प्रोफेसर बीरेन्द्र कुमार,प्रोफेसर कमल कुमार ,प्रोफेसर राना विक्रम ,प्रोफेसर ऊषा सिंह, प्रोफेसर प्रशान्त कुमार,प्रोफेसर दिवांशु कुमार, प्रोफेसर आशा रानी , प्रोफेसर सुधीर कुमार सिंह , प्रोफेसर अमर नाथ ,प्रोफेसर आर डी राय ,डॉक्टर स्निग्धा ,डॉक्टर आशुतोष द्विवेदी ,प्रोफेसर मजहर किब्रिया ,प्रोफेसर एएम हाशमी एवं एन एस एस के स्वयंसेवक तथा स्वयंसेविकाओं एवं छात्र तथा छात्राओं ने अपनी मां के नाम एक पौधा लगाया एवं सेल्फी लिया।

बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर बच्चो के बीच संकल्प का आयोजन

प्रात : किरण, संवाददाता

डोरीगंज। जिले के सरकारी विद्यालयो मे बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर नौ संकल्प बच्चो को दिलाया गया। प्रतिवर्ष एक पौधा लगा कर बड़ा वृक्ष तैयार करना,जल का दुरुपयोग नही करना,आवश्यकतानुसार ही बिजली का उपयोग करना,जल श्रोत नदी तलाब,पोखर आदि को दूषित होने से बचाना,वर्षा के जल को संचय करना,अपने घर विद्यालय एवं आसपास के जगह को स्वच्छ रखना,प्लास्टिक एवं पोलीथीन के बदले कपड़े और कागज के थैले का उपयोग करना,जीव जंतूओ व पशु पक्षी के प्रति प्रेम का भाव रखना,खुले मे शौच की जगह शौचालय का उपयोग करने के साथ नजदीक के कार्यो को पैदल या साइकिल से करने पर बल दिया गया। बच्चो को यह संकल्प शुक्रवार को बिहार पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य मे विद्यालय परिसर मे चेतना सत्र के दौरान दिलाई गई। संकल्प के माध्यम से बच्चो को अपने परिवार एवं आसपास के लोगो को भी जागरूक करने की बात शिक्षको ने कही। नवो संकल्प देश दुनिया को सुरक्षित, स्वच्छ एवं पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाव के साथ जल,उर्जा एवं वन को संरक्षित भी करेगा। मध्य विद्यालय धनौरा,मौजमपुर, संठा,कसीना, कोठियां-नरांव, चैनपुरवा, गोपालपुर, पचपटिया सहित दर्जनो विद्यालय मे बिहार पृथ्वी दिवस मनाया गया।

महिंद्रा ट्रक और बसों की 5 नई अत्याधुनिक डीलरशिप का उद्घाटन

प्रात : किरण, संवाददाता

छपरा। वित्त वर्ष 24 में बिजनेस वॉल्यूम में 46 प्रतिशत की मजबूत 4 साल की सीएजीआर वृद्धि के बाद महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन (एमटीबीडी) ने जुलाई के महीने में भारत के चार राज्यों में अपनी 5 नई अत्याधुनिक डीलरशिप का उद्घाटन किया। इनमें 37 सर्विस बे शामिल हैं, जो प्रतिदिन 75 से अधिक वाहनों की सर्विस कर सकते हैं, साथ ही ड्राइवर लॉजिंग, 24 घंटे ब्रेकडाउन सहायता और एडब्लू उपलब्धता भी प्रदान करते हैं। इस अवसर पर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के बिजनेस हेड- कमर्शियल व्हीकल्स जलज गुप्ता ने कहा, भारत के कमर्शियल व्हीकल्स के बाजार में एमटीबीडी की मजबूत उपस्थिति है, जिसने पहले ही कई क्षेत्रों और बाजारों में नंबर 3 स्थान हासिल कर लिया है। श्री गुप्ता ने महिंद्रा के वाहनों की बेहतर तकनीकी क्षमता के बारे में जोर देते हुए ट्रकों के लिए नई माइलेज गारंटी ज्यादा माइलेज नहीं तो ट्रक वापस को भी लॉन्च किया, जो ट्रांसपोर्टरों के लिए लाभ के अवसरों को बढ़ाती है। उन्होंने आगे कहा कि मजबूत डीलर भागीदारों के साथ मिलकर ये अत्याधुनिक 3एस सुविधाएं उच्च ग्राहक सेवा मानक स्थापित करेंगी और महिंद्रा के ट्रक और बस डिवीजन कारोबार का विस्तार करेंगी।

कोपा में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य चालू

प्रात : किरण, संवाददाता

कोपा ।कोपा नगर पंचायत में शुक्रवार को स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य चालू हुआ। कोपा में सबसे पहले मुख्यमंत्री उधमी योजना के अंतर्गत सुनील फर्नीचर में स्मार्ट मीटर लगाया गया ।उसके बाद दर्जनों से अधिक दुकानों तथा घरों में स्मार्ट मीटर लगाया गया ।मौके पर उपस्थित बिजली विभाग के एसडीओ अमरजीत कुमार जेई चंदन कुमार लाईन मैन कामेश्वर तिवारी सुपरवाइजर पंकज तिवारी,हिमांषु सिंह,अडानी ग्रुप में कर्मी मौजूद रहे ।एसडीओ अमरजीत कुमार ने बताया कि स्मार्ट मीटर से बिजली बिल गरबरी से निजाज उपभोक्ताओं को मिलेगा। स्मार्ट मीटर लगाते समय उपभोक्ता अपना नया मोबाइल नुम्बर भी रजिस्ट्रेशन करा सकते मोबाइल नम्बर रजिस्ट्रेशन के लिए कोई कार्यालय का चक्कर नही लगाना पड़ेगा ।स्मार्ट मीटर लगने से उपभोक्ताओं को घर बैठे सभी तरह के जानकारी घर बैठे बिहार स्मार्ट कनेक्ट एप लोड कर जानकारी ले सकते है। उपभोक्ता आवश्यकता अनुसार ही बिजली उपयोग करेंगे।

दिघवारा में लगातार बढ़ रहा गंगा का जलस्तर,बाढ़ के खतरे को लेकर सहमे लोग

प्रात : किरण, संवाददाता

दिघवारा नगर ।लगातार हो रहे भारी बारिश के कारण सभी नदियां उफान पर है ।दिघवारा में गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि देखी जा रही है ।प्रखंड क्षेत्र के आमी दलित बस्ती के पास पानी आ चुका है वही मलखाचक,पिपरा, मिल्की, रामदासचक, श्रीनगर, टरवां, कुरैया आदि गांव के किनारे बसे निचले इलाकों में पानी जाने का खतरा अभी से मंडराने लगा है ।वही गंगा पार दियारा स्थित अकीलपुर पंचायत के निचले क्षेत्रों में पानी फैलने लगा है,निचले इलाके के कई खेतो में लगे सब्जी की फसल में भी पानी फैलने लगा है ।अकिलपुर पंचायत के लोगो को प्रखंड मुख्यालय आने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है ।गंगा के बढ़ते जलस्तर के बीच दियारा से इस पार आने में नाव डूबने का खतरा भी लगातार बना रहता हैं ।हलाकी गंगा का जलस्तर अभी खतरे के निशान से नीचे हैं लेकिन जलस्तर बढ़ने का जो सिलसिला है उसे देख ग्रामीण बाढ़ के खतरे को लेकर सहमे हुए है ।वही नगर पंचायत के निचले इलाकों में भी पानी फैलने लगा है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com

संक्षिप्त खबरें

बड़हरा विधायक ने किया झानपुर में बाढ़ का मुआयना

आरा। जिले के कोइलवर प्रखंड के कायमनगर पंचायत के झानपुर में कुम्हरी नदी का पानी भर जाने से उत्पन्न हुई बाढ़ की समस्या का बड़हरा से बीजेपी के विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने मुआयना किया। इस दौरान कोईलवर के बीडीओ वीरबहादुर पाठक और सीओ प्रियंका कुमारी मौजूद रही। बाढ़ से उत्पन्न हुई समस्या और बाढ़ पीड़ितों का हाल जानने झानपुर पहुंचे विधायक ने वहां स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी और उपस्थित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बीडीओ वीरबहादुर पाठक ने बताया कि प्रखंड के झानपुर में हुए बाढ़ जैसे हालात के बाद गांव से मुख्य सड़क का सम्पर्क कट गया है। लोग पानी में घुसकर सड़क पर आ जा रहे हैं। इसको देखते हुए प्रशासन की ओर से नाव की व्यवस्था की गई है। मवेशियों के लिए सुरक्षित जगह और चारे की व्यवस्था और बाढ़ पीड़ितों के लिए जिलास्तर से जो भी दिशानिर्देश है उसका पालन किया जाएगा।

दो वारंटी को जेल

चेनारी (रोहतास) स्थानीय थाना पुलिस ने गुरुवार की रात छापेमारी कर खुरमाबाद गांव से दो वारंटी गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस संबंध में चेनारी थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार वारंटी में राम पुकार सिंह, पिता स्व. राम गहन सिंह, दूसरा राज कुमार सिंह, पिता रामपुकार सिंह दोनों खुरामाबाद के निवासी है। जो पूर्व के केस कांड में फरार चल रहें थे। जिसे गुप्त सूचना पर गुरुवार की रात गिरफ्तार कर ने बताया न्यायालय अभिरक्षा में अग्रिम कार्रवाई के लिए भेज दिया गया।

वार्ड पार्षद के नेतृत्व में करूप से बैजनाथ धाम के लिए कांवरियों का जत्था रवाना

काराकाट(रोहतास)। शुक्रवार को नाग पंचमी के पावन अवसर पर काराकाट नगर पंचायत वार्ड संख्या 02 के वार्ड पार्षद संतोष कुमार तिवारी उर्फ पिंटू तिवारी के नेतृत्व में करूप से बैजनाथ धाम के लिए कांवरियों का जत्था हुआ रवाना । इसकी जानकारी देते हुए काराकाट नगर पंचायत वार्ड संख्या 02 के वार्ड पार्षद श्री तिवारी ने बताया कि मेरे नेतृत्व में करूप गांव से बैजनाथ धाम के लिए करीब 45 कांवरियों का जत्था बाबा से दर्शन करने के लिए प्रस्थान करेंगे । उन्होंने बताया कि सभी कांवरिया सर्वप्रथम सुल्तानगंज पहुंच स्नान करने के उपरांत वहां से जल उठाकर बाबा धाम के लिए प्रस्थान करेंगे । तत्पश्चात बाबा से दर्शन के उपरांत सभी कांवरिया वासुकीनाथ , रजरप्पा, राजगीर ,कपोलत झरना घूमते हुए 16 अगस्त को दर्शन करने के उपरांत पुनः अपने निवास स्थल करूप के लिए लौटेंगे । उन्होंने बताया कि सभी कांवरियों को जलपान ,भोजन व रात्रि विश्राम करने के लिए उचित व्यवस्था की गई है ।

हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने में विफल रोहतास पुलिस

डेहरी (रोहतास) । रसूखदारो के विरुद्ध न्यायालय आदेश का अनुपालन कराने में रोहतास पुलिस बौनी साबित हो रही है ।हाई कोर्ट के आदेश का अनुपालन कराने में रोहतास जिले की डेहरी पुलिस विफल है ।ऐसी घटना डेहरी थाना क्षेत्र के तार बंगला में देखने को मिला है ।जहां एक रसूखदार स्थानीय पुलिस के सहयोग से रास्ते की जमीन का चारदीवारी करा रहा है ।जिसको लेकर पूर्व में भी विवाद हुआ है। दोनों पक्षों के बीच मारपीट में पुलिस द्वारा एक पक्षीय कार्रवाई कर स्थानीय लोगों को जेल भेजने का भी काम किया गया है। स्थानीय प्रशासन द्वारा निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होने पर आशा देवी हाईकोर्ट की सरण में पहुंचीं। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने उक्त निर्माण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश दिया है। परंतु न्यायालय आदेश का अवहेलना करते हुए डेहरी पुलिस सुरक्षा प्रदान कर रास्ते का घेराबंदी करा रही है।

क्रांति दिवस पर लोग सड़क पर उतरते हुए कलेक्ट्रेट के समक्ष किया प्रदर्शन

सासाराम(रोहतास) : खबर रोहतास जिले से है जहाँ विभिन्न मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले आज सासाराम में क्रांति दिवस पर लोग सड़क पर उतरते हुए कलेक्ट्रेट के समक्ष प्रदर्शन किया। काराकाट माले विधायक अरुण सिंह तथा भाकपा माले रोहतास जिला महासचिव अशोक बैठा ने नेतृत्व किया। महासचिव अशोक बैठा ने बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले क्रांति दिवस पर सासाराम में किसानों ने विभिन्न मांगों को लेकर यह प्रदर्शन किया। कुशवाहा सभा भवन से कलेक्ट्रेट सासाराम पहुंचे प्रदर्शनकारी ने इंकलाब जिंदाबाद साम्राज्यवाद का नाश हो बहुराष्ट्रीय कंपनी भारत छोड़ो विश्व व्यापार संगठन से भारत सरकार बाहर आओ का नारा के साथ मांग पत्र भी सौंपा। काराकाट माले विधायक अरुण सिंह ने बताया कि स्वामीनाथ की रिपोर्ट के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य लागू करने इंद्रपुरी जलाशय परियोजना पूर्ण करने बढ़ते बिजली बिल की दर कम करने कॉर्पोरेट भारत छोड़ो आदि मांगों के साथ प्रदर्शन किया गया।

प्रवासी मजदूरों को घर में रोजगार दे रहे हैं शशि शेखर

22 लाख सालाना की नौकरी छोड़कर जूते बना रहा इंजीनियर

प्रातः किरण/ आलोक भारती

आरा। बिहार में फैक्ट्री व रोजगार के अभाव में बिहारी दूसरे राज्यों में पलायन कर वहां मजदूरी करने को विवश हैं। बिहार से मजदूरों के बढ़ते पलायन को देखते हुए बिहार के बक्सर जिले के शिवपुर प्रखंड के केसठ निवासी शशि शेखर ने भोजपुर जिले के सकड्डी में फुटवियर की अपनी मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगा दर्जनों लोगों को रोजगार मुहैया करा रहे हैं।

युवा इंजीनियर शशि शेखर जिन्होंने टाटा एडवांस्ड सिस्टम लिमिटेड के हैदराबाद और बेंगलुरू कैंपस में 6 साल तक 22 लाख सालाना की नौकरी की और फिर इन सबको छोड़ अपना फुटवियर स्टार्टअप की शुरूआत कर रोजगार पैदा कर एक मिसाल पेश कर रहे हैं ।शशि बताते हैं कि शुरूआत में कुछ दिक्कतें आई थी लेकिन अब सबकुछ धीरे धीरे पटरी पर आ रहा है फिलहाल राज्य के हाजीपुर पटना जहानाबाद समेत कई हिस्सों से ऑर्डर आ रहे हैं। कुछ कम्पनियों के ऑर्डर भी आये हैं जिनमे अधिकतर ऑनलाइन शॉपिंग वाली कम्पनियां हैं। अभी फिलहाल प्रति महीने 3 से 5 लाख रुपये के ऑर्डर आ रहे हैं जिन्हें पूरा कर उन्हें भेजा जा रहा है।

150 से 1200 रुपये तक कि रेंज: शशि ने बताया कि मार्केटिंग कम्पनियां जैसा ऑर्डर देती है उस हिसाब से माल तैयार कर दिया जाता है ।फिलहाल मुख्य रूप से लेदर और रेक्सीन के फुटवेयर तैयार किये जा रहे हैं जिनकी कीमत 150 रुपये से 1200 रुपये तक हैं। इनमे आधुनिक और पारंपरिक स्टाइल के लेडीज एवं जेंट्स चप्पल,सैंडल और जूते हैं।

फुटवियर सेक्टर में हैं अवसर,सरकारी सहयोग जरूरी: इसी वर्ष के जनवरी माह से उत्पादन शुरू करने वाले शशि बताते है कि फुटवियर सेक्टर में बिहार में बहुत सम्भावनाएं हैं। यहां सस्ते दर पर कच्चा माल एवं कारीगर उपलब्ध हैं लेकिन नए उद्यमी इस सेक्टर में आने से कतराते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अगर सरकार नए उद्यमियों और स्टार्टअप्स को सहयोग करे तो युवा पीढ़ी उद्योग धंधे की ओर दिलचस्पी ले सकते हैं। शशि ने जो स्टार्टअप शुरू किया है उसका नाम हेपाडिजाइन है। सकड्डी-नासरीगंज पथ से सटे कुल्हड़िया स्टेशन के नजदीक इस फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से अभी महीने में 3 से 5 लाख रुपये के फुटवेयर तैयार हो रहे हैं। यहां बने फुटवियर ऑनलाइन सेलिंग कंपनियों को खूब भा रहे हैं।

वे बताते हैं कि हम क्वालिटी से कोई समझौता नही करते यहां फुटवेयर बनाने के लिए फिलहाल 25 कुशल कारीगर हैं जो पहले कई नामी गिरामी कम्पनियों में काम करते थे। उन्हें स्थानीय लेवल पर काम भी मिल गया है और मुझे सस्ते दरों पर कारीगर भी। मैन्युफैक्चरिंग की प्रक्रिया के दौरान हर लेवल पर मजबूती और क्वालिटी का ध्यान रखा जाता है इसके लिए कई उच्चस्तरीय मशीने लगाई गई हैं। हमारे यहां लगी मशीने शाहबाद में पहली मशीने हैं जो फुटवियर तैयार करती हैं। उत्पादों की बेहतर क्वालिटी के लिए प्लांट में विभिन्न प्रकार की तकरीबन 40 लाख रुपये की मशीने लगी हैं। एक फुटवेयर बनाने में उसे कई प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। इस इकाई से प्रति महीने विभिन्न प्रकार के दस हजार फुटवेयर तैयार होते हैं।

युवा कांग्रेस के 64वां स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया वृक्षारोपण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के निर्देशानुसार आज स्थानीय पार्टी कार्यालय शहीद भवन, आरा में युवा कांग्रेस के 64वां स्थापना दिवस के अवसर पर सर्वप्रथम झंडोत्तोलन किया गया साथ ही स्थापना दिवस के अवसर पर पाँच वृक्ष लगाकर देश को प्रदूषण मुक्त करने का स्कल्प लिया गया। स्थापना दिवस पर आगन्तुक पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए भोजपुर जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह उर्फ मुकुल ने यूथ कांग्रेस की सार्थकता पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि देश के नवनिर्माण के लिए स्वर्गीय संजय गांधी जी ने युवा कांग्रेस की स्थापना कर भय और भष्टाचार मुक्त भारत की परिकल्पना की थी। राजनीति में युवाओं पर विश्वास और उनकी भागीदारी हो इसके लिए उनके संघर्ष के प्रति स्वर्गीय संजय गांधी को नमन किया गया। स्थापना दिवस कार्यक्रम में भोजपुर जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह मुकुल, भोजपुर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक राम, सत्यप्रकाश राय, डॉ अमित द्विवेदी, राकेश त्रिपाठी, श्रीधर तिवारी, डॉ आशुतोष ठाकुर, आरा सदर विधान सभा अध्यक्ष साकेत तिवारी, कन्हैया कुमार, धनंजय सिंह, सुमित सिंह, राजा, अंकित, संजीव, मनीष, अमित, अतिपिछड़ा के जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्रवंशी, प्रभा सिंह यादव, शिव शंकर चौबे, विजेंद्र राय, शिव कुमार प्रसाद, धनंजय कुमार सिंह, महेश कुमार सिंह, घनश्याम चौधरी, सुरेंद्र कुमार शर्मा सहित दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अमर शहीद वीर बलिदानियों की याद में श्रद्धांजलि सह पुष्पांजलि सभा का किया गया आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

आराःस्थानीय पार्टी कर्यालय शहीद भवन,आरा में अगस्त क्रांति दिवस के अवसर पर अमर शहीद वीर बलिदानियों की याद में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष अशोक राम के नेतृत्व में श्रद्धांजलि सह पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रधांजलि सह पुष्पांजलि सभा मे सर्वप्रथम देश के सभी शहीदों के प्रति बारी-बारी से सभी नेताओं ने अपनी श्रधांजलि अर्पित कर उनके बताए गए रास्तों पर चलने का संकल्प लिया। श्रधांजलि सह पुष्पांजलि सभा को सम्बन्धित करते हुए भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम ने बताया कि देश के सबसे बड़ें अहिंसक आंदोलन "अगस्त क्रांति" जिसे भारत छोड़ो आंदोलन के नाम से भी जाना जाता है के वीर शहीदों की देन है कि आज हम सभी आजाद भारत मे जी रहे हैं उन्होंने देश के युवाओं के बीच लगातार कार्यक्रम के माध्यम से आजादी के महत्व पर विधिवत संवाद की जरूरत पर बल दिया। बाद में सभी वक्ताओं ने बारी-बारी से अगस्त क्रांति की महत्वपूर्णता पर प्रकाश डाला। श्रधांजलि सह पुष्पांजलि कार्यक्रम में भोजपुर जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष अशोक राम, शिवजी उपाध्याय, सत्यप्रकाश राय, प्रेम प्रकाश पांडेय उर्फ झुना जी, डॉ अमित कुमार द्विवेदी, राकेश त्रिपाठी, श्रीधर तिवारी, युवा कांग्रेस अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह उर्फ मुकुल, डॉ आशुतोष ठाकुर, सेवा दल के जिलाध्यक्ष रामानुज दुबे, अतिपिछड़ा के जिलाध्यक्ष मुकेश चंद्रवंशी, प्रभा सिंह यादव, शिव शंकर चौबे, विजेंद्र राय, मनोज कुमार अंजनी, चितरंजन सिंह उर्फ मुन्ना, देव कुमार सिंह, राजेश कुमार, अंजनी कुमार पांडेय, सम्पत कुमार सिंह, शिव कुमार प्रसाद, धनंजय कुमार सिंह, लालमोहन सिंह सत्रुहन, महेश कुमार सिंह, घनश्याम चौधरी, सुरेंद्र कुमार शर्मा सहित दर्जनों नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अगस्त क्रांति दिवस अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा पर किया गया माल्यार्पण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। स्थानीय सदर अस्पताल परिसर में गांव गरीब चेतना मंच के संयोजक डॉ राजेंद्र प्रसाद सिंह चंद्रवंशी की अधक्षता में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा स्थल पर " भारत छोड़ो आंदोलन की स्मृति में " अगस्त क्रांति दिवस पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कार्यक्रम सह स्वतंत्रता सेनानी ,शहीदों , एवं महान विभूतियों को शत शत नमन करने का आयोजन की गई। सर्वप्रथम राष्ट्रपिता महात्मा गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर महान क्रान्तिकारी चंद्रशेखर आजाद,भगत सिंह, राजगुरु , सुखदेव जैसे क्रांतिकारियों के बारे में विस्तार से चर्चा करते हुए मुख्य अतिथि श्री भगवान सिंह कुशवाहा ने बताया कि 1942 की भारत छोड़ो आंदोलन की चिंगारी पुरे भारत देश में फैली जो व्यापक जन सैलाब अंग्रेजी हुकूमत को हिला दिया और अंत में अंग्रेजो को भारत देश से भागना पड़ा ,जिसका परिणाम हमारा देश भारत 15 अगस्त 1947 को आजादी मिली तब से राष्ट्रीय त्यौहार के रूप में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस धूम धाम से मनाया जाता है जिसका श्रेय सत्य और अहिंसा के पुजारी ,विश्व विख्यात राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को जाता है। भोजपुर जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि क्रांति दिवस ऐतिहासिक है।

सावन में लोग कजरी गायन से भारतीय परंपरा के साथ पावस पर्व के रूप में मनाया गया

प्रातः किरण संवाददाता

आरा;सावन की बहती बयार में चमकत बिजुरीया कारी बदरिया व रिमझिम बारिश के बूंदो के साथ कजरी गायन से प्रकृति सुगन्धित हो उठता है। भारतीय परंपरा में इसे पावस पर्व के रूप में मनाया जाता है। धरती चतुर्दीक हरियाली से ध्वनित हो उठता है ऐसे सावन का संगीत तन मन को झंकृत कर देता है। उक्त बाते कही गुरु बक्शी विकास ने कहा। अवसर था शिवादी कळसिक सेंटर ऑफ आर्ट एन्ड म्यूजिक द्वारा आयोजित पावस पर्व व रागाभोग का। इस कार्यक्रम में आनंद कंद कौशल चंद ठाकुर जी के सावन का श्रृंगार हुआ तत्पश्चात श्रावनी संगीत की प्रस्तुतियों ने समां बाँधा। पटना से पधारे तबला के विद्वान कलाकार श्री शिवनन्दन प्रसाद श्रीवास्तव ने पवना लय में घंटो क्लिष्ट बंदिशों व पावस परणों की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। विदुषी विमला देवी ने राग नायकी कान्हाड़ा में तीनताल की बंदिश ‟सांवरे सलोने आजु झूलत झूलनावा ऋतू पावस आयो‟ से समां बाँधा। वही श्रेया पांडेय ने सावन में गिरे रस बुंदिया सखी री हम गाईले कजरियाॅ प्रस्तुत कर वाहवाही लूटी। युवा गायक अजीत पांडे ने ‟ सावन झरी लागे हो धीरे धीरे‟ प्रस्तुत कर तालिया बटोरी। श्री विश्वनाथ राय ने झूला गीत प्रस्तुत किया। स्नेहा पांडेय, गौरी, विनीता व चित्रा ने कजरी पर मनोहारी भाव अभिनय प्रस्तुत किया ।इस मौसमी संगीत के कार्यक्रम में मड़नपुर गाँव निवासी मोहम्मद अब्दुल जब्बार ने क्लारनेट वादन से अद्भुत समाँ बाँधा। मंच संचालन अमित कुमार व धन्यवाद ज्ञापन महेश यादव ने किया। इस अवसर पर कवियित्री डॉ. किरण कुमारी, सुशील कुमार देहाती, चंद्रमोहन ओझा समेत कई संगीत प्रेमी उपस्थित थे।

लोगों के बीच जागरूकता फैलाने में मीडिया की भूमिका सबसे अहम : सिविल सर्जन

एमडीए-2024 को लेकर विद्या भवन सभागार में मीडिया कर्मियों का हुआ उन्मुखीकरण

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिले में फाइलेरिया उन्मूलन को लेकर 10 अगस्त से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम (एमडीए-2024) का आयोजन किया जाने वाला है। जिसको लेकर जिला पदाधिकारी राज कुमार व उप विकास आयुक्त विक्रम वीरकर के निर्देशन में शुक्रवार को जिला मुख्यालय स्थित विद्या भवन सभागार में जिले के पत्रकारों के लिए एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. शिवेंद्र कुमार सिन्हा ने की। इस दौरान उन्होंने मीडिया कर्मियों को फाइलेरिया और एमडीए राउंड को लेकर की जाने वाली तैयारियों और इसके प्रभाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

सिविल सर्जन ने बताया कि इस बार एमडीए की शुरूआत आशा कार्यकताओं के द्वारा घर-घर जाकर लाभुकों को दवाओं का सेवन करा कर किया जाना निर्धारित किया गया है। 17 दिवसीय इस अभियान के तहत शुरूआत के 14 दिनों तक घर-घर जाकर लोगों को दवाओं का सेवन कराया जाएगा। जिसके बाद तीन दिनों तक स्वास्थ्य संस्थानों व आंगनबाड़ी केंद्रों के साथ-साथ सरकारी व निजी संस्थानों में बूथ लगाकर दवाओं का सेवन करायी जाएगी। जिसके लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान में जिले के पत्रकार बंधुओं की भूमका सबसे अहम रहेगी। जिनके माध्यम से लोगों तक यह सूचना पहुंचे कि फाइलेरिया से बचना है तो फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन जरूरी है। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को जिला पदाधिकारी एसबी कॉलेज आरा से फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कर कार्यक्रम की शुरूआत करेंगे।

खाली पेट फाइलेरिया रोधी दवाओं का सेवन कभी न करें : अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी सह जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. सिन्हा ने बताया कि फाइलेरिया एक गंभीर रोग है जिसे फाइलेरिया की दवा सेवन से ही बचा जा सकता है। कभी-कभी फाइलेरिया के परजीवी शरीर में होने के बाद भी इसके लक्षण सामने आने में वर्षो लग जाते हैं। इसलिए फाइलेरिया की दवा का सेवन सभी लोगों के लिए लाभप्रद है। उन्होंने बताया कि आम लोग खाली पेट दवा का सेवन नहीं करें। कभी-कभी खाली पेट दवा खाने से भी कुछ समस्याएं होती हैं। आम लोगों में फाइलेरिया की दवा सेवन के साइड इफेक्ट के बारे में कुछ भ्रांतियां हैं, जिसे दूर करने की सख्त जरूरत है। फाइलेरिया की दवा सेवन से जी मतलाना, हल्का सिर दर्द एवं हल्का बुखार हो सकता है जो शरीर में मौजूद फाइलेरिया के परजीवी के मरने के ही कारण होता है. इसलिए दवा सेवन से किसी भी प्रकार का साइड इफेक्ट मरीज के हित में ही है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने मीडिया से अपील भी की। इस क्रम में मीडिया कर्मियों और पत्रकारों को प्रोजेक्टर पर पीपीटी दिखाकर बीमारी व इसके बचाव के साथ अन्य तैयारियों के विषय में विस्तृत जानकारी दी गई।

लोगों की दी जाएगी डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की गोलियां : विश्व स्वास्थ्य संगठन के जोनल कोऑर्डिनेटर डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि इस अभियान में डीईसी एवं अल्बेंडाजोल की गोलियां लोगों की दी जाएगी। इसके लिए आशा कार्यकताओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। ताकि, लाभुकों को दवाओं का उचित डोज दिया जा सके। दो से पांच वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की एक गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली, 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों को डीईसी की दो गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली एवं 15 वर्ष से अधिक लोगों को डीईसी की तीन गोली एवं अल्बेंडाजोल की एक गोली दी जाएगी। अल्बेंडाजोल का सेवन चबाकर किया जाना है। अभियान को सफल बनाने एवं जीविका एवं शिक्षा विभाग के साथ पिरामल फाउंडेशन, पीसीआई, सीएफएआर व अन्य सहयोगी संस्थानों की भूमिका भी सरानीय है। उन्होंने जिले के सभी लोगों से अपील किया कि सभी यह सुनिश्चित करेंगे कि अभियान में दवा का सेवन शत-प्रतिशत हो। ताकि, फाइलेरिया को जड़ से खत्म किया जा सके। कार्यशाला का समापन सीएफएआर की जिला समन्वयक जुलेखा फातमा ने सभी अधिकारियों और मीडिया बंधुओं का धन्यवाद ज्ञापन कर किया।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति नहीं सम्भले तो हम सभी का अस्तित्व इस धरती से समाप्त हो जाएगा

कैमुर भभुआ। शुक्रवार को जिला मुख्यालय के नगरपालिका मध्य विद्यालय भभुआ में "बिहार पृथ्वी दिवस" के अवसर पर पर्यावरण पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रधानाचार्य,शिक्षकों व छात्र छात्राओं के द्वारा फलदार व छायादार पौधा रोपण किया गया। इसे बड़ा होने तक देखभाल करने के लिए संकल्प लिया गया। विद्यालय के सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित 11 सूत्री संकल्प लिया गया। "बिहार पृथ्वी दिवस" मनाने का उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनना है। जिस पृथ्वी को हम माँ का दर्ज देते हैं, जिसने संपूर्ण मानव जाति, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों, जल आदि को अपनी गोद में शरण दे रखी है। उसी को आज दिन-रात प्रदूषित कर रहे हैं। पर्यावरण की रक्षा व पृथ्वी की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी और कर्तव्य बनता है। इसके लिए हमें ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधारोपण करना चाहिए। आज के समय में पर्यावरण का गंभीर समस्या बन गया है। प्लास्टिक पर्यावरण व पृथ्वी को सबसे ज्यादा क्षति पहुँचा रहीं हैं।

पृथ्वी दिवस पर प्रार्थना के समय बच्चों को पृथ्वी को बचाने के लिए 11 संकल्प दिलाया

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास)। नटवार रोड स्थित मॉडल चिल्ड्रेन स्कूल ने बिहार पृथ्वी दिवस पर प्रार्थना के समय बच्चों को पृथ्वी को बचाने के लिए 11 संकल्प दिलाया ।प्रत्येक साल 9 अगस्त को स्कूलों में बिहार पृथ्वी दिवस मनाया जाता है ।आज मॉडल चिल्ड्रेन स्कूल के बच्चे पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिए ।ये बच्चे 2011 से ही संकल्प लेते आ रहे हैं।

बताते चलें कि सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य के हरित आवरण को बढ़ाने के लिए करो या मरो की तर्ज पर बिहार दिवस मनाने की घोषणा की थी।

तब से बच्चे और शिक्षक संकल्प लेते आ रहे हैं ।स्कूली बच्चों को जो 11 सूत्री संकल्प दिलाए गए उसमें प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा को लगाकर उसकी सुरक्षा एवं देखभाल कर वृक्ष बनाने,अपने आस पास के तालाब,नदी,पोखर एवं अन्य जल स्रोतों की भी प्रदूषित नहीं करने और इसके लिए दूसरों को भी प्रेरित करने, अपने घर और विद्यालय आस पास में वर्षा के जल संचय के लिए अपने परिवार के सदस्यों को प्रेरित करने,बिजली का उपयोग आवश्यकता के अनुसार ही करने,अपने घर,विद्यालय एवं आस पड़ोस को स्वच्छ रखने,प्लास्टिक,पॉलीथिन का उपयोग बंद कर कपड़े और कागज के थैले का उपयोग करने,जीव जंतुओं व पशु पक्षियों के प्रति प्रेम का भाव रखने,नजदीक के कार्य पैदल अथवा साईकिल से ही करने,कागज का अनावश्यक उपयोग नहीं करने,खुले में शौच नहीं कर शौचालय का उपयोग करने समेत अन्य संकल्प शामिल हैं।

मौके पर स्कूल के निदेशक मो. अय्यूब खान,जेबा खान,अनिता देवी,अल्का कुमारी,ममता कुमारी,श्वेता कुमारी,अशरफ अली,प्रतिमा सुमन,बीडी पांडेय,एल के पांडेय,सोनी कुमारी,रीता सिन्हा सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे।

किसानों पर हुए जुल्म की न्यायिक जांच : संयुक्त किसान मोर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

बक्सर। बनारपुर,कोचाढी मोहनपुरवा में किसानों पर हुए जुल्म की न्यायिक जांच करो,कॉर्पोरेट लुटेरे भारत छोड़ो, किसानों का कर्जा माफ करो, वर्तमान बाजार दर से चार गुणा जमीन का मुआवजा देना होगा, 60 साल की उम्र से सभी किसानों मजदूरों को 10000 मासिक पेंशन दो,एम एस पी की। कानूनी गारंटी दो, बिहार में पुनः फसल बीमा योजना चालू करो,बिजली बिल विधेयक 2022 वापस लो आदि गगनभेदी नारा लगाते हजारों किसानों का विशाल कारवां बक्सर स्टेशन से 1 बजे दिन में जिला समाहरणालय की ओर कुच किया। जुलूस का नेतृत्व बिहार राज्य किसान सभा के महासचिव अशोक प्रसाद सिंह, किसान नेता केदार सिंह, अजय मिश्रा,सुरेंद्र सिंह, शिवजी सिंह, तेतरी देवी, शैलेश राय,सियाराम यादव,अनिल तिवारी, लाल साहेब उपाध्याय एवं जय मंगल पाण्डेय आदि कर रहे थे। जुलूस डॉ अंबेडकर चौक होते हुए कचहरी के रास्ते जिला समाहरणालय पहुंचा। जिला समाहरणालय के पास आयोजित महथी सभा को संबोधित करते हुए किसान नेता अशोक प्रसाद सिंह ने कहा कि आज तो सिर्फ महा भारत मे कृष्ण पांच गांव की मांग लेकर गए थे, उसी तरह आज हम अपने 17 सूत्री मांगों को लेकर हुक्मरान को देने आए हैं। यदि हमारी मांगे नहीं सुनी गई और इसकी पूर्ति नही हुई तो हम एक बड़े आंदोलन की तैयारी करेंगे ।इसके लिए गांव-गांव में किसानों को एकजुट करने हेतु किसान चौपाल लगाएंगे। उन्होंने कहा कि 20 मार्च को जो कुछ जिला प्रशासन के नेतृत्व में चौसा में हुआ, उससे मानवता शर्मसार हुई है ।हम बनारपुर कोचाढी और मोहनपुरवा की घटना की न्यायिक जांच और दोषी को जबतक सजा नहीं मिलेगी तबतक किसान चैन से नहीं सोएंगे। उन्होंने कहा कि किसानों पर से झूठे मुकदमों को वापस लिया जाए ।रेलवे कॉरिडोर पाइपलाईन और एन एच 319 ए में कम से कम जमीन लिया जाए। इस तरह का रूट बनाया जाए। साथ ही वर्तमान बाजार दर से चार गुणा जमीन का मुआवजा तथा परिवार के सदस्यों को सरकारी नौकरी की गारंटी हो ।उन्होंने कहा कि ज्यादा झूठ बोलने वालों का यदि विश्व में कोई ओलंपिक किया जाए, तो मोदी जी गोल्ड मेडल लेकर के भारत आएंगे।

गुप्ता धाम जा रहे कांवरिया का बिजली के करंट से हुई मौत

चेनारी(रोहतास) : चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव के समीप बिजली के करंट लगने से एक कांवरिया की मौत हो गई ।प्राप्त जानकारी के अनुसार सिवान जिले से पिकअप पर सवार होकर लगभग एक दर्जन से अधिक कांवरिया गुप्ता धाम उगहनी के रास्ते दर्शन करने के लिए जा रहे थे ।इसी दौरान उगानी गांव सेबाहर बिजली का एक तार सड़क पर गिरा हुआ था तार हटाने के लिए सिवान जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के पांडेडिह गांव निवासी नगनारायण साह के 36 वर्षीय पुत्र संजीव साह सड़क पर गिरे तार हटाने का प्रयास किया लेकिन तार में करंट होने की वजह से उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई ।मृतक के साथ जा रहे कांवरिया सोनू कुमार ने बताया कि हम सभी लोग निजी वाहन से सिवान से गुप्ता धाम दर्शन के लिए जा रहे थे ।हम सभी चेनारी थाना क्षेत्र के उगहनी गांव होते हुए पहाड़ी रास्ते से गुप्ता धाम जा रहे थे ।इसी दौरान उगहनी गांव से बाहर जाने पर एक बिजली का तार सड़क पर गिरा हुआ था ।मृतक तार को अपने हाथ से हटाने का प्रयास किया ।तार में बिजली का करंट होने के वजह से उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई ।

नाग पंचमी पर्व पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में झूम उठे दर्शक

प्रातः किरण संवाददाता

संझौली(रोहतास)। संझौली प्रखंड में शुक्रवार को नागपंचमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। अहले सुबह से ही लोंगो ने स्नान ध्यान व सज धज कर पूजा अर्चना की व नाग देवता पर दूध एवं लावा अर्पित किया। प्रखंड अंतर्गत संझौली, चैता,करमैनी आदि कई जगह सुबह से ही नागदेवता मंदिर में पूजा अर्चना शुरू की गयी। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी। आसपास के अन्य गांव से भी श्रद्धालु पहुंचकर नागदेवता की पूजा अर्चना की। लोगो ने भागवान नागदेवता पर दूध लावा चढ़ाया। वही करमैनी गांव में नागपंचमी पूजा के अवसर पर बक्स बाबा के प्रांगण में आयोजित दुगोला सांस्कृतिक कार्यक्रम में गायकों ने अपने गीत संगीत के माध्यम से लोगो का दिल जीत लिया। वही उपस्थित दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। वही आयोजकों ने कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों को अंग वस्त्र से सम्मानित भी किया।

बिजली चोरी के मामले में दो उपभोक्ताओं पर केस दर्ज

सासाराम(रोहतास)। बिजली चोरी करने वालों के विरुद्ध विभाग ने फिर से करवाई शुरू कर दी है ।गुरुवार को सासाराम मुख्यालय द्वारा गठित एसटीएफ छापामारी दस्ता एवं स्थानीय बिजली विभाग के पदाधिकारी ने गुप्त सूचना के आधार पर मदार दरवाजा प्र शाखा के मोहल्ला काजीपुरा में छापामारी कर संतोष कुमार पिता राजेंद्र प्रसाद नामक एक उपभोक्ता को मीटर से बाईपास कर बिजली चोरी करते पकड़ा गया।

अनुमंडल क्षेत्र में धूमधाम के साथ मनाया गया नागपंचमी का पर्व, भक्तिमय हुआ माहौल

प्रातः किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : शुक्रवार को अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत काराकाट प्रखंड मुख्यालय गोड़ारी प्राचीन स्थान बकस बाबा मंदिर , कुरूर बाजार शिव मंदिर, मोथा बकस बाबा,चिल्ला बकस बाबा,अमौरा बकस बाबा,देवमार्कण्डेय शिव धाम में स्थित नाग देवता के मंदिर एवं राजपुर प्रखंड के बकस बाबा स्थान समेत सभी प्रखंडों के शहरी व ग्रामीण कस्बों के हर घरों में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ नागपंचमी का पर्व मनाया गया । नागपंचमी के पावन अवसर पर कांवरियां संग सभी श्रद्धालुओं ने शुक्रवार को अहले सुबह से ही नाग देवता के मंदिर पहुंच जलाभिषेक करते हुए दूध व लावा चढ़ाया । उक्त दौरान सभी भक्तों ने नाग देवता की जय व जय भोलेनाथ की जयघोष लगा रहे थे । इस अवसर पर अनुमंडल क्षेत्र अंतर्गत सभी प्रखंडों के ग्रामीण एवं शहरी कस्बों में घर-घर नाग देवता को भक्तिभाव के साथ भक्तों ने दूध और लावा अर्पित करते हुए सपरिवार की सुख व समृद्धि की कामना की । इस अवसर पर काराकाट प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल कुमार सिंह अपने परिवार साथ पूजा-अर्चन करने हेतु बकस बाबा के दरबार पहुंचे । पूजन- अर्चन के उपरांत नाग देवता के समक्ष उन्होंने माथा टेकते हुए सपरिवार एवं स्थानीय प्रखंड के सभी जनता जनार्दन के लिए सुख व समृद्धि की कामना की । सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी थी । लोगों की भीड़ को देखते हुए विभिन्न मंदिरों के बाहर छोटे व बड़े व्यापारियों ने अपनी दुकानें भी सजाई थी, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की । मेले में कई खेलों का आमलोगों के साथ - साथ छोटे - छोटे बच्चों ने लुत्फ उठाया । बतादें कि सावन मास में नागपंचमी का विशेष महत्व है । पूजा समिति सदस्यों ने बताया कि सुबह मंदिर में विधि- विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद श्रद्धालुओं के लिए मंदिर के कपाट खोले गए । मंदिर में भक्तों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए पूजा समिति के सभी सदस्यों के साथ-साथ स्थानीय प्रशासन ने भी व्यवस्था बनाने में अहम योगदान दिया ।

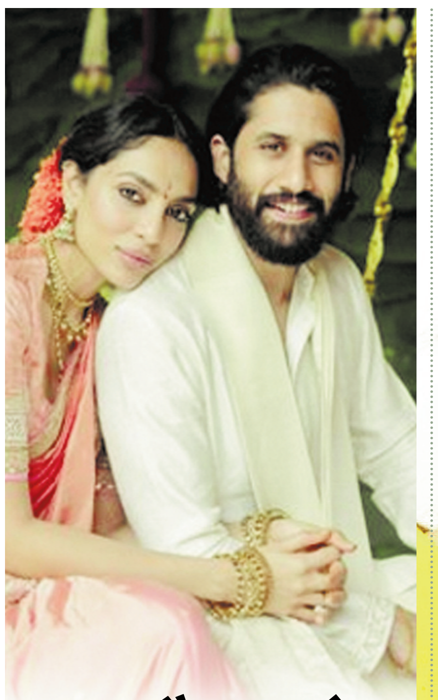

नागा चैतन्य ने शोभिता धुलिपाला से की सगाई नागार्जुन ने शेयर की तस्वीरें

तेलुगु अभिनेता नागा चैतन्य ने मेड इन हेवन स्टार शोभिता धुलिपाला से सगाई कर ली है। चैतन्य के पिता, सुपरस्टार नागार्जुन ने सगाई की तस्वीरें साझा करते हुए एक्स पर इसकी घोषणा की। नागा चैतन्य और शोभिता धुलिपाला पिछले कुछ समय से डेटिंग कर रहे हैं। इस जोड़े ने हैदराबाद में कस्टडी अभिनेता के घर पर अपने परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में एक अंतरंग समारोह में सगाई की।

अपने बेटे की सगाई की घोषणा करते हुए नागार्जुन ने लिखा, हमें अपने बेटे नागा चैतन्य की सगाई की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है, जो सोभिता धुलिपाला से हुई!! हम उसे अपने परिवार में स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। खुश जोड़े को बधाई! उन्हें जीवन भर प्यार और खुशी की कामना करता हूँ। इस साल के अंत में दोनों की शादी होने की उम्मीद है। चैतन्य और शोभिता में से किसी ने भी अब तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया है। हालाँकि, वे अपनी कई छुट्टियों की एक जैसी, एकल तस्वीरें पोस्ट करते रहे हैं। मई 2022 में, नागा और शोभिता को पहली बार हैदराबाद में एक साथ देखा गया था, जो कि उनका पूर्व का गृहनगर है। शोभिता अपनी फिल्म मेजर के प्रचार के लिए शहर में थीं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि प्रमोशन के बाद उन्होंने नागा और उनके कुछ दोस्तों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। यहीं से उनकी दोस्ती गहरी हुई और वे एक-दूसरे को डेट करने लगे। नागा चैतन्य ने अपने बहुमुखी अभिनय कौशल और आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस के साथ अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है। माया चेसावे, मनम और माजिली जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाने वाले चैतन्य के पास बहुत बड़ी संख्या में प्रशंसक हैं और उन्होंने लगातार यादगार प्रदर्शन किए हैं। शोभिता धुलिपाला ने रमन राघव 2.0, मेड इन हेवन और पोन्नियिन सेलवन 1 और 2 जैसी परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ अपने करियर में महत्वपूर्ण प्रगति की है। नागा चैतन्य की शादी पहले सामंथा रूथ प्रभु से हुई थी। इस जोड़े ने अक्टूबर 2021 में अलग होने की घोषणा की।

हसीन दिलरुबा के लिए पहली पसंद नहीं थीं तापसी, अभिनेत्री बोलीं- ये फिल्म मेरी किस्मत में थी

तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। इस फिल्म में तापसी ने रानी सक्सेना की भूमिका निभाई है, जिसे वह पहले इसी फिल्म के पहले भाग हसीन दिलरुबा में निभा चुकी हैं। लेकिन क्या आपको यह पता है कि फिल्म हसीन दिलरुबा के लिए तापसी पन्नू लेखिका कनिका ढिल्लों की पहली पसंद कभी नहीं थीं। तापसी पन्नू ने 2021 की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म हसीन दिलरुबा में रानी सक्सेना की भूमिका से सभी का भरपूर मनोरंजन किया था। लेकिन वह इस किरदार के लिए कभी भी लेखिका कनिका ढिल्लों की पहली पसंद नहीं थीं। वहीं अब तापसी इस फिल्म के दूसरे भाग फिर आई हसीन दिलरुबा में 9 अगस्त को तहलका मचाने के लिए फिर से तैयार हैं। तापसी इन दिनों अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। इसी बीच एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने बताया कि भले ही उन्हें स्क्रिप्ट में दिलचस्पी थी, लेकिन स्क्रीनराइटर कनिका ढिल्लों ने फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने के लिए किसी दूसरे अभिनेत्री का चुनाव कर लिया था और लगभग फाइनल भी कर लिया था। हालांकि उस अभिनेत्री का नाम सामने नहीं आया है, जो पहले हसीन दिलरुबा में तापसी का किरदार निभाने वाली थीं। दरअसल, तापसी पन्नू ने फिल्म हसीन दिलरुबा में अपनी रुचि दिखाई थी, लेकिन इससे पहले कि वह स्क्रिप्ट पढ़ पाती, वह अपनी किसी फिल्म की शूटिंग के लिए बाहर चली गई थीं, जब वह वापस लौटीं, तो उन्हें पता चला कि कनिका ने पहले ही किसी दूसरी अभिनेता को फिल्म की कहानी सुना दी है और वे जल्द ही फिल्म को फाइनल करने जा रहे थे। लेकिन फिर एक करिश्मा हुआ और यह फिल्म तापसी को मिल गई। फिर क्या था, तापसी को स्क्रीनराइटर कनिका का फोन आया और सवाल पूछे बिना ही उन्हें स्क्रिप्ट नैरेशन के लिए अपने ऑफिस बुला लिया। आखिरकार, तापसी को स्क्रिप्ट सुनाई गई और अब तापसी हसीन दिरुबा से सभी का दिल जीत चुकी हैं और अब वह फिर आई हसीन दिलरुबा में जल्द नजर आने वाली हैं। एक इंटरव्यू में तापसी ने कहा, ये फिल्म मेरी किस्मत में थी, मैंने आपको (कनिका) पहले ही बता दिया था। तापसी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, क्योंकि जो भी ग्रे किरदार कागज पर सही नहीं होता, उसके लिए मैं ही सही इंसान हूं। बता दें, फिर आई हसीन दिलरुबा का निर्देशन जयप्रद देसाई ने किया है। इस फिल्म में तापसी के अलावा विक्रांत मैसी और सनी कौशल मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

राइमा ने नानी सुचित्रा पर बायोपिक करने की इच्छा जताई

राइमा सेन ने अपनी नानी सुचित्रा सेन पर बायोपिक में एक्टिंग करने की इच्छा जताई है। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी कहानी को फिल्मों के जरिए लोगों तक पहुंचाना दिलचस्प होगा। बातचीत के दौरान, राइमा सेन ने कहा, मैं एक बायोपिक करना चाहती हूं, खासकर अपनी नानी सुचित्रा सेन पर। मेरी नानी ने अपनी पूरी जिंदगी अपने काम को समर्पित कर दी थी। उनके समय में, वे कभी भी पब्लिक में ज्यादा दिखना नहीं चाहती थीं। उनका मानना था कि जो भी ऑडियंस उन्हें फिल्म में देखे, वही उनकी पहचान होनी चाहिए। आज के समय में चीजें बदल गई हैं। लेकिन मेरी नानी ने इस सोच को अपने आखिरी दिनों तक बनाए रखा था। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरी नानी की कहानी में बहुत सारी अनसुनी बातें और स्ट्रगल हैं, जो लोगों को जाननी चाहिए। मुझे लगता है कि इन कहानियों को फिल्मों के जरिए दिखाना दिलचस्प होगा।

फिल्म आलिया बसु गायब है में नजर आएंगी राइमा

राइमा सेन की बात करें तो, इन दिनों वह अपनी आने वाली फिल्म आलिया बासु गायब है के प्रमोशन में बिजी हैं। बता दें, इस फिल्म में सलीम दीवान भी हैं। इससे पहले, दोनों ने फिल्म बॉलीवुड डायरी में साथ काम किया था। इस फिल्म के दौरान वे अच्छे दोस्त बन गए थे। बातचीत के दौरान, राइमा ने आगे कहा, सलीम ने मुझसे इस स्क्रिप्ट के बारे में बात की और मुझे यह बहुत पसंद आई। यह एक क्रिस्प थ्रिलर थी, इसलिए मैंने तुरंत हामी भर दी। मैंने पहले कभी थ्रिलर नहीं की थी। इसलिए, यह मेरे लिए नया और चैलेंजिंग था। शूटिंग के दौरान मैंने पहली बार एक्शन सीक्वेंस किए। मैंने एक्शन सीन के लिए कोई तैयारी नहीं की थी। सेट पर मैं बहुत नैचुरल होती थी और आसानी से किरदार में ढल जाती थी।

तृप्ति डिमरी बनेंगी परवीन बाबी?

एनिमल फिल्म से मिली सक्सेस के बाद उत्तराखंड की रहने वाली तृप्ति डिमरी दिन दूनी और रात चौगुनी तरक्की कर रही हैं। उनके पास फिल्मों की लाइन लगी है। हालिया रिलीज बैड न्यूज के बाद उनके पास करीब 3 फिल्में हैं और अब लेटेस्ट रिपोर्ट बता रही है कि वो एक बायोपिक में नजर आ सकती हैं। ये बायोपिक किसी और की नहीं, बल्कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की बेहतरीन अदाकार परवीन बाबी की है, जो गुमनामी के अंधेरे में खो गई थीं। जिनके महेश भट्ट से अफेयर के चर्चे आज भी होते हैं और जिंदगी के आखिरी पलों में उन्हें कोई पानी पूछने वाला तक नहीं था! रिपोर्टस बता रही हैं कि तृप्ति डिमरी को परवीन बाबी के किरदार के लिए चुना जा रहा है। एनिमल, कला, लैला मजनू और बैड न्यूज में दमदार किरदार निभाने वाली तृप्ति इस मोस्ट अवेटेड प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

रवि तेजा और राम पोथिनेनी के बीच कांटे की टक्कर

हिंदी सिनेमा की तरह ही साउथ सिनेमा भी सितारों के 'ईगो क्लैश' का मामला नया नहीं है। 15 अगस्त को जहां बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी की 'स्त्री 2' की टीम 'वेदा' की टीम जॉन अब्राहम, शरवरी वाघ से मुकाबला करने उतरने रही है, वहीं इसी दिन साउथ सिनेमा के दो सितारों राम पोथिनेनी और रवि तेजा की दो फिल्मों 'डबल इस्मार्ट' और 'मिस्टर बच्चन' की सीधी टक्कर भी होने जा रही है। रवि तेजा अभी तक अपनी फिल्म के प्रचार के लिए मैदान में नहीं उतरे हैं, वहीं राम पोथिनेनी प्रचार करते करते हैदराबाद से मुंबई तक पहुंच आए हैं।अभिनेता राम पोथिनेनी ने अपनी फिल्म 'डबल इस्मार्ट' का एक गाना गुरुवार को यहां अभिनेता संजय दत्त के साथ मुंबई में रिलीज किया। फिल्म की हिंदी पट्टी में खास हाइप तो नहीं बनी है लेकिन संजय दत्त का किसी साउथ फिल्म में मौजूद होना भर उनके प्रशंसकों को उत्साहित कर जाता है। चूंकि ये एक हिट फिल्म की सीक्वल है लिहाजा आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बाहर रहने वाले तेलुगु सिनेमा के प्रशंसकों को भी इस फिल्म का खासा इंतजार रहा है। इस फिल्म की सीधी टक्कर बॉक्स ऑफिस पर रवि तेजा की फिल्म 'मिस्टर बच्चन' से होनी है। फिल्म 'मिस्टर बच्चन' अभिनेता अजय देवगन की फिल्म 'रेड' की रीमेक है और इसकी काफी शूटिंग लखनऊ व आसपास के इलाकों में भी की गई है। रवि तेजा की बॉक्स ऑफिस पर ब्रांड वैल्यू इन दिनों खासी नीचे चल रही है, लेकिन इस फिल्म को लेकर हिंदी भाषी क्षेत्रों में खासी चर्चा होती रही है। एक तो इसके नाम को लेकर दूसरे इसकी हीरोइन भाग्यश्री बोरसे को लेकर। भाग्यश्री बोरसे हाल ही में फिल्म 'चंदू चैंपियन' में भी नजर आ चुकी हैं। इससे पहले फिल्म 'यारियां 2' में उन्हें उनके लुक्स को लेकर खासा नोटिस किया गया था। फिल्म 'मिस्टर बच्चन' के निर्देशक हरीश शंकर हाल ही में अपनी एक मेगा बजट मल्टीस्टारर फिल्म के एलान को लेकर सुर्खियों मे रहे हैं, लेकिन अपनी फिल्म 'मिस्टर बच्चन' के अब तक हो चुके दोनों कार्यक्रमों में रवि तेजा को लाने में विफल रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट रवि तेजा ने ही तय की है और इसी के चलते फिल्म 'डबल इस्मार्ट' की निर्माता चार्मी कौर बताते हैं कि उनको सोशल मीडिया पर अनफॉलो भी कर चुकी हैं। फिल्म 'मिस्टर बच्चन' को लेकर लोगों में दिखी उत्सुकता को और बढ़ाने के लिए फिल्म के निर्देशक हरीश शंकर सारे जतन कर रहे हैं और जानकारी के मुताबिक अब तक मीडिया के सवालों से बचते रहे रवि तेजा ने भी फिल्म की रिलीज से पहले एक बार इसके प्रचार में शामिल होने की बात मान ली है। रवि तेजा फिल्म से संबंधित एक कार्यक्रम में पहली बार रविवार को पत्रकारों के सामने होंगे और इस दिन वह अपने पुराने सहयोगी रहे पुरी जगन्नाथ की फिल्म से सीधे टकराने के सवालों पर भी बोल सकते हैं।

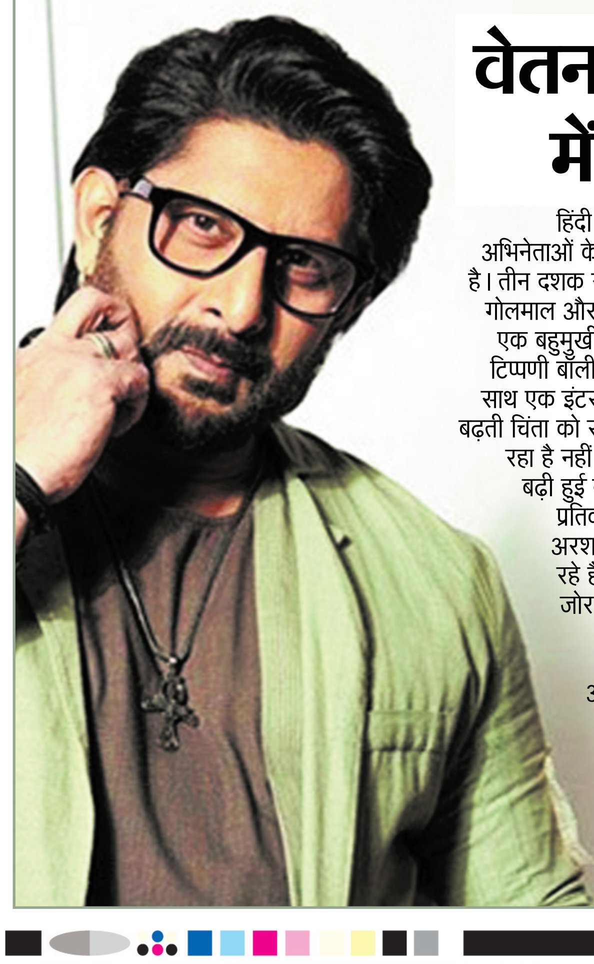

वेतन असमानता से इंडस्ट्री में पैदा हो रहा विभाजन

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की एक प्रमुख हस्ती अरशद वारसी ने हाल ही में अभिनेताओं के बीच वेतन में असमानता को लेकर एक महत्वपूर्ण बातचीत छेड़ी है। तीन दशक से अधिक लंबे करियर के साथ, वारसी ने मुन्ना भाई एमबीबीएस, गोलमाल और इश्किया जैसी फिल्मों में यादगार प्रदर्शन के माध्यम से खुद को एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है। इसी बीच उनकी हालिया टिप्पणी बॉलीवुड में एक गंभीर मुद्दे को उजागर करती हैं। समदीश भाटिया के साथ एक इंटरव्यू में, वारसी ने अभिनेताओं के बीच वेतन असमानता के बारे में बढ़ती चिंता को संबोधित किया। उन्होंने कहा, मुझे लगता है इतना ज्यादा जो मिल रहा है नहीं मिलना चाहिए। वारसी ने विस्तार से बताया कि कुछ सितारों की बढ़ी हुई तनख्वाह इंडस्ट्री में विभाजन पैदा करती है, जिससे उन लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है जो आर्थिक रूप से उतने भाग्यशाली नहीं हैं। अरशद वारसी ने बताया कि जहां कुछ अभिनेता अत्यधिक रकम कमा रहे हैं, वहीं अन्य को नुकसान झेलना पड़ रहा है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह असंतुलन न केवल इसमें शामिल व्यक्तियों के लिए बल्कि पूरी इंडस्ट्री के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए हानिकारक है। उन्होंने टिप्पणी की, कुछ अभिनेता हैं जो बहुत पैसा कमा रहे हैं, और उनको मुआवजा देने के लिए बाकी के लोग पीड़ित हो रहे हैं। बॉलीवुड में वेतन असमानता का मुद्दा नया नहीं है, लेकिन वारसी की टिप्पणियां इसे फिर से सुर्खियों में ला देती हैं। अभिनेता का दृष्टिकोण कई लोगों के साथ मेल खाता है जो महसूस करते हैं कि इंडस्ट्री की संरचना अक्सर कुछ चुनिंदा लोगों का पक्ष लेती है, जिससे दूसरों को मान्यता और उचित मुआवजे के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

खुद को बॉक्स ऑफिस स्टार नहीं मानते विक्रांत मैसी

विक्रांत मैसी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्मों में बेतरीन परफॉर्मेंस के बाद मिली प्रसिद्धी को वह काफी नहीं मानते हैं, क्योंकि अभिनेता अभी भी अपने काम से संतुष्ट नहीं हैं, जिसकी वजह उन्होंने बताई। विक्रांत ने 2013 में रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म लुटेरा से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। आज बॉलीवुड में विक्रांत के अभिनय को सभी पसंद करते हैं। उनकी 2023 में रिलीज हुई फिल्म 12वीं फेल उनके करियर की एक सफल फिल्म साबित हुई और इसे आलोचकों और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया भी मिली। विक्रांत ने हाल ही में 12वीं फेल की सफलता को स्वीकार किया, लेकिन वह खुद को बॉक्स-ऑफिस स्टार नहीं मानते। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू में विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल को इतना प्यार और सम्मान देने के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने कहा, जब मैंने 12वीं फेल के लिए तैयारी शुरू की थी, तब मेरे मन में एक संदेह था कि सिनेमाघरों में फिल्म रिलीज होनी है और फिल्म में सभी आम अभिनेता थे, कोई भी बड़ा कलाकार नहीं था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 12वीं फेल की बड़ी सफलता के बाद भी विक्रांत को लगता रहेगा कि वह बॉक्स ऑफिस स्टार नहीं हैं, जब तक कि वह भविष्य में लगातार 5-7 फिल्में नहीं कर लेते हैं। आगे विक्रांत ने कहा, उन्हें उम्मीद है कि ऐसा 5 साल बाद होगा, जब वह आराम से बैठेंगे और उनके पास कई फिल्में होंगी। आगे विक्रांत ने कहा कि बैंकेबिलिटी एक ही फिल्म से नहीं आती है, बल्कि बड़े पर्दे पर लगातार बने रहने से आती है। इस दौरान अपनी बात को समझाने के लिए विक्रांत ने क्रिकेट का सहारा लिया और कहा, आप क्रिकेट की एक पारी में खेल के नहीं बोल सकते कि हो गया बस। विधु विनोद चोपड़ा द्वारा निर्देशित, लिखित और निर्मित, 12वीं फेल लेखक अनुराग पाठक द्वारा 2019 में लिखी गई इसी नाम की किताब पर आधारित है। यह आईपीएस अधिकारी मनोज कुमार शर्मा के जीवन की कहानी है। यह फिल्म 27 अक्टूबर 2023 को रिलीज हुई थी और अभी यह फिल्म डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

बजाज फाइनेंस को 341 करोड़ रुपये के जीएसटी चोरी का नोटिस, लग सकता है 850 करोड़ रुपये का झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। बजाज फाइनेंस लिमिटेड को वस्तु एवं सेवा कर खुफिया महानिदेशालय की तरफ से कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। इकनॉमिक्स टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार 341 करोड़ रुपये के कथित टैक्स चोरी के लिए डीजीजीआई ने यह नोटिस कंपनी को भेजा है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी को 850 करोड़ रुपये देना पड़ सकता है। इस पूरे प्रकरण पर बजाज फाइनेंस लिमिटेड की तरफ से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। 3 अगस्त को भेजे गए नोटिस में कहा है कि बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने गलत तरीके से सर्विस चार्ज को इंटरेस्ट चार्ज बताया। कंपनी को 341 करोड़ रुपये की कथित टैक्स चोरी पर 100 प्रतिशत की पेनाल्टी लगी है। वहीं, जून 2022 से मार्च 2024 तक के लिए हर दिन के हिसाब 16 लाख रुपये की पेनाल्टी लगी है। कुल मिलाकर यह 850 करोड़ रुपये होता है। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी को कुल 160 पन्नों का नोटिस भेजा गया है। भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि सेंट्रल टैक्स नियमों के तहत छूट पाने के लिए बजाज फाइनेंस ने सर्विस चार्ज को इंटरेस्ट चार्ज दिखाया है। डीजीजीआई ने कहा है कि प्रोसेसिंग या सर्विस चार्ज पर टैक्स लगता है। जबकि इंटरेस्ट चार्ज पर कोई टैक्स नहीं लगता है। बता दें, बजाज फाइनेंस लिमिटेड देश का सबसे बड़ा कंज्यूमर फाइनेंस एनबीएफसी है। कंपनी के पास 3.54 लाख करोड़ रुपये का एसेट है। यह पूरा मामला अगस्त 2022 में केरल के कोझीकोड में कंपनी के रिटेल आउटलेट पर किए गए जांच के बाद सामने आया है। कंपनी को दिए गए नोटिस में कहा गया है कि बजाज फाइनेंस के 65 ऑफिसेज के जरिए कस्टमर्स को लोन दिया गया है। और उस पर 'अपफ्रंट इंटरेस्ट' वसूला गया है। बीएसई में आज कंपनी के शेयरों में तेजी है। स्टॉक सुबह 6700 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे। 9.30 मिनट के करीब कंपनी के शेयर 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ ट्रेड कर रहे थे।

1 शेयर पर मिलेगा 100 रुपये का डिविडेंड

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजारों में केसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रदर्शन पर सबकी निगाह रहेगी। कंपनी एक शेयर पर 100 रुपये का डिविडेंड दे रही है। जिसके लिए तय रिकॉर्ड डेट आज यानी 9 अगस्त 2024 है। पिछले एक साल के दौरान इस डिविडेंड देने जा रही कंपनी के शेयरों में तूफानी तेजी देखने को मिल चुकी है। बीएसई पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार कंपनी ने 40 रुपये का स्पेशल डिविडेंड का ऐलान किया है। वहीं, एक शेयर पर 60 रुपये का फाइनल डिविडेंड देने का भी ऐलान किया है। कंपनी ने आज की डेट को रिकॉर्ड डेट घोषित कर रखा है। यानी आज जिन निवेशकों के पास केसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के शेयर रहेंगे उन्हें एक शेयर पर 100 रुपये के डिविडेंड का लाभ होगा। कंपनी अभी पिछले महीने ही एक्स-बोनस स्टॉक के तौर पर ट्रेड की थी। तब कंपनी की तरफ से 1 शेयर पर 4 शेयर बोनस देने का ऐलान हुआ था। पिछले महीने ही कंपनी के शेयरों का बंटवारा भी किया गया था। केसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक शेयर को 10 हिस्सों में बांटा गया था। जिसके बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 10 रुपये प्रति शेयर हो गई थी। गुरुवार को कंपनी के शेयरों में अपर सर्किट लगा था। 2 प्रतिशत की उछाल के बाद इस एक्स-डिविडेंड स्टॉक की कीमत 2149.90 रुपये के स्तर पर पहुंच गई थी। पिछले 3 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 300 प्रतिशत से अधिक बढ़ा है। वहीं, 1 साल से होल्ड करने वाले निवेशकों को अबतक केसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड से 800 प्रतिशत का लाभ हो चुका है।

1 पर 4 बोनस शेयर का तोहफा

रिकॉर्ड डेट पर रॉकेट बने छोटी कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। एक छोटी कंपनी सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयर शुक्रवार को रॉकेट बन गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को 20 पर्सेंट के उछाल के साथ 7.76 रुपये पर पहुंच गए हैं। ट्रेडिंग एंड डिस्ट्रीब्यूशन इंडस्ट्री से जुड़ी कंपनी सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयर आज बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 7.83 रुपये है। वहीं, सकुमा एक्सपोर्ट्स के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 2.97 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 1216 करोड़ रुपये से ज्यादा पहुंच गया है। सकुमा एक्सपोर्ट्स ने अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा दिया है। कंपनी 4:1 के रेशियो में बोनस शेयर दे रही है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 4 बोनस शेयर दे रही है। कंपनी के शेयर शुक्रवार 9 अगस्त 2024 को बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट पर ट्रेड कर रहे हैं। सकुमा एक्सपोर्ट्स के बोर्ड ने पिछले दिनों क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट के जरिए 500 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी दी थी। सकुमा एक्सपोर्ट्स अमेरिका, एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और मिडिल ईस्ट से इंपोर्ट और एक्सपोर्ट करती है।

क्या करती है सकुमा एक्सपोर्ट्स

सकुमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड शुगर, एडिबल ऑयल, ऑयल सीड्स, दलहन, कॉटन और कई स्पेशियलिटी क्रॉप्स की प्रमुख बायर, प्रोसेसर, मार्केटर, एक्सपोर्टर और इंपोर्टर है। अगर सकुमा एक्सपोर्ट्स के बिजनेस वर्टिकल्स की बात करें तो यह एग्रो कमोडिटीज के इंटरनेशनल ट्रेड, पेट्रोकेमिकल्स- पेट्रोलियम एंड मिनरल्स, रिन्यूएबल एनर्जी और डिस्ट्रीब्यूशन एंड सप्लाई चेन मैनेजमेंट में है। पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में सकुमा एक्सपोर्ट्स का प्रॉफिट सालाना आधार पर 157 पर्सेंट बढ़ा था। वहीं, कंपनी के रेवेन्यू में 50.19 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली थी। सकुमा एक्सपोर्ट्स लिमिटेड में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 46.29 पर्सेंट है, जबकि पब्लिक शेयरहोल्डिंग 53.71 पर्सेंट है। जून 2024 तिमाही में कंपनी की शेयरहोल्डिंग्स में बड़ा बदलाव आया है।

दिल्ली में बेचते थे फल-सब्जी, गांव लौटे तो खुली किस्मत, अब 2 लाख रोज की कमाई!

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के एक उद्यमी शशि भूषण तिवारी ने मशरूम की खेती से अपनी किस्मत बदल दी है। दिल्ली में सब्जी का व्यापार करने वाले शशि भूषण तिवारी को कोरोना महामारी के दौरान मुजफ्फरपुर में अपने गांव लौटना पड़ा था। उस मुश्किल घड़ी को उन्होंने अवसर में बदल डाला। अपने ही खेत में बटन मशरूम की खेती शुरू कर दी। आज इस कारोबार से उनकी लाखों की कमाई है। आइए, यहां शशि भूषण तिवारी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

शुरुआत में शशि भूषण ने एक छोटे से कमरे में क्क्न पैनल और एयर कंडीशनर जैसी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल करके मशरूम उगाना शुरू किया। धीरे-धीरे सफलता मिलने पर उन्होंने अपने काम का विस्तार किया। आज उनके पास मशरूम उत्पादन के लिए 20 कमरे हैं, जहां से रोजाना 1.7 से 1.8 टन मशरूम का उत्पादन होता है। इससे उन्हें हर दिन 2 लाख रुपये की कमाई होती है। सभी खर्च काटकर लगभग 10 लाख रुपये का मासिक मुनाफा होता है।

लागत घटाने के लिए यह किया काम - शशि भूषण का यह व्यवसाय न केवल उनके परिवार का भरण-पोषण करता है, बल्कि लगभग 100 ग्रामीण महिलाओं और कई पुरुषों को रोजगार भी प्रदान करता है। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है। अपनी लागत कम करने और मांग कम होने पर भी आमदनी बनी रहे, इसके लिए तिवारी खुद ही मशरूम स्पॉन तैयार करते हैं। उन्होंने एक मशरूम कैनिंग प्लांट भी स्थापित किया है।

समाज में ला रहे सकारात्मक बदलाव - शशि भूषण की पहल के कारण सामाजिक बदलाव भी आ रहा है। बिहार में महिलाएं ज्यादातर घरों तक ही सीमित रहती हैं। महिला कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शशि उन्हें घर से लाने और ले जाने की सुविधा प्रदान करते हैं। उन्होंने कई महिलाओं को मशरूम की खेती का प्रशिक्षण भी दिया है। कुछ ने घर पर ही अपनी छोटी इकाइयां शुरू की हैं।

बेचना शुरू किया है डिब्बाबंद मशरूम- शशि का मानना है कि मशरूम की खेती परिवार की आय बढ़ाने का अच्छा तरीका है। कई कॉलेज के छात्र उनके यहां पार्ट-टाइम काम करते हैं। शशि के बेटे ने हाल ही में डिब्बाबंद मशरूम ऑनलाइन बेचना शुरू किया है। अब उनकी नजर निर्यात पर है। शशि के पास लाइसेंस है, लेकिन अभी तक उन्होंने विदेश यात्रा नहीं की है। यह उनकी यात्रा का अगला पड़ाव हो सकता है।

सुजलॉन एनर्जी खास क्लब में शामिल, शेयरों में तेजी का सिलसिला बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में पिछले 5 महीनों से लगातार सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। सुजलॉन एनर्जी ने शेयर बाजारों में आज नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। शुक्रवार की सुबह भी कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। यह ग्रीन स्टॉक 1 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा था। एनएसई में कंपनी के शुक्रवार को 74.60 रुपये पर खुले थे। लेकिन 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 75.30 रुपये के नए उच्चतम स्तर पर पहुंचने में सफल रहे। आज सुबह 10.40 मिनट पर सुजलॉन एनर्जी का मार्केट कैप 1,00,894.82 रुपये था। मार्च से ही सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 82 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। मार्च 2023 से अबतक अगर देखें तो कंपनी के शेयरों की कीमतों में 836 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

कंपनी के पास 3.8 गीगावाट का ऑर्डर

सुजलॉन एनर्जी इस समय निवेशकों की आखों का तारा बना हुआ है। इसकी वजह है कंपनी का बेहतर प्रदर्शन और कर्ज घटाने के लिए लगातार हो रहा प्रयास, इन दोनों कारणों ने निवेशकों को आकर्षित किया है। वहीं, सुजलॉन एनर्जी को लगातार मिल ऑर्डर ने इंवेस्टमेंट के लिए प्रोत्साहित किया है। बता दें, 30 जून 2025 तक सुजलॉन एनर्जी के पास 3.8 गीगावाट के ऑर्डर थे।

बड़ा दांव लगाने जा रही है कंपनी

मंगलवा को सुजलॉन एनर्जी ने ऐलान किया था कि वो रेनोम एनर्जी सर्विसेज को 660 करोड़ रुपये में खरीदने जा रहे हैं। कंपनी पहले 51 प्रतिशत हिस्सा 400 करोड़ रुपये में खरीदेगी। जबकि दूसरा हिस्सा 25 प्रतिशत 18 महीने के अंदर 260 रुपये में खरीदा जाएगा।

सुस्त लिस्टिंग के बाद ओला इलेक्ट्रिक ने पकड़ी रफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक की शेयर बाजार में लिस्टिंग हो गई। एनएसई में कंपनी की 76 रुपये पर फ्लैट लिस्टिंग हुई है। वहीं, बीएसई में कंपनी के शेयर 75.99 रुपये पर लिस्ट हुए हैं। आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 76 रुपये था। कमजोर लिस्टिंग की वजह से निवेशकों की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि ग्रे मार्केट में कंपनी के शेयरों के प्रीमियम में भारी गिरावट के बाद इस तरह की लिस्टिंग की उम्मीद लगाई जा रही थी।

खराब लिस्टिंग के बाद कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिली थी। बीएसई में सुबह 10.30 मिनट पर 17 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 89.25 रुपये पर और एनएसई में 89.28 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे।

72-76 रुपये था प्राइस बैंड- ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ का प्राइस बैंड 72 रुपये से 76 रुपये तय किया गया था। कंपनी ने 195 शेयरों का एक लॉट बनाया था। जिस वजह से रिटेल निवेशकों को कम से कम 14,820 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। बता दें, कंपनी के कर्मचारियों को एक शेयर पर 7 रुपये की छूट दी गई थी।

6000 करोड़ रुपये से अधिक का था ये आईपीओ-ओला इलेक्ट्रिक के आईपीओ का साइज 6,145.56 करोड़ रुपये का था। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 72.37 करोड़ फ्रेश शेयर जारी किए हैं। वहीं, ऑफर फॉर सेल के तहत कपंपनी ने 8.49 करोड़ शेयर जारी किए हैं। बता दें, आईपीओ 2 अगस्त 2024 को खुला था। निवेशकों के पास 7 अगस्त 2024 तक दांव लगाने का मौका था।

सब्सक्रिप्शन कैसा रहा था

पहले दिन ओला आईपीओ को 0.38 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। दूसरे दिन आईपीओ पूरा भर गया। इस दिन ओला इलेक्ट्रिक आईपीओ 1.12 गुना सब्सक्राइब किया गया था। तीसरे और आखिरी दिन ओला आईपीओ को सबसे अधिक 4.45 गुना सब्सक्रिप्शन प्राप्त हुआ थआ। बता दें, इस दिन रिटेल कैटगरी में 4 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन मिला था।

ओला आईपीओ को लेकर रिटेल निवेशकों में खासा उत्साह देखने को मिला था। यह वजह थी कि रिटेल कैटगरी में पहले दिन ही आईपीओ 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हो गया था।

आईटीसी सनफीस्ट ने बच्चों के लिए लॉन्च किया पौष्टिक बिस्किट सुपर एग एंड मिल्क

बच्चों को अंडे और दूध के सेवन के लिए प्रोत्साहित करने का प्रयास

कोलकाता, एजेंसी। आईटीसी सनफीस्ट हमेशा से ही ग्राहकों को कुछ नया और खास अनुभव प्रदान करने के लिए मशहूर रहा है। इसी कड़ी में आईटीसी सनफीस्ट ने आज मुर्गी और गायों के बीच अपनी अनोखी कॉन्फ्रेंस की अयोजना की है। इस कॉन्फ्रेंस में प्रतिनिधियों के बीच एक चर्चा हुई, जहां उन्होंने अच्छा पोषण प्रदान करने में उनके योगदान पर जोर देते हुए बच्चों के लिए दूध और अंडे को अधिक आकर्षक बनाने की चुनौतियों पर विनोदपूर्वक प्रकाश डाला।

सम्मेलन में साधारण बातचीत के बाद, एक बड़ी पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में विभिन्न क्षेत्रों की जानी-मानी हस्तियां भी शामिल हुई। यहां उपस्थिति मशहूर हस्तियों में श्री मदन मोहन मैती, चेयरमैन, नेशनल एग कोऑर्डिनेशन कमेटी (पश्चिम बंगाल, डॉ. दुलाल चंद्र सेन, वाइस चेयरमैन, आइडीए पूर्वी क्षेत्र, डॉ. अनन्या भौमिक, क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट एवं लाइफस्टाइल कंसल्टेंट, सेलिब्रिटी मॉम कोनिका

बनर्जी, अर्चना सिन्हा, को-फाउंडर एवं सीईओ, नरिशिंग स्कूल्स उपस्थित थी। पैनल ने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के विकास के सालों में अंडा और दूध दोनों ही बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ये दोनों विटामिन ए, डी, ई, आयरन आदि जैसे कई अन्य पोषक तत्वों के साथ प्रोटीन का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। पैनल ने बच्चों के लिए दूध और अंडे के सेवन को और अधिक रोमांचक बनाने के नए तरीकों को विकसित के तरीकों पर भी चर्चा की। इसी तरह की जानकारी के आधार पर और बाजार में अंडे एवं दूध से तैयार बिस्किट की कमी को देखते हुए, आईटीसी सनफीस्ट ने आज अपने नए प्रोडक्ट इनोवेशन, सनफीस्ट सुपर एग एंड मिल्क बिस्किट विथ 'गुडनेस ऑफ प्रोटीन' को लॉन्च किया है।

आईईएसए और एमपीएसईडीसी ने मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमिकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए किया करार

भोपाल। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिकंडक्टर ऐसोसिएशन (द्बश्वस्न) ने एक करार (मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) ईकोसिस्टम उपक्रमों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। इस रणनीतिक गठबंधन का लक्ष्य है मध्य प्रदेश में एक सक्रिय ईकोसिस्टम विकसित करना जिससे की इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस सर्विस (ईएमएस), प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) डिजाइन व मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग व सेमिकंडक्टर एटीएमपी का विस्तार हो सके और इस तरह भारत को ईएसडीएम के क्षेत्र में एक अहम शक्ति बनाने में योगदान दिया जाए। आईईएसए के चेयरपर्सन डॉ वीरप्पन ने इस मौके पर कहा, ''एमपीएसईडीसी के साथ सहयोग कर के हम बहुत खुश हैं जो कि म.प्र. सरकार के साथ मिलकर नीतियां बना रही है और संभावित कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है ताकि वे राज्य में ईएसडीएम सुविधाएं स्थापित करें। इस भागीदारी के जरिए हमारा लक्ष्य है की म.प्र. में एमपीएसईडीसी व उद्योग के मध्य औपचारिक बातचीत का संस्थानिक तंत्र स्थापित किया जाए। हमारा यह प्रयास भारत को 2030 तक 50 अरब डॉलर का ईएसडीएम बाजार बनाने में योगदान करेगा।'' एमपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री अंशुल गुप्ता ने कहा, ''आईईएसए के साथ यह गठबंधन इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमिकंडक्टर उद्योग में मध्य प्रदेश की संभावनाओं को यथार्थ रूप देने की ओर एक अहम कदम है। आईईएसए एक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठन है जिसके 300 से अधिक सदस्य हैं।

अमेज़न ने आपदा पहल रणनीति के तौर पर भारत में 4 आपदा राहत केंद्र स्थापित किए

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेज़न इंडिया, इस साल भारी बारिश के कारण भारत के कई हिस्सों में आई बाढ़ से पीड़ित लोगों की मदद करने की कोशिश कर रही है। अमेज़न ने मौजूदा राहत प्रयास के रूप में, 34 ज़िलों में 10,000 से अधिक परिवारों को सहायता प्रदान करते हुए प्रभावित लोगों के बीच 10,890 आश्रय (शेल्टर) किट बांटे हैं। हर राहत किट में तिरपाल शीट, रस्सियां, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, डेंटल किट, बाल्टी, मच्छरदानी और सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक वस्तुएं शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सूखे खाद्य पदार्थों से युक्त 5,742 राशन किट भी वितरित किए गए। अमेज़न ने सालाना मानसून के मौसम की तैयारी में ऐसे शेल्टर किट को पहले से ही तैनात कर रखा था, ताकि ये किट आपदा आने पर सहायता राहत शिविरों, आश्रयों, स्कूलों और अस्पतालों में प्रभावित समुदायों तक जल्दी पहुंच सकें। ये किट महत्वपूर्ण ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किये गए हैं।

अमेज़न के राहत प्रयास देश भर में स्थापित चार आपदा केंद्रों से 72 घंटे से भी कम समय में जुटाया गया ताकि तेज़ी से और प्रभावी तरीके से आपदा स्थल पर राहत सामग्री पहुंचाई जा सके। ये केंद्र हरियाणा, तेलंगाना, महाराष्ट्र के उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम क्षेत्रों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं, और पश्चिम बंगाल में एक अस्थायी केंद्र है, जो अमेज़न को प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, चक्रवात, शीत लहर आदि से प्रभावित लोगों को तेज़ी से संसाधन जुटाने और सहायता करने में मदद करता है। इन केंद्रों के लिए स्थान नेटवर्क के बेहतर इस्तेमाल को ध्यान में रखते हुए चुना गया है और अमेज़न परिवहन सेवाओं के विशेषज्ञों की एक टीम ने इनका निर्माण किया है। अमेज़न इंडिया कि अनिता कुमार (हेड अमेज़न कम्युनिटी इम्पैक्ट,भारत और एपीएसी) ने कहा, अमेज़न में, हम किसी भी तरह की आपदा के मामले में लोगों और स्थानीय हितधारकों की तत्काल ज़रूरतों को समझते हैं। हम सबसे अधिक प्रभावित लोगों के साथ खड़े होने और जल्द से जल्द सभी संभावित आपदा राहत सामग्री प्रदान करने के लिए तैयार हैं।

हमने कई आपदाओं के लिए सबसे पहले कदम उठाए हैं और लोगों की भलाई हमेशा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक रही है।

आईईएसए और एमपीएसईडीसी ने मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमिकंडक्टर सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए किया करार

भोपाल। मध्य प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स सेमिकंडक्टर ऐसोसिएशन (द्बश्वस्न) ने एक करार (मैमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए हैं जिसके तहत राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन एवं मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम) ईकोसिस्टम उपक्रमों की स्थापना को बढ़ावा दिया जाएगा। इस रणनीतिक गठबंधन का लक्ष्य है मध्य प्रदेश में एक सक्रिय ईकोसिस्टम विकसित करना जिससे की इलेक्ट्रॉनिक बिजनेस सर्विस (ईएमएस), प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी) डिजाइन व मैन्युफैक्चरिंग, इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग व सेमिकंडक्टर एटीएमपी का विस्तार हो सके और इस तरह भारत को ईएसडीएम के क्षेत्र में एक अहम शक्ति बनाने में योगदान दिया जाए। आईईएसए के चेयरपर्सन डॉ वीरप्पन ने इस मौके पर कहा, ''एमपीएसईडीसी के साथ सहयोग कर के हम बहुत खुश हैं जो कि म.प्र. सरकार के साथ मिलकर नीतियां बना रही है और संभावित कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है ताकि वे राज्य में ईएसडीएम सुविधाएं स्थापित करें। इस भागीदारी के जरिए हमारा लक्ष्य है की म.प्र. में एमपीएसईडीसी व उद्योग के मध्य औपचारिक बातचीत का संस्थानिक तंत्र स्थापित किया जाए। हमारा यह प्रयास भारत को 2030 तक 50 अरब डॉलर का ईएसडीएम बाजार बनाने में योगदान करेगा।'' एमपीएसईडीसी के प्रबंध निदेशक श्री अंशुल गुप्ता ने कहा, ''आईईएसए के साथ यह गठबंधन इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमिकंडक्टर उद्योग में मध्य प्रदेश की संभावनाओं को यथार्थ रूप देने की ओर एक अहम कदम है। आईईएसए एक प्रतिष्ठित औद्योगिक संगठन है ।

समापन समारोह में मनु बाकर के साथ भारत के ध्वजवाहक होंगे

पेरिस (एजेंसी)। मशहूर हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश रविवार को यहां होने वाले ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में स्टार निशानेबाज मनु भाकर के साथ भारतीय दल के ध्वजवाहक होंगे। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शुक्रवार को इसकी पुष्टि की।
आईओए ने बयान में कहा, 'भारतीय ओलंपिक संघ को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पेरिस ओलंपिक खेलों के समापन समारोह में पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर के साथ हॉकी गोलकीपर पीआर श्रीजेश संयुक्त ध्वजवाहक होंगे। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने कहा कि श्रीजेश आईओए नेतृत्व की भावनात्मक और लोकप्रिय पसंद थे। श्रीजेश ने भारतीय हॉकी टीम को ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। वह पहले ही घोषणा कर चुके थे कि पेरिस ओलंपिक के बाद वह संन्यास ले लेंगे।

ओलंपिक विवाद के बाद स्वदेश लौटी अंतिम पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस में ओलंपिक खेलों के खेल गांव में अनुशासनात्मक उल्लंघन के कारण विवादों में घिरी भारतीय पहलवान अंतिम पंघाल शुक्रवार को स्वदेश लौट आईं। यह पहलवान गुरुवार को तब चर्चा में आ गई थी जब उन्होंने अपने मान्यता कार्ड पर अपनी बहन को खेल गांव

में प्रवेश करवाने की कोशिश की थी और बाद में पुलिस ने उन्हें बुलाया। इस घटना ने देश को शर्मसार किया और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने अंतिम और उनके सहयोगी स्टाफ को तुरंत ही स्वदेश वापस भेजने का फैसला किया। विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता अंतिम ने हालांकि कहा कि उनका कुछ भी गलत करने का इरादा नहीं था लेकिन खेल गांव के नियमों का उल्लंघन करने के लिए उन पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। भारतीय टीम की जर्सी पहनकर यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने वाली अंतिम तुरंत ही बाहर निकल गई और उन्होंने पत्रकारों से बात करने से इनकार कर दिया।

नीरज ने जैवलिन थ्रो में जीता सिल्वर मेडल

पाकिस्तान के अरशद नदीम के नाम गोल्ड

पेरिस (एजेंसी)। गत चैम्पियन नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की भालाफेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए लेकिन पाकिस्तान के अरशद नदीम ने ओलंपिक में नए रिकॉर्ड के साथ बाजी मार ली।

26 वर्ष के नीरज का दूसरा थ्रो ही उनका एकमात्र वैध थ्रो रहा जिसमें उन्होंने 89.45 मीटर फेंका जो इस सत्र का उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो था। इसके अलावा उनके पांचों प्रयास फाउल रहे। उन्होंने टोक्यो में 87.58 मीटर के थ्रो के साथ पीला तमगा जीता था। वहीं नदीम ने नया ओलंपिक रिकॉर्ड बनाते हुए दूसरा थ्रो ही 92.97 मीटर का लगाया। उन्होंने छठा और आखिरी थ्रो 91.79 मीटर का लगाया। पाकिस्तान का 1992 बार्सीलोना ओलंपिक के बाद यह पहला ओलंपिक पदक है। इससे पहले दस मुकाबलों में नीरज ने हमेशा नदीम को हराया था। पिछला ओलंपिक रिकॉर्ड नॉर्वे के आंद्रियास टी के नाम था जिन्होंने 2008 में बीजिंग खेलों में 90.57 मीटर का थ्रो फेंका था। ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

नीरज लगातार दो ओलंपिक व्यक्तिगत स्पर्धा का पदक जीतने वाले तीसरे और ट्रैक और फील्ड के पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले पहलवान सुशील कुमार (2008 और 2012) और बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू (2016 और 2021) यह कारनामा कर चुके हैं। नदीम को हांगझोउ एशियाई खेलों में नीरज से प्रतिस्पर्धा करनी थी लेकिन आखिरी मौके पर चोट के कारण उन्होंने नाम वापिस ले लिया। नीरज ने उन्हें 2018 एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में हराया था।

जैवलिन थ्रो का रिजल्ट

92.97	अरशद नदीम	पाकिस्तान
89.45	नीरज चोपड़ा	भारत
88.54	एंडरसन पीटर्स	ग्रेनाडा
88.50	जैकब वाडलेच	चेक रिपब्लिक
87.72	जूलियस येगो	केन्या
87.40	जूलियन वेबर	जर्मनी
86.16	केशोर्न वाल्कॉट	त्रिनिदाद एंड टोबैगो
84.58	लस्सी एतेलाटालो	फिनलैंड

'यह अरशद का दिन था', ओलंपिक में गोल्ड ना जीत पाने पर बोले नीरज चौपड़ा

पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन स्वर्ण पदक जीतने का दिन पाकिस्तान के अरशद नदीम का था। चोपड़ा ने कहा कि अब अपने प्रदर्शन का आकलन करने और भविष्य में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने का समय है। चोपड़ा ने कहा, जब भी हम देश के लिए पदक जीतते हैं तो हम सभी खुश होते हैं। अब खेल में सुधार करने का समय है। हम बैठकर चर्चा करेंगे और अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाएंगे। चोपड़ा ने कहा कि प्रतियोगिता कठिन थी और हर एथलीट का अपना दिन होता है, उन्होंने कहा, आज अरशद का दिन था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया, लेकिन कुछ चीजों पर ध्यान देने और काम करने की जरूरत है। उन्होंने भारत की भविष्य की ओलंपिक संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, भारत ने (पेरिस ओलंपिक में) अच्छा प्रदर्शन किया। हमारा राष्ट्रगान आज भले ही न बजाया गया हो, लेकिन भविष्य में इसे सुना जाएगा।

नीरज से प्रतिद्वंद्विता अच्छी है

इससे भारत और पाकिस्तान के युवा प्रेरित होते हैं, गोल्ड जीतकर बोले नदीम

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत पर इतिहास रचने वाले पाकिस्तान के एथलीट अरशद नदीम इस बात से खुश हैं कि भारतीय स्टार नीरज चोपड़ा के साथ उनकी प्रतिद्वंद्विता चर्चा का विषय बनी हुई है क्योंकि उनका मानना है कि इससे दोनों देशों के युवा प्रेरित होते हैं। नदीम ने गुरुवार की रात 92.97 मीटर भाला फेंक कर ओलंपिक का नया रिकार्ड बनाने के साथ स्वर्ण पदक जीता। चोपड़ा ने भी इस सत्र का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 89.45 मीटर की दूरी नापकर रजत पदक हासिल किया। यह 11 मुकाबलों में पहला अवसर है जबकि नदीम ने चोपड़ा को पीछे छोड़ा।

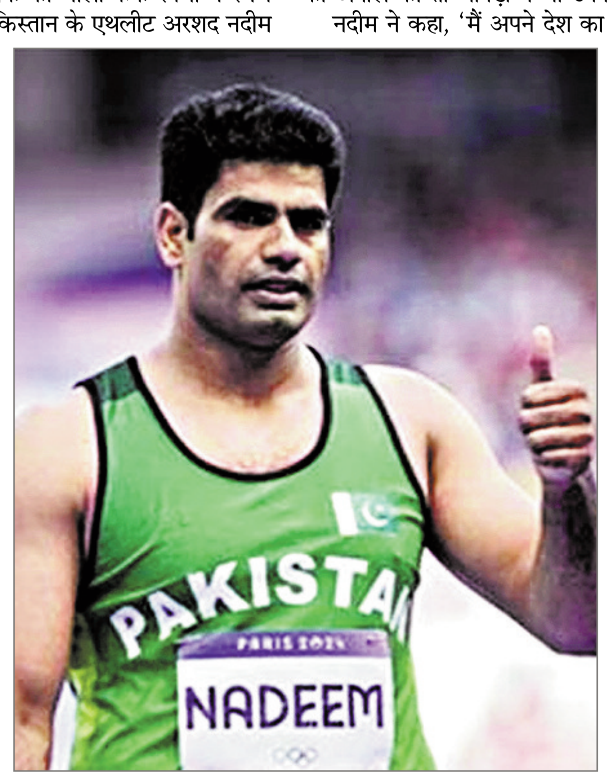

व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाला पहला पाकिस्तानी खिलाड़ी बनने के बाद 27 वर्षीय नदीम ने पत्रकारों से कहा, 'जब क्रिकेट मैच या अन्य खेलों की बात होती है तो निश्चित तौर पर उसमें प्रतिद्वंद्विता शामिल होती है। लेकिन यह दोनों देशों के लिए अच्छी बात है जो हमारा और खेल के अपने आदर्श खिलाड़ियों का अनुसरण करके खेलों से जुड़ना चाहते हैं और अपने देश का नाम रोशन करना चाहते हैं।

वह 1988 के सियोल ओलंपिक में मुक्केबाज हुसैन शाह के मिडिल-वेट में कांस्य पदक जीतने के बाद पाकिस्तान के पहले व्यक्तिगत पदक विजेता भी हैं। नदीम और चोपड़ा मैदान पर कड़े प्रतिस्पर्धी होने के बावजूद मैदान के बाहर अच्छे दोस्त हैं। कुछ महीने पहले जब नदीम ने एक अच्छा भाला खरीदने के लिए सोशल मीडिया पर धन राशि जुटाने की अपील की तो चोपड़ा ने भी उनका समर्थन किया था।

नदीम ने कहा, 'मैं अपने देश का आभारी हूं। हर किसी ने मेरे लिए दुआ की और मुझे अच्छा प्रदर्शन करने की पूरी उम्मीद थी। पिछले कुछ समय से में घुटने की चोट से परेशान था लेकिन इससे उबरने के बाद मैंने अपनी फिटनेस पर काम किया। मुझे 92.97 मीटर से आगे भाला फेंकने की पूरी उम्मीद थी लेकिन आखिर में वह प्रयास स्वर्ण पदक जीतने के लिए पर्याप्त साबित हुआ।

उन्होंने कहा, 'मैं कड़ी मेहनत जारी रखूंगा और आगे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। मेरा लक्ष्य इससे भी दूर भाला फेंकना है। नदीम ने कहा कि पहले वह क्रिकेटर बनना चाहते थे और उन्होंने टेबल टेनिस में भी हाथ आजमाया था। उन्होंने कहा, 'मैं पहले क्रिकेटर था और मैंने टेबल टेनिस भी खेली है और मैं एथलेटिक्स की अन्य प्रतियोगिताओं में भी भाग लेता था। लेकिन मेरे कोच ने कहा कि जिस तरह की मेरी शारीरिक बनावट है उससे मैं भाला फेंक का अच्छा एथलीट बन सकता हूं। इसके बाद 2016 से मैंने अपना पूरा ध्यान भाला फेंक पर लगाया।

नदीम ने कहा, 'मैं एक किसान परिवार से आता हूं और जब भी मैं पदक जीतता हूं तो अपने अतीत को याद करता हूं जिससे मुझे और अच्छा प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है। यही वजह है कि मैं अब भी विनम्र हूं तथा और अधिक सफल होना चाहता हूं।

ओडिशा के सीएम माझी ने हॉकी टीम के लिए इनाम की घोषणा की, रोहिदास को 4 करोड़ देने का ऐलान

नईदिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी और टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 15 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और पीआर श्रीजेश के बचाव की बदौलत भारत ने पेरिस ओलंपिक में स्पेन को यवेस डू मनोइर स्टेडियम में 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता। विशेष रूप से भारत ने 1972 के म्यूनिख खेलों के बाद 52 वर्षों में पहली बार लगातार कांस्य हॉकी पदक जीता। सीएम माझी ने घोषणा की कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कर्मचारियों के लिए 10 लाख रुपए का इनाम आवंटित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि ओडिशा के अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। सीएम माझी ने कहा, भारतीय हॉकी टीम ने स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता है, आने वाली पीढ़ी इस जीत को याद रखेगी... मैं अमित रोहिदास और अन्य सभी खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई देता हूं, और मैं यह भी घोषणा करता हूं कि सभी खिलाड़ियों को 15 लाख रुपए और स्टाफ को 10 लाख रुपये दिए जाएंगे... अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए दिए जाएंगे...। इस बीच ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम से बात की। ओडिशा के पूर्व सीएम ने पेरिस में कांस्य पदक मैच में स्पेन को हराने के लिए हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम को बधाई दी। नवीन पटनायक ने फोन पर कहा, ओडिशा और पूरे भारत की ओर से भारतीय टीम को बहुत-बहुत बधाई, हमें आप पर बहुत गर्व है। बहुत-बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया।

भारत के लिए अपना आखिरी मैच खेल रहे श्रीजेश भावनाओं से भरे मैदान पर उतरे और टीम के बाकी खिलाड़ी भी भारत के हॉकी इतिहास के इस महत्वपूर्ण अवसर का जश्न मनाने के लिए उनके साथ शामिल हुए। कोच क्रेग फुल्टन के नेतृत्व में भारत ने इतिहास रच दिया और ओलंपिक में लगातार दो कांस्य पदक जीते। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (30प्रतिशत, 33 प्रतिशत) के गोल उन्हें फिनिश लाइन तक पहुंचाने के लिए काफी थे।

डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने फैसला वापस लेने की गुजारिश

विनेश फोगाट संन्यास वापस लेंगी, लॉस एंजिलिस ओलंपिक में पूरा करेंगी गोल्ड का सपना?

नई दिल्ल। पेरिस ओलंपिक में गोल्ड मेडल की दावेदार होने के बावजूद अयोग्य घोषित होने के बाद विनेश फोगाट ने रिटायरमेंट का ऐलान कर दिया था। उन्होंने फैसला किया कि अब वह अपने सबसे प्रिय खेल में हिस्सा नहीं लेंगी, लेकिन इस बीच उन्होंने की कवायद शुरू हो गई है। उनकी फैमिली और डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने फैसला वापस लेने की गुजारिश की है।

भारतीय रेसलर विनेश फोगाट ने पेरिस ओलंपिक्स में गोल्ड मेडल मुकाबले से पहले अयोग्य ठहराए जाने के बाद अपनी मां को संबोधित एक भावुक संदेश में कुश्ती को अलविदा कहने की घोषणा कर दी और कहा कि अब उनमें आगे खेलने की ताकत नहीं है। उन्होंने 'एक्स' पर अपने संन्यास की घोषणा की। अपनी मां प्रेमलता को संबोधित करते हुए 29 वर्षीय विनेश ने लिखा, 'मां, कुश्ती मेरे से जीत गई, मैं हार गई। माफ करना। आपका सपना, मेरी हिम्मत सब टूट चुके। इससे ज्यादा ताकत नहीं रही अब।' दो बार की वर्ल्ड चैंपियनशिप की ब्रॉन्ज मेडल विजेता ने कहा, 'अलविदा कुश्ती 2001-2024। मैं आप सभी की हमेशा ऋणी रहूंगी। मुझे माफ कर दीजिए।' विनेश ने बुधवार को खेल पंचाट (कैस) में ओलंपिक्स फाइनल से खुद को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील की और मांग की कि उन्हें संयुक्त रूप से सिल्वर मेडल दिया जाए। रेसलिंग की अंतराष्ट्रीय संचालन संस्था युनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) ने हालांकि स्पष्ट कर दिया है कि वजन से जुड़े वर्तमान नियमों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा।

बबीता फोगाट की बहन विनेश से अपील, दिया अपना उदाहरण

कॉमनवेल्थ गेम्स की गोल्ड मेडल विजेता पहलवान बबीता फोगाट ने अपनी चचेरी बहन विनेश से आग्रह किया कि कुश्ती से संन्यास लेने के अपने फैसले पर फिर से विचार करें। बबीता ने कहा, '2012 में मैं भी एशियन चैंपियनशिप में नहीं खेल पाई थी क्योंकि मेरा वजन 200 ग्राम अधिक था।

ऐसे कई अन्य उदाहरण हैं जिसमें पहलवानों को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित किया गया है। पूरी दुनिया जानती है कि ऐसा कुश्ती के नियमों के कारण हुआ।' बबीता ने कहा कि देश विनेश के कुश्ती को अलविदा कहने के फैसले से दुखी है और उम्मीद है कि वह अपने फैसले पर फिर विचार करेंगी और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक्स के लिए ट्रेनिंग करेंगी।

डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा- दुखी मन से लिया फैसला, मैं हैरान हूं

दूसरी ओर, भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) प्रमुख संजय सिंह ने भी विनेश फोगाट से आग्रह किया है कि वह 'दुखी मन' से खेल से संन्यास लेने जैसा फैसला नहीं करें। वह विनेश से व्यक्तिगत रूप से मिलना चाहते हैं। सिंह ने कहा, 'मुझे सोशल मीडिया पर विनेश के संन्यास के बारे में पता चला और मैं यह देखकर भी हैरान हूं कि उन्होंने खुद ही संन्यास लेने का फैसला किया। मैं डब्ल्यूएफआई की ओर से उनसे आग्रह करूंगा कि वह दुखी मन से इतना बड़ा फैसला नहीं लें और इस निराशा से मानसिक रूप उबरने के बाद ही तर्कसंगत फैसला करें। हम उनसे इस बारे में बात करेंगे।'

हारीं नहीं, हराया गया विनेश को- बजरंग पूनिया

तोक्यो ओलंपिक्स के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट रेसलर बजरंग पूनिया ने कहा कि विनेश हारी नहीं बल्कि उनको हराया गया है। बजरंग ने पोस्ट किया, 'विनेश आप हारी नहीं (आपको) हराया गया है। हमारे लिए आप हमेशा विजेता ही रहेंगी। आप भारत की बेटी के साथ-साथ भारत का अभिमान भी हैं।' वहीं ओलंपिक्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि विनेश के साथ जो कुछ हुआ वह 'हमारे देश की हर बेटी की हार' है। साक्षी ने कहा, 'विनेश तुम हारने वाली नहीं हो। यह हमारे देश की हर बेटी की हार है जिसके लिए आपने लड़ाई लड़ी। यह पूरे देश की हार है। देश आपके साथ है। एक ऐथलीट के तौर पर मैं आपके संघर्ष और जुनून को सलाम करती हूं।' पूर्व खेल मंत्री और एथेंस ओलंपिक्स के सिल्वर मेडलिस्ट शूटर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने इस घटना को दुखद और दिल तोड़ने वाला बताया।

रूस की शतरंज खिलाड़ी ने प्रतिद्वंद्वी को दिया 'जहर'

रूसी शतरंज संघ ने किया निलंबित

पेरिस (एजेंसी)। रूसी गणराज्य दागेस्तान की 40 वर्षीय शतरंज खिलाड़ी अमीना अबकारोवा को रूसी शतरंज संघ द्वारा निलंबित कर दिया है। उन्हें 2 अगस्त को दागेस्तान शतरंज चैंपियनशिप के दौरान अपनी प्रतिद्वंद्वी उमयगनत उस्मानोवा को कथित तौर पर जहर देने के कारण उन्हें तीन साल तक की जेल हो सकती है।

कैमरे में अबकारोवा को खेल से 20 मिनट पहले उस्मानोवा के बोर्ड के पास चलते हुए देखा गया तथा बोर्ड और उस्मानोवा के कुछ मोहरों पर थर्मामीटर से घातक पारा लगाते हुए दिखाया गया है। खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही उस्मानोवा को अस्वस्थता महसूस होने लगी, उन्हें चक्कर आने लगे जिसके कारण उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता के लिए बुलाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक ऐसा जहर के कारण हो सकता है।

अबकारोवा ने अपना गुनाह करते हुए कहा है कि वह उस्मानोवा के प्रति व्यक्तिगत दुश्मनी के कारण अपनी प्रतिद्वंद्वी को टूर्नामेंट से बाहर करना चाहती थी। उसने दावा किया कि उसका इरादा उस्मानोवा को नुकसान पहुंचाना नहीं था बल्कि उसे डराना था।

इस घटना ने शतरंज समुदाय को झकझोर कर रख दिया है। रूसी शतरंज संघ के अध्यक्ष एंड्री फिलाटोव ने पुष्टि की है कि अबकारोवा को जांच लंबित रहने तक रूसी शतरंज प्रतियोगिताओं से अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। उन पर आजीवन प्रतिबंध लगने की संभावना है। दागेस्तान की खेल मंत्री साजिदा साजिदोवा ने अबकारोवा की हरकतों पर आश्चर्य और नासमझी व्यक्त की, जिसके कारण दुखद परिणाम हो सकते थे जिससे वहां मौजूद सभी लोगों की जान को खतरा हो सकता था, जिसमें वह खुद भी शामिल थीं।

बीमार पड़ने के बावजूद उस्मानोवा पूरी तरह से ठीक हो गईं और टूर्नामेंट जारी रखा, अंततः दूसरे स्थान पर रहीं और पुरस्कार जीता। अबकारोवा को चौथे दौर के बाद निष्कासित कर दिया गया और उनके निकट भविष्य में फिर से शतरंज खेलने की संभावना नहीं है।

हसीना को शरण देने से भारत के खिलाफ बांग्लादेश में प्रतिक्रिया स्वभाविक: बीएनपी

कोलकाता, (भाषा) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंध अवामी लीग पर निर्भर नहीं हैं और भारत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को शरण देने पर "बांग्लादेश में प्रतिकूल प्रतिक्रिया होना स्वभाविक है"।

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री खांडकर मुशर्रफ हुसैन ने बांग्लादेश के लिए भारत को 'बहुत महत्वपूर्ण' करार देते हुए कहा कि 'यह द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करने का सही समय है'।

हुसैन ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि भारत सरकार अब अवामी लीग और शेख हसीना को समर्थन देना जारी नहीं रखेगी, जिन्हें बड़े पैमाने पर प्रदर्शनों के बाद देश से भागने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

बीएनपी के उपाध्यक्ष अब्दुल अवल मिंटू ने भी ऐसी ही राय जताते हुए कहा कि बेहतर होता कि हसीना भारत नहीं भागतीं। उन्होंने कहा, ''बेहतर होता कि वह भारत नहीं भागतीं, क्योंकि हम भारत के साथ अच्छे संबंध चाहते हैं। बांग्लादेश और इसके लोग भारत को दोस्त की तरह मानते और देखते हैं।'' उन्होंने हालांकि रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक भारत का अधिकार है कि वह जिसे चाहे उसे शरण दे सकता है।

हुसैन ने कहा, ''शेख हसीना के भारत में शरण लेने का असर बिल्कुल स्वाभाविक है। उदाहरण के लिए, यदि मैं आपको पसंद नहीं करता हूं और कोई अन्य व्यक्ति आपका समर्थन कर रहा है तो स्वाभाविक रूप से मुझे वह व्यक्ति पसंद नहीं आएगा। प्रतिकूल प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। लेकिन तथ्य यह है कि भारत-बांग्लादेश के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं, भले ही अवामी लीग सत्ता में हो या शेख हसीना।''

उन्होंने कहा, ''जब बीएनपी सत्ता में थी, मैं बांग्लादेश सरकार में मंत्री था। हमने देखा कि दोनों देशों के बीच शानदार संबंध रहे। भारत, बांग्लादेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ने हमेशा बांग्लादेश के लोगों का समर्थन किया है। दोनों देशों के बीच अच्छे द्विपक्षीय संबंध बने रहेंगे।''

सतहत्तर वर्षीय नेता ने कहा कि बांग्लादेश के लोग उम्मीद करते हैं कि भारत सरकार अवामी लीग जैसे भ्रष्ट और तानाशाहीपूर्ण शासन का हमेशा समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने कहा, ''हमें लगता है कि भारत के लोगों को भी इसका एहसास है।''

यह पूछे जाने पर कि क्या बीएनपी चाहती है कि हसीना को बांग्लादेश को सौंप दिया जाए, उन्होंने कहा, ''यह अंतरिम सरकार को तय करना है। बीएनपी के रूप में, हमने इस पर कोई फैसला नहीं लिया है।''

हुसैन ने यह भी उम्मीद जताई कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के तहत लोगों के सामान्य और लोकतांत्रिक अधिकार जल्द से जल्द बहाल होंगे।

प्रोफेसर यूनुस ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में बृहस्पतिवार को शपथ ली। ढाका में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने 84 वर्षीय यूनुस को पद की शपथ दिलाई।

प्रधानमंत्री शेख हसीना ने नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद इस्तीफा दे दिया था और देश छोड़कर चली गईं। उन्होंने सोमवार को बांग्लादेश के सैन्य विमान से दिल्ली के पास हिंडन एयरबेस के लिए उड़ान भरी।

बीएनपी के वरिष्ठ नेता हुसैन ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में ढाका में भारतीय उच्चायुक्त का स्वागत किया और नए शासन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बधाई संदेश के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा, ''द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय शुरू करने का यह सही समय है।'' उन्होंने कहा, ''भारतीय प्रधानमंत्री ने नयी अंतरिम सरकार को बधाई दी है। ढाका में भारतीय उच्चायुक्त ने समारोह में भाग लिया। इसलिए हमें लगता है कि भारत नई अंतरिम सरकार का समर्थन करता है और देश से भागने वालों का समर्थन नहीं करता।''

प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने जल्द सामान्य स्थिति बहाल होने और बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की उम्मीद जताई।

मिंटू ने कहा कि बांग्लादेश में यह 'सर्वविदित तथ्य' है कि अपने बड़े पड़ोसी के समर्थन के कारण ही अवामी लीग अपनी सरकार के खिलाफ गहरी नाराजगी के बावजूद इतने लंबे समय तक सत्ता में बनी रह सकी।

अवामी लीग के साथ भारत की निकटता पर मिंटू ने कहा, ''इसका द्विपक्षीय संबंधों पर कम और अस्थायी असर पड़ सकता है, लेकिन यह बांग्लादेश के हित में है कि यह लंबे समय तक नहीं रहे।'' उन्होंने कहा, ''यह बांग्लादेश के हित में है कि हमारे भारत के साथ बहुत अच्छे संबंध हों। यदि यह भूटान या नेपाल जैसा कोई अन्य पड़ोसी देश होता तो मैं ऐसा नहीं कहता, लेकिन भारत एक बहुत बड़ा देश है और विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। अच्छे द्विपक्षीय संबंधों की खातिर दोनों देशों को बैठकर बातचीत करनी चाहिए और मतभेदों को सुलझाना चाहिए।''

बांग्लादेश में 'इंडिया आउट' अभियान के बारे में पूछे जाने पर हुसैन और मिंटू दोनों ने कहा कि ये 'छिटपुट और अस्थायी घटनाएं' हैं और न तो बांग्लादेश के लोग और न ही बीएनपी ऐसे अभियानों का समर्थन करते हैं।

मिंटू ने कहा कि बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार को सभी मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ तुरंत बातचीत करनी चाहिए।

शेख हसीना के बेटे सजीब वाजिद जॉय द्वारा 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में दिए गए इस बयान पर कि लोकतंत्र बहाल होते ही उनकी मां बांग्लादेश लौट आएंगी, मिंटू ने कहा, ''वह लौटना चाहती हैं या नहीं, यह उन पर निर्भर है। हम इस पर टिप्पणी नहीं कर सकते। बांग्लादेश का कानून अपना काम करेगा। अवामी लीग के शासन के दौरान भ्रष्टाचार और मानवाधिकारों के उल्लंघन के कई मामले सामने आए।''

मिंटू ने हालांकि कोई समयसीमा नहीं बताई लेकिन उन्होंने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के नेतृत्व वाली उनकी पार्टी चाहती है कि चुनाव जल्द से जल्द हों ताकि लोकतांत्रिक सरकार की स्थापना हो सके।

जुलाई में विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद से लगभग तीन हफ्तों में बांग्लादेश में सरकार विरोधी प्रदर्शनों में कम से कम 469 लोग मारे गए हैं।

उत्तराखंड : पूर्णागिरी धाम जा रहे श्रद्धालुओं की जीप नाले में बही, दो लोगों की मौत

चंपावत, (भाषा) उत्तराखंड के चंपावत जिले में स्थित पूर्णागिरी धाम की ओर जा रहे श्रद्धालुओं की एक जीप के शुक्रवार को बारिश से उफनाए एक नाले में बह जाने से दो महिलाओं की मौत हो गयी और पांच अन्य लोग घायल हो गए।

घटनास्थल पर पहुचें चंपावत के जिलाधिकारी नवनीत पांडे ने बताया कि किरौड़ा नाले के तेज बहाव में बही जीप में सवार नौ वर्षीय मंगल सिंह लापता है, जिसे ढूंढने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि हादसे के समय वाहन में नौ लोग सवार थे।

अधिकारी ने बताया कि पांचों घायलों का टनकपुर उप जिलाचिकित्सालय में उपचार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना का शिकार हुए श्रद्धालु ऊधमसिंहनगर जिले के खटीमा के रहने वाले थे। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान 14 वर्षीय

बलविंदर कौर और 24 वर्षीय सोना कौर के रूप में हुई है जबकि घायलों में मृतका की छोटी बहन सीमा (पांच) के अलावा दो सगी बहनें पवनदीप कौर और अमनदीप कौर, 12 वर्षीय गीता कठैत और जीप चालक उवैश (20) शामिल हैं। दुर्घटनाग्रस्त जीप में सवार 58 वर्षीय प्रहलाद सिह को हादसे में चोट नहीं आयी और वह अपने घर लौट गए।

उपजिलाधिकारी के मुताबिक, राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ), पुलिस और राजस्व विभाग के कर्मचारी लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। घटना को देखते हुए शारदा बैराज पर भी सतर्कता बढ़ा दी गयी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए स्थानीय प्रशासन को तेजी से बचाव और राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए।

भूस्खलन प्रभावित वायनाड में रहस्यमयी आवाज से दहशत फैली

वायनाड (केरल) (भाषा) केरल के भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले में विभिन्न स्थानों पर शुक्रवार की सुबह लोगों ने जमीन के नीचे से तेज आवाज सुनने की सूचना दी, जिससे स्थानीय लोगों और अधिकारियों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन प्रभावित आवासीय क्षेत्र से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंबालावायल गांव और व्यथिरी तालुक के कुछ इलाकों में तेज ध्वनि सुनाई दी। वायनाड जिलाधिकारी डी. आर. मेघश्री ने एक बयान में कहा, ''जिला प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करने के लिए कदम उठाए हैं।'' केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने कहा कि वह भूकंपीय 'रिकॉर्ड' की जांच कर रहा है और स्थानीय स्तर पर जांच कर स्थिति का पता लगाया जा रहा है।

उपवर्गीकरण के फैसले को निष्प्रभावी करने के लिए संविधान संशोधन विधेयक लाए सरकार: मायावती

लखनऊ, (भाषा) बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उच्चतम न्यायालय द्वारा राज्यों को अनुसूचित जाति और जनजातियों के आरक्षण में उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार दिये जाने के फैसले को संविधान संशोधन के जरिये निष्प्रभावी करने पर जोर देते हुए शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार से संसद के इसी सत्र में संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की।

मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आज मिलने गये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एससी/एसटी (अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति) सांसदों को यह आश्वासन देना कि कोटे में क्रीमी लेयर को लागू नहीं करने तथा एससी-एसटी के आरक्षण में कोई उप-वर्गीकरण भी नहीं करने की उनकी मांगों पर गौर किया जाएगा, यह उचित है और ऐसा किए जाने पर इसका स्वागत।''

भाजपा सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और एससी व एसटी के बीच क्रीमी लेयर की

पहचान करने पर उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी पर चिंता व्यक्त की।

मायावती ने एक अन्य पोस्ट में यह भी कहा, ''लेकिन अच्छा होता कि उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ के समक्ष बहस में केन्द्र सरकार की तरफ से एटार्नी जनरल द्वारा आरक्षण को लेकर एससी व एसटी में क्रीमी लेयर लागू करना तथा इनका उप-वर्गीकरण किये जाने के पक्ष में दलील नहीं रखी गयी होती, तो शायद यह निर्णय नहीं आता।''

बसपा प्रमुख ने अपने सिलसिलेवार पोस्ट में आशंका जाहिर करते हुए कहा, ''उच्चतम न्यायालय के एक अगस्त 2024 के निर्णय को संविधान संशोधन के जरिए जब तक निष्प्रभावी नहीं किया जाता तब तक राज्य सरकारें अपनी राजनीति के तहत वहां इस निर्णय का इस्तेमाल करके एससी/एसटी वर्ग का उप-वर्गीकरण व क्रीमी लेयर को लागू कर सकती हैं। अतः संविधान संशोधन बिल इसी सत्र में लाया जाए।''

उच्चतम न्यायालय ने एक अगस्त को एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि राज्यों को अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि उन जातियों को आरक्षण प्रदान किया जा सके जो सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी हैं।

हालांकि, उच्चतम न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि राज्यों को पिछड़ेपन और सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व के 'मात्रात्मक और प्रदर्शन योग्य आंकड़ों' के आधार पर उप-वर्गीकरण करना होगा, न कि 'मर्जी' और 'राजनीतिक लाभ' के आधार पर।

जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध: निर्वाचन आयुक्त

जम्मू, (भाषा) मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने शुक्रवार को कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और किसी भी आंतरिक या बाहरी शक्ति को चुनाव प्रक्रिया प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कुमार के नेतृत्व में आयोग के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव तैयारियों की समीक्षा और राजनीतिक दलों के साथ चर्चा करने के लिए जम्मू-कश्मीर का दौरा किया है। कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सभी दल जल्द विधानसभा चुनाव कराने का पुरजोर समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम जम्मू-कश्मीर में जल्द से जल्द चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमें विश्वास है कि लोग विघटनकारी ताकतों को मजबूती से जवाब देंगे। जब भी चुनाव होंगे हम मतदाताओं की भागीदारी में वृद्धि देखेंगे।"

चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार एवं एसएस संधू की मौजूदगी में सीईसी ने कहा कि आयोग ने अपनी राज्य स्तरीय समीक्षा पूरी कर ली है और इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र में विधानसभा चुनाव

कराने का यह सही समय है।

विधानसभा चुनाव की तिथि के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा, "हम पिछले संसदीय चुनावों की सफलताओं को बरकरार रखने के लिए तैयार हैं। हम सबसे पहले नयी दिल्ली में सुरक्षा बलों की उपलब्धता की समीक्षा करेंगे। उच्चतम न्यायालय की ओर से तय की गई 30 सितंबर की समयसीमा को ध्यान में रखा जाएगा। इसके बाद हम आपको सूचित करेंगे।"

कुमार ने कहा कि किसी भी राज्य में चुनाव का समय विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा, "इस साल चार - पांच राज्यों में चुनाव होने हैं, प्रत्येक की अलग-अलग समय सीमा है और हम उसके लिए तैयार हैं।₹ उन्होंने कहा कि 19 अगस्त को अमरनाथ यात्रा समाप्त होने के साथ ही दिल्ली में सुरक्षा स्थिति और बल की जरूरतों का आकलन किया जाएगा।

सीईसी के नेतृत्व वाली टीम ने अपनी यात्रा के दौरान श्रीनगर में नौ राजनीतिक दलों - भाजपा, कांग्रेस, आप, बसपा, माकपा, नेशनल कान्फ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी (भीम), और जम्मू-कश्मीर पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर उनके विचार जाने।

कुमार ने कहा, "ये राज्य में मान्यता प्राप्त दल हैं. सभी दलों ने एक सुर में जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण व ऐतिहासिक संसदीय चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग की सराहना की।" उन्होंने कहा, "उन्होंने स्वीकार किया कि बड़े मत प्रतिशत के साथ मतदान होना ऐतिहासिक उपलब्धि थी, जिसमें कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। चुनावी प्रक्रिया में जनता का विश्वास बढ़ा है।"

जम्मू-कश्मीर में 2014 से विधानसभा चुनाव नहीं हुए हैं। साल 2018 में पूर्ववर्ती राज्य की विधानसभा भंग होने के बाद 2019 की शुरुआत में चुनाव होने थे। हालांकि, अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर को विभाजित करके दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के बाद विभिन्न कारणों से विधानसभा चुनाव नहीं हो पाए, जिनमें से एक कारण परिसीमन था, जो 2022 में पूरा हुआ। पिछले साल दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार को 30 सितंबर 2024 तक विधानसभा चुनाव संपन्न कराने का निर्देश दिया था।

प्रधानमंत्री ने की 'हर घर तिरंगा' अभियान को यादगार जन आंदोलन बनाने की अपील

नयी दिल्ली, (भाषा) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लोगों से 'हर घर तिरंगा' अभियान को एक यादगार जन आंदोलन बनाने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने इसके साथ ही विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर अपनी प्रोफाइल तस्वीर (डीपी) पर राष्ट्रीय ध्वज लगाया और इस अभियान की शुरुआत की। उन्होंने लोगों से भी ऐसा करने का आग्रह किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जैसे-जैसे इस साल का स्वतंत्रता दिवस नजदीक आ रहा है, आइए फिर से हर घर तिरंगा अभियान को एक यादगार जन आंदोलन बनाएं। मैं अपनी प्रोफाइल पिक्चर बदल रहा हूं और आप सभी से आग्रह करता हूं कि ऐसा करके हमारे तिरंगे का सम्मान करने में मेरा साथ दें।'' उन्होंने लोगों से हर घर तिरंगा डाट कॉम पर अपनी सेल्फी साझा करने का भी आग्रह किया। आजादी के महापर्व को विशेष बनाने के लिए केंद्र सरकार नौ अगस्त से देश भर में हर घर तिरंगा अभियान चलाती है। यह 15 अगस्त को समाप्त होता है।

संविधान और लोकतंत्र की शक्ति केजरीवाल की रिहाई भी सुनिश्चित करेगी: सिसोदिया

नयी दिल्ली, (भाषा) आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने 17 महीने तक सलाखों के पीछे रहने के बाद शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आने पर कहा कि संविधान और लोकतंत्र की शक्ति के कारण उन्हें जमानत मिली तथा यही शक्ति दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की रिहाई सुनिश्चित करेगी।

उच्चतम न्यायालय ने इससे पूर्व आज उन्हें जमानत दे दी और कहा कि बिना मुकदमे के लंबे समय तक जेल में रहने के कारण उन्हें त्वरित न्याय के अधिकार से वंचित होना पड़ा है।

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) दोनों ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और धनशोधन के मामलों में गिरफ्तार किया था।

मुख्यमंत्री एवं आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल भी इसी मामले में जेल में बंद हैं।

मरून रंग की कमीज पहने सिसोदिया ने जेल से बाहर निकलते

समय पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं का अभिनंदन किया, जिन्होंने उन पर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाईं।

'केजरीवाल, केजरीवाल' के नारों के बीच सिसोदिया ने कहा, ''हमने संविधान के माध्यम से इस कानूनी लड़ाई को तार्किक अंजाम तक पहुंचाया है। मेरा साथ देने के लिए मैं आप सभी को धन्यवाद देता हूं।'' उन्होंने कहा, ''केवल मैं ही नहीं, बल्कि दिल्ली का हर व्यक्ति और देश का हर बच्चा भावनात्मक रूप से जेल में मेरे साथ था। देश में तानाशाही को करारा तमाचा मारने के लिए संविधान की शक्ति का उपयोग करने के वास्ते मैं उच्चतम न्यायालय को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं।''

आप समर्थकों की भीड़ हाथों में झंडे लिए और नारेबाजी करते हुए सिसोदिया के जेल से बाहर आने का इंतजार कर रही थी। बाबा साहेब आंबेडकर की सराहना करते हुए सिसोदिया ने कहा कि वह उनके ऋणी हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा पूरा जीवन आंबेडकर का ऋणी है।''

सिसोदिया ने कहा कि यह सभी के लिए एक भावनात्मक क्षण है और उम्मीद है कि संविधान तथा लोकतंत्र की ताकत केजरीवाल की रिहाई का मार्ग प्रशस्त करेगी। उन्होंने नारा लगाया, ''भ्रष्टाचार का एक ही काल, केजरीवाल, केजरीवाल।''

न्यायालय ने नीट-पीजी को स्थगित करने संबंधी याचिका खारिज की

नयी दिल्ली, (भाषा) उच्चतम न्यायालय ने 11 अगस्त को होने वाली नीट-पीजी परीक्षा को स्थगित करने से इनकार करते हुए शुक्रवार को कहा कि वह याचिका दायर करने वाले पांच छात्रों के लिए दो लाख छात्रों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकता।

शीर्ष अदालत ने राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (स्नातकोत्तर) (नीट-पीजी) को टालने का आग्रह करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसमें दावा किया गया था कि अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं, जहां पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि न्यायाधीश कोई अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं।

पीठ ने कहा, ''हम ऐसी परीक्षा को

कैसे स्थगित कर सकते हैं। संजय हेगड़े, आजकल लोग बस परीक्षा स्थगित करने के लिए कहते हैं। यह संपूर्ण दुनिया नहीं है। हम अकादमिक विशेषज्ञ नहीं हैं।'' इसने कहा, ''सैद्धांतिक रूप से, हम परीक्षा को पुनर्निर्धारित नहीं करेंगे। दो लाख छात्र और चार लाख माता-पिता हैं जो इसे स्थगित करने पर सप्ताहांत में रोएंगे। हम पांच याचिकाकर्ताओं के लिए दो लाख अभ्यर्थियों के करियर को खतरे में नहीं डाल सकते। हम ऐसा नहीं कर सकते। मेडिकल छात्रों के लिए निश्चितता होनी चाहिए। हम नहीं जानते कि इन याचिकाओं के पीछे कौन है।'

याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय हेगड़े ने कहा कि नीट-पीजी को पुनर्निर्धारित करने की आवश्यकता है क्योंकि परीक्षा केंद्रों की कमी के कारण अभ्यर्थियों का एक समूह सुबह और दूसरा समूह दोपहर बाद परीक्षा देगा। उन्होंने पीठ से सभी अभ्यर्थियों के लिए एक समान और निष्पक्ष परीक्षा माहौल सुनिश्चित करने के लिए एक ही बैच में परीक्षा आयोजित करने का निर्देश जारी करने का आग्रह किया। विशाल सोरेन और अन्य द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि अनेक अभ्यर्थियों को ऐसे शहर आवंटित किए गए हैं जहां तक पहुंचना उनके लिए बेहद असुविधाजनक है। इसमें कहा गया कि परीक्षा संबंधी शहर 31 जुलाई को आवंटित किए गए थे और विशिष्ट केंद्र आठ अगस्त को घोषित किए जाएंगे।

'लापता लेडीज' की स्क्रीनिंग से पहले आमिर खान उच्चतम न्यायालय पहुंचे, प्रधान न्यायाधीश ने किया स्वागत

नयी दिल्ली, (भाषा) बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान फिल्म 'लापता लेडीज' की न्यायाधीशों के लिए स्क्रीनिंग से पहले शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय पहुंचे और प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने उनका स्वागत किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''मैं अदालत में भगदड़ नहीं चाहता, लेकिन हम आमिर खान का स्वागत करते हैं, जो फिल्म की स्क्रीनिंग के लिए यहां आए हैं। निर्देशक किरण राव भी जल्द ही हमारे साथ शामिल होंगी।''

यह फिल्म ग्रामीण भारत की दो दुल्हनों की हृदयस्पर्शी कहानी है, जिनकी ट्रेन में यात्रा के दौरान गलती से अदला-बदली हो जाती है। इसका निर्माण राव के बैनर 'किंडलिंग प्रोडक्शंस' और खान के बैनर 'आमिर खान प्रोडक्शंस' ने किया है।

उत्तर प्रदेश के बरेली में महिलाओं की सिलसिलेवार हत्या करने वाला 'साइको किलर' गिरफ्तार

बरेली, (भाषा) उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में महिलाओं की सिलसिलेवार हत्या करने वाले एक 'साइको किलर' को पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने छह महिलाओं की हत्या करने के अपने गुनाह को भी कबूल लिया।

बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने तीन दिन पहले ही तीन स्केच जारी किये थे और उससे मिलते-जुलते एक व्यक्ति को पुलिस ने पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि आरोपी को पकड़ने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का ईनाम देने की घोषणा की गयी है।

अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान जिले के नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव बाकरगंज सानुआ निवासी कुलदीप (35) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि मुखबिर की सूचना व पूर्व में तैयार किये गये स्केच और उपलब्ध वीडियो की सहायता से आरोपी को पहचान कर गिरफ्तार किया गया। आर्य ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में छह घटनाओं को अंजाम देने की

बात को कबूल लिया है। उन्होंने बताया कि जिले के मुख्यतः शाही एवं शीशगढ़ थाना क्षेत्र में वर्ष 2023 से 2024 में निरंतर सुनसान स्थानों पर अधेड़ उम्र की छह महिलाओं की गला घोटकर हत्या किये जाने की घटनाएं सामने आई थीं।

अधिकारी ने बताया कि इन घटनाओं के संबंध में शाही एवं शीशगढ़ थानों में हत्या के मुकदमे दर्ज किये गये हैं। उन्होंने बताया कि आरोपी की धरपकड़ के लिए 'ऑपरेशन तलाश' अभियान शुरू किया गया और जिले के कुशल पुलिसकर्मियों को छांटकर कुल 22 टीमों का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान 25 किलोमीटर के दायरे में 1500 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का खंगाला गया और 600 नये सीसीटीवी कैमरे लगाये गये।

अधिकारी ने बताया कि अभियुक्त 'पहले महिला से शारीरिक संबंध बनाने को कहता था और मना करने पर गला दबाकर उनकी हत्या करता था।' उन्होंने बताया कि सभी घटनाएं उसने शाही और शीशगढ़ क्षेत्र में की। पुलिस ने 'साइको किलर' को गिरफ्तार करने के बाद घटनास्थल पर ले जाकर उससे पूछताछ की और सभी महिलाओं की हत्या के बारे में विस्तृत जानकारी ली। अधिकारी ने बताया कि 'साइको किलर' ने जिन महिलाओं को निशाना बनाया, उनमें सभी अधेड़ उम्र की थी। इसके अलावा सभी की गला दबाकर हत्या की गई। उन्होंने बताया कि हत्या से पहले आरोपी उनके साथ छेड़छाड़ करता था। सभी महिलाएं घटना के दौरान अकेली थी। वह महिलाओं से पहले काफी देर तक बातचीत करता था। इसके बाद मौका मिलते ही उनकी हत्या कर देता था। पुलिस ने बताया कि कुलदीप कुमार के पास से मारी गयीं महिलाओं का सामान भी बरामद किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129